प्रयागराज, रविवार 23 नवम्बर 2025 से शनिवार 29 नवम्बर 2025 तक

वर्ष-13 अंक-45
पृष्ठ- 8 मूल्य: 3 रूपये

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

हिन्दी साप्ताहिक

नगर संस्करण 13

डाक पंजीयन नं. 99/2018-20

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.adhuniksamachar.com

संक्षिप्त समाचार

मुझसे अब एसआईआर का काम नहीं होगा...गुजरात पोलिंग एजेंट ने की आत्महत्या

सूरत। गुजरात के गिर सोमनाथ ज़िले में एक बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) ने देशव्यापी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में लगे अधिकारियों के बीच बढ़ती परेशानी के बीच आत्महत्या कर ली। अब तक कई राज्यों में नौ बीएलओ अपनी जान दे चुके हैं, जिनमें से चार ने देशव्यापी एसआईआर अभियान के दौरान अत्यधिक कार्यभार के कारण आत्महत्या कर ली। इस घटना ने कई राज्यों में बीएलओ पर बढ़ते काम के दबाव को लेकर चिंताएँ बढ़ा दी हैं। पीड़ित, 40 वर्षीय शिक्षक अरविंद वढेर, कोडिनार तालुका के छारा गाँव में बीएलओ के पद पर कार्यरत थे। अपनी पत्नी को लिखे एक सुसाइड नोट में उन्होंने लिखा कि वह एसआईआर के अधीन कार्यभार संभालने में असमर्थ थे। उन्होंने लिखा मैं अब एसआईआर का यह काम नहीं कर पाऊँगा।

हत्या के एक मामले में दोषी करार दिये गये सात लोगों को उम्रकैद

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले की एक अदालत ने हत्या के एक मामले में आरोपी सात लोगों को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई और सभी पर 51-51 हजार रुपये का जुर्माना लगाया। लोक अभियोजक राजीव कुमार ने बताया कि 15 जुलाई 2022 को खुर्जा नगर इलाके के शेखपेन मोहल्ले में रहने वाले इदरीस (65) की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इदरीस के बेटे आस मोहम्मद ने पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि उसके पिता और दो भाई इरफान व इमरान आगे चल रहे थे और वह पीछे था। शिकायतकर्ता के मुताबिक, रास्ते में पहले से ही घात लगाए बैठे हमलावरों ने उसके पिता से मारपीट शुरू कर दी व गोलियां चलाईं, जिससे उसके पिता घबराकर मस्जिद के अंदर घुस गए और हमलावरों ने उनकी गोलियां मारकर हत्या कर दी।

चंदौली में किशोरी की ट्रेन की चपेट में आने से मौत

नई दिल्ली। चंदौली जिले के मुगलसराय कोतवाली थाना क्षेत्र में रेलवे लाइन पार करते समय ट्रेन की चपेट में आने से एक किशोरी की मौत हो गई। मुगलसराय कोतवाली थाना प्रभारी गगनराज सिंह ने बताया कि किशोरी की पहचान चंधासी वार्ड नंबर-12 के निवासी पिंटू चौहान की पुत्री मनीषा (17) के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि मनीषा दोपहर करीब 12 बजे हृदयपुर गांव स्थित खेत में काम करने जा रही थी तभी रेलवे लाइन पार करते समय यह दुर्घटना हुई।

मणिपुर में ताकतवर समूह अवैध प्रवासियों के मुद्दे से ध्यान भटकाने की कोशिश कर रहे : बीरेन सिंह

लखनऊ। मणिपुर के पूर्व मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने दावा किया कि कुछ शक्तिशाली समूह जानबूझकर राज्य में अवैध प्रवासियों की मूल समस्या से ध्यान भटकाने की कोशिश कर रहे हैं। सिंह ने यह भी कहा कि राष्ट्र-विरोधी और राज्य-विरोधी तत्वों को घुसपैठियों से जुड़े असल मुद्दे से ध्यान भटकाने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। उन्होंने शुक्रवार शाम 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "जब मैंने अपने नेतृत्व वाली राजग सरकार के दौरान पड़ोसी देश से आए अवैध प्रवासियों और शरणार्थियों की पहचान शुरू की, तो पड़ोसी राज्यों के नेताओं ने इसकी कड़ी आलोचना की।" सिंह ने कहा, "आज नगालैंड और मिजोरम सहित हर पड़ोसी राज्य ने आखिरकार स्थिति की गंभीरता को समझा है और सख्त कार्रवाई की है।" उनका यह बयान हाल ही में मीडिया में आई उन खबरों के बाद आया है जिनमें कहा गया था कि मिजोरम सरकार ने राज्य के 11 जिलों में शरण लिए हुए म्यांमा के 31,214 शरणार्थियों का 58.15 प्रतिशत बायोमेट्रिक नामांकन पूरा कर लिया है।

उत्तर प्रदेश सरकार घुसपैठियों की पहचान कर उन्हें निरुद्ध केंद्र में रखेगी

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य के सभी जिलाधिकारियों को घुसपैठियों की पहचान कर उन पर त्वरित और सख्त कार्रवाई करने के स्पष्ट निर्देश शनिवार को जारी किए। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की कानून-व्यवस्था, राष्ट्रीय सुरक्षा और सामाजिक समरसता सर्वोच्च प्राथमिकता है, और किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बयान में कहा गया, "मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि प्रत्येक जिला प्रशासन अपने क्षेत्र में मौजूद घुसपैठियों की पहचान सुनिश्चित करें और नियमानुसार कार्रवाई शुरू करें।" इसमें कहा गया, "मुख्यमंत्री ने प्रत्येक जिलों में अवैध घुसपैठियों के लिए अस्थायी निरुद्ध केंद्र बनाने के निर्देश भी दिए हैं।" बयान में कहा गया कि इन केंद्रों में विदेशी नागरिकता वाले अवैध प्रवासियों को रखा जाएगा और आवश्यक सत्यापन की प्रक्रिया पूरी होने तक वहीं आवास सुनिश्चित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'डिटेंशन सेंटर' में रखे गए अवैध घुसपैठियों को तय प्रक्रिया के तहत उनके मूल देश वापस भेजा जाएगा।

उत्तर प्रदेश, नेपाल से खुली सीमा साझा करता हैं जहां दोनों देशों के नागरिक बिना रोक-टोक आ-जा सकते हैं, लेकिन अन्य देशों के लोगों पर जांच लागू होती है। योगी आदित्यनाथ ने तीन नवंबर को बिहार में चुनाव प्रचार के दौरान दावा किया था कि यदि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सत्ता में लौटता है, तो घुसपैठियों को राज्य से बाहर निकाला जाएगा और उनकी संपत्ति गरीबों में बांटी जाएगी।उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि उनकी सरकार की पहली प्राथमिकता जनता, खासकर महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना रही है।भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए महिलाओं को मज़बूत बनाने पर ज़ोर देते हुए, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा, 'जब आधी आबादी आगे बढ़ेगी, तो देश ज़रूर आगे बढ़ेगा।' लखनऊ में इण्ण्ए इण्ब (फेडरेशन ऑफ़ इंडियन चैंबर्स ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री लेडीज़ ऑर्गनाइज़ेशन) की इंटर-स्टेट मीटिंग को संबोधित करते हुए, उन्होंने कहा, 'तरक्की सबको साथ लेकर चलने वाली होनी चाहिए और महिलाओं के सशक्तिकरण पर केंद्रित होनी चाहिए। कोई भी समाज अपनी आधी आबादी को नज़रअंदाज़ करके आत्मनिर्भर नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि जब भाजपा राज्य में सत्ता में आई थी, तब असुरक्षा का माहौल था और कानून-व्यवस्था दयनीय थी। उन्होंने कहा, 'न तो व्यापारी, उद्योगपति और न ही बाजार की बेटियां सुरक्षित थीं। उन्होंने कहा कि पिछले आठ-साढ़े आठ वर्ष में राज्य सरकार ने जिस 'जीरो टॉलरेंस' की नीति पर काम किया है, उसके तहत उत्तर प्रदेश ने एक लंबी छलांग लगाई है और 'आज उत्तर प्रदेश देश में एक आदर्श राज्य के रूप में जाना जाता है।

'नई बाबरी' की नींव पर छिड़ी जंग: टीएमसी विधायक का 6 दिसंबर का शिलान्यास कार्यक्रम

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद के भरतपुर से विवादास्पद तृणमूल कांग्रेस विधायक हुमायूँ कबीर, जिन्होंने 22 दिसंबर को अल्पसंख्यकों के लिए एक नया संगठन बनाने की धमकी दी है, ने अपनी पार्टी को फिर से हैरान कर दिया है। इस बार उन्होंने 6 दिसंबर को उत्तर प्रदेश के अयोध्या में स्थित मूल बाबरी मस्जिद के विध्वंस की वर्षगांठ पर ज़िले में अपनी प्रस्तावित बाबरी मस्जिद के शिलान्यास के लिए एक युवा विपक्षी विधायक नौशाद सिद्दीकी को आमंत्रित किया है। सिद्दीकी 2021 के विधानसभा चुनाव में दक्षिण 24 परगना के भांगड़ से पहली बार इंडियन सेक्युलर फ्रंट (घ्इफ़) के टिकट पर विधायक चुने गए थे। इस संगठन की स्थापना उनके भाई और मुस्लिम धर्मगुरु अब्बास सिद्दीकी ने की थी। वे राज्य में विपक्ष के एकमात्र मुस्लिम विधायक भी हैं। कबीर ने कहा कि 6 दिसंबर को, जैसा कि पहले घोषित किया गया था, मैं बेलडांगा में प्रस्तावित बाबरी मस्जिद का शिलान्यास करूँगा। मैंने सिद्दीकी को इस समारोह में आमंत्रित किया है क्योंकि वे भी धार्मिक हैं। हम इस कार्यक्रम में विधायक के रूप में नहीं, बल्कि एक धर्मनिष्ठ मुसलमान के रूप में शामिल होंगे। उन्होंने आगे कहा कि चूँकि यह कार्यक्रम बहुत पहले से तय था, इसलिए मेरे लिए कोलकाता में टीएमसी द्वारा आयोजित बाबरी मस्जिद एकजुटता रैली में शामिल होना संभव नहीं है। हालांकि, इसको लेकर सियासी बवाल मच चुका है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कि यह टीएमसी की तुष्टिकरण की राजनीति है। टीएमसी का मतलब अब 'तुष्टि कारण मुझे चाहिए' है... यह विवादास्पद हुमायूं कबीर, जो कहता है कि वह हिंदुओं को काटकर भागीरथ में फेंक देगा, अब एक और विवादास्पद बयान दे रहा है क्योंकि उनका दर्शन है, 'हिंदुओं को गली दो और वोट बैंक की ताली लो।' ये वही लोग हैं जो 'जय श्री राम', राम मंदिर का विरोध करते हैं, जिन्होंने 'माँ सीता', 'माँ दुर्गा', 'माँ काली' का अपमान किया है और कहते हैं कि सनातन को खत्म कर देना चाहिए।

कांग्रेस का 'वोट चोरी' के खिलाफ हल्लाबोलः दिसंबर के दूसरे हफ्ते दिल्ली में विशाल रैली की तैयारी

नई दिल्ली। कांग्रेस दिसंबर के दूसरे हफ़्ते में दिल्ली के रामलीला मैदान में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ़ एक रैली आयोजित करेगी। यह रैली 'वोट-चोरी' के आरोपों के खिलाफ़ देशव्यापी हस्ताक्षर अभियान के पूरा होने के बाद हो रही है, जिसके तहत पार्टी ने देश भर से पाँच करोड़ हस्ताक्षर एकत्र किए थे। आज यहां उन बारह राज्यों के प्रदेश कांग्रेस अध्यक्षों, कांग्रेस विधायक दल के नेताओं, महासचिवों, प्रभारियों, सचिवों और वरिष्ठ नेताओं की एक बैठक हुई, जहाँ एसआईआर प्रक्रिया चल रही है। इसकी अध्यक्षता कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने की।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल भी उपस्थित थे। खड़गे ने बाद में कहा कि कांग्रेस पार्टी मतदाता सूची की अखंडता की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग का 'एसआईआर प्रक्रिया के दौरान आचरण बेहद निराशाजनक रहा है'। खड़गे ने कहा, 'उसे तुरंत यह दिखाना होगा कि वह भाजपा के साये में काम नहीं कर रहा है और उसे भारत की जनता के प्रति अपनी संवैधानिक शपथ और निष्ठा याद है, न कि किसी सत्तारूढ़ दल के प्रति।'

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने पलटवार करते हुए कहा कि एसआईआर एक बहाना है। परिवार को हार से बचाने के लिए चुनाव आयोग को निशाना बनाया जा रहा है। यह वही कांग्रेस है जिसने महाराष्ट्र में एसआईआर का समर्थन किया था और इसे तुरंत लागू करने की माँग की थी, फिर भी बंगाल और बिहार में यह अलग रुख अपनाती है... फ़िलहाल, वे एसआईआर का विरोध कर रहे हैं, लेकिन बिहार में एसआईआर को लेकर सुप्रीम कोर्ट में कोई अपील या शिकायत दर्ज नहीं की गई है... यहाँ तक कि कांग्रेस के नेता भी वोट चोरी की इस कहानी पर विश्वास नहीं करते। तारिक अनवर और अन्य लोग इसका खंडन करते हुए दावा करते हैं कि टिकट चुराए गए थे, वोट नहीं। राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी को पहले अपने नेताओं और सहयोगियों को समझाना चाहिए। इस रैली में भी, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का कोई भी सहयोगी शामिल नहीं हो रहा है। कांग्रेस कह रही है, 'वोट चोर, गद्दी चोर,' लेकिन कांग्रेस के सहयोगी कह रहे हैं, 'कांग्रेस चोर, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का।

दिल्ली में 15 वर्षीय लड़के की चाकू घोंपकर हत्या,दो संदिग्धों में एक नाबालिग शामिल

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्व दिल्ली के ज्योति नगर में शनिवार तड़के कहासुनी होने के बाद एक नाबालिग सहित दो व्यक्तियों ने 15 वर्षीय एक लड़के की कथित रूप से चाकू घोंपकर हत्या कर दी। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि कर्दमपुरी इलाके में हुई इस घटना की सूचना शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात मिली। पुलिस जब मौके पर पहुंची तो उसे पता चला कि स्थानीय लोग घायल किशोर को जीटीबी (गुरु तेग बहादुर) अस्पताल ले गए थे जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि कर्दमपुरी के रहने वाले 15 वर्षीय लड़के का दो व्यक्तियों से झगड़ा हुआ था जिसमें एक नाबालिग भी शामिल था।

अल-फलाह विवि में छात्रों के भविष्य पर संकट? एनएमसी की कार्रवाई का डर,अभिभावक परेशान

नई दिल्ली। फरीदाबाद स्थित अल-फलाह विश्वविद्यालय में पढ़ रहे कम से कम 50 एमबीबीएस छात्रों के अभिभावकों ने विश्वविद्यालय की कार्यप्रणाली और लगभग 900 छात्रों के भविष्य को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच संकाय और प्रशासन से आश्वासन लेने के लिए आज संस्थान के मुख्य द्वार पर इकट्ठा होने का फैसला किया है। यह बैठक प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा इस सप्ताह के शुरू में विश्वविद्यालय के अध्यक्ष को हिरासत में लिए जाने के बाद शुरू की गई है।

चंडीगढ़ के एक एमबीबीएस छात्र के पिता, एडवोकेट खुशपाल सिंह ने बताया कि अभिभावक व्हाट्सएप ग्रुप के ज़रिए संपर्क में हैं, जानकारी साझा कर रहे हैं और सुबह 11 बजे परिसर में सामूहिक दौरे की योजना बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि अभिभावक बेहद चिंतित हैं क्योंकि प्रशासन की ओर से कोई स्पष्ट संदेश नहीं आ रहा है। कई संकाय सदस्य कथित तौर पर जा रहे हैं, और छात्रों को समझ नहीं आ रहा है कि उन्हें कौन पढ़ाएगा या आगे क्या होगा। उन्होंने आगे कहा कि वे विश्वविद्यालय के अधिकारियों से मिलकर यह

समझने की उम्मीद कर रहे हैं कि शिक्षा और अस्पतालों में नियुक्तियों को स्थिर करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं। कई अभिभावकों ने कहा कि उनकी मुख्य चिंता यह है कि राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) विश्वविद्यालय की मान्यता की समीक्षा कर सकता है या उसे रद्द कर सकता है, जिससे छात्रों, खासकर अपने अंतिम वर्षों में पढ़ने वाले छात्रों, को स्पष्ट शैक्षणिक मार्ग से वंचित होना पड़ सकता है। दिल्ली के एक अभिभावक ने कहा कि अगर एनएमसी कोई कार्रवाई करता है, तो हमारे बच्चे कहाँ जाएँगे? कुछ तो अपने चौथे वर्ष में हैं। उनका भविष्य अधर में नहीं छोड़ा जा सकता। अभिभावकों ने ज़ोर देकर कहा कि यह सभा आगे की राह पर स्पष्टता लाने का एक प्रयास है। उन्होंने कहा कि छात्र प्रशासनिक अनिश्चितता, संकाय तक पहुँचने में कठिनाई, और आगामी परीक्षाओं व क्लिनिकल रोटेशन को लेकर असमंजस की शिकायत कर रहे हैं। आगरा की एक माँ ने कहा, 'हम बस यह समझने की कोशिश कर रहे हैं कि आगे क्या होगा। बच्चे डरे हुए हैं। हमें जवाब चाहिए ताकि हम उनका मार्गदर्शन कर सकें।' परिवारों ने इस बात पर भी निराशा व्यक्त की कि न तो सरकारी एजेंसियों और न ही प्रमुख हितधारकों ने अभी तक छात्रों की शैक्षणिक चिंताओं का समाधान किया है। सिंह ने कहा, 'मीडिया कवरेज जाँच पर केंद्रित है, लेकिन कोई भी छात्रों के बारे में बात नहीं कर रहा है।

कांग्रेस नेताओं ने दुर्भावनापूर्ण कारणों से सरदार पटेल के योगदान की अनदेखी की : नड्डा

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे पी नड्डा ने शनिवार को देश को एकजुट करने में सरदार वल्लभभाई पटेल के योगदान की सराहना की और आरोप लगाया कि कांग्रेस की "साजिश" के कारण भारत के पहले उप-प्रधानमंत्री को आजादी के बाद चार दशकों तक इतिहास में वह सम्मान नहीं मिल सका जिसके वह "सच्चे हकदार" थे। नड्डा ने कहा कि अगर किसी ने सरदार पटेल को देश के इतिहास में "सही और उचित स्थान" दिया है, तो वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हैं। भाजपा अध्यक्ष ने पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में "ऐट 150 यूनिटी मार्च" को हरी झंडी दिखाने के बाद एक कार्यक्रम में ये टिप्पणियां कीं। पटेल भारत के पहले गृह मंत्री भी रहे। नड्डा ने कहा, "अंग्रेज चाहते थे कि भारत कमजोर और विभाजित रहे। हमें उस मानसिकता से भी मुक्ति मिली। हमारा देश 562 रियासतों में बंटा हुआ था। हम विदेशी शासन के अधीन रहे क्योंकि हम विभाजित थे।" उन्होंने कहा कि सरदार पटेल ने दो साल के भीतर इन रियासतों को एकजुट कर एक राष्ट्र बनाया। केंद्रीय मंत्री नड्डा ने कहा, "उन्होंने एक विभाजित भूमि को एक मजबूत और एकजुट भारत - 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' में बदल दिया। लेकिन दुर्भाग्य से इतिहास और देश में उन्हें जो सम्मान मिलना चाहिए था, उसकी कांग्रेस के शासनकाल में कांग्रेस नेताओं ने दुर्भावनापूर्ण और स्वार्थी कारणों से अनदेखी की।" भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि आजादी के बाद चार दशकों (1950 से 1991) तक कांग्रेस सत्ता में रही, फिर भी तब के किसी भी प्रधानमंत्री ने सरदार पटेल को भारत रत्न नहीं दिया। नड्डा ने आरोप लगाया, "यह सुनिश्चित करने के लिए षड्यंत्र रचे गए कि इतिहास में उन्हें वह सम्मान न मिले जिसके वह हकदार थे।

पुणे पुलिस ने मध्यप्रदेश में हथियार बनाने वाली इकाइयों का भंडाफोड़ किया, 47 लोग हिरासत में

मुम्बई। महाराष्ट्र की पुणे पुलिस ने शनिवार को मध्यप्रदेश के बड़वानी जिले के उमर्टी गांव में अवैध हथियार निर्माण इकाइयों पर छापा मारा। इस कार्रवाई में अवैध हथियार तथा सामग्री जब्त करने के साथ 47 लोगों को हिरासत में लिया गया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि अवैध हथियार निर्माण वाले चार कारखानों को ध्वस्त कर दिया गया है। साथ ही, दो पिस्तौल, पांच मैगजीन और हथियार निर्माण में इस्तेमाल होने वाली विभिन्न सामग्री जब्त की गई है। उन्होंने बताया कि यह छापेमारी 105-सदस्यीय टीम द्वारा की गई है जिसमें अपराध शाखा के कर्मियों के साथ-साथ वायरलेस, ड्रोन, निगरानी और साइबर अनुभागों से संबंधित अधिकारी भी शामिल थे।

19 साल बाद नीतीश के हाथ से फिसला गृह मंत्रालय

सम्राट चौधरी को मिली कमान; बिहार की राजनीति में बड़ा उलटफेर

पटना (एजेंसी)।बिहार में शपथ ग्रहण समारोह के बाद अब बड़ी खबर सामने आ रही है। बिहार में यह पहला मौका है जब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पास गृह विभाग नहीं रहेगा। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को गृह मंत्रालय का जिम्मा दिया गया है। यह अपने आप में बड़ी खबर है। 2005 से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपने पास गृह मंत्रालय रखते रहे हैं। लेकिन इस बार भाजपा इसे लेने में कामयाब हुई है। वहीं, दूसरे उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा को भू-राजस्व और खनन विभाग की जिम्मेदारी दी गई है। मंगल पांडे को एक बार फिर से स्वास्थ्य एवं विधि मंत्रालय की जिम्मेदारी दी गई है जबकि रामकृपाल यादव कृषि मंत्री बने हैं।

नितिन नवीन को पीडब्ल्यूडी का विभाग दिया गया है। वहीं, दीपक प्रकाश को पंचायती राज विभाग के जिम्मेदारी दी गई है। संतोष सुमन अपने पुराने विभाग लघु जल संसाधन विभाग की जिम्मेदारी संभालेंगे। दिलीप जायसवाल के पास उद्योग विभाग की जिम्मेदारी दी गई है। हालांकि, अबतक जदयू की ओर से कोई सूची सामने

नहीं आई है। बिहार में सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहे नीतीश कुमार ने बृहस्पतिवार को दसवीं बार पद और गोपनीयता की शपथ ली। नीतीश के 26 सदस्यीय मंत्रिमंडल में पुराने अनुभवी नेताओं के साथ 10 नए चेहरों को शामिल किया गया है, जिसमें जातीय और क्षेत्रीय संतुलन पर विशेष ध्यान दिया गया है।

करीब 19 वर्ष से सत्ता में रहे कुमार ने अपनी पार्टी जनता दल यूनाइटेड (जदयू)और सहयोगी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कई वरिष्ठ मंत्रियों को दोबारा मौका दिया है। जारी सूची के अनुसार, मंत्रिपरिषद में शामिल 26 सदस्यों में से 10 पहली बार मंत्री बने हैं। कुमार के मंत्रिमंडल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता सम्राट चौधरी व विजय कुमार सिन्हा को बरकरार रखा गया है, जो पिछली सरकार में उपमुख्यमंत्री थे। वहीं जदयू ने अपने पुराने मंत्रियों बिजेंद्र प्रसाद यादव, विजय कुमार चौधरी और श्रवण कुमार को भी मंत्रिमंडल में बरकरार रखा गया है। भाजपा ने अपने पूर्व मंत्रियों मंगल पांडेय, सुरेंद्र प्रसाद मेहता और नितिन नवीन को दोबारा कैबिनेट में शामिल किया है।

पार्टी की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने भी मंत्रिमंडल में वापसी की हैं। एक अन्य मंत्री नारायण प्रसाद की भी वापसी हुई है। वर्ष 2022 में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) से नीतीश के अचानक अलग होने पर जायसवाल व प्रसाद ने अपना पद गंवा दिया था और पिछली बार जदयू के राजग में लौटने पर भी उन्हें कैबिनेट में जगह नहीं मिली थी। राजग के अन्य सहयोगियों में हम (सेक्युलर) ने फिर से पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी के पुत्र संतोष कुमार सुमन को अपना मंत्री बनाया है।

दिल्ली ब्लास्ट की जाँच से बड़ा खुलासा

आतंकियों ने आटा चक्की को बना डाला था बम बनाने की मशीन, बना रहे थे खतरनाक पाउडर!

नई दिल्ली (एजेंसी)। कश्मीर से निकल कर फरीदाबाद पहुँच कर आतंकवाद को देश में फैलाने की साजिश रचने वाले डॉक्टरों से जुड़े मामलों में रोजाना ऐसे खुलासे हो रहे हैं जो चौंकाने वाले हैं। हम आपको बता दें कि फरीदाबाद के धौज गांव के एक साधारण से घर में आतंक का पाउडर बनाया जा रहा था। ये खुलासा दिल्ली कार ब्लास्ट मामले की जांच में हुआ है। डॉक्टर मुजम्मिल और उसके सहयोगी उमर उन नबी पर आरोप है कि उन्होंने एक आटा चक्की को केमिकल ग्राइंडर में बदलकर विस्फोटक तैयार करने की तैयारी की थी। पुलिस द्वारा बरामद तस्वीरें और मशीनरी इस बात का भयावह संकेत हैं कि आतंकी मॉड्यूल कितनी बारीकी से रोजमर्रा के उपकरणों का दुरुपयोग कर रहे थे। आम तौर पर अनाज पीसने वाली चक्की ठोस पदार्थों को महीन पाउडर में बदल देती है और जांच अधिकारियों के अनुसार यही तकनीक रसायनों को विस्फोटक रूप में बदलने में प्रयुक्त की गई। इससे भी ज्यादा चिंताजनक है कि घटनास्थल से करीब 3,000 किलो अमोनियम नाइट्रेट और अन्य रसायन बरामद किए गए, जो बड़े पैमाने पर विस्फोटों की योजना की ओर संकेत करते हैं। हम आपको बता दें कि मुजम्मिल ने यह कमरा मात्र 1,500 किराये पर लिया था और इसी कमरे से 2,600 किलो अतिरिक्त अमोनियम नाइट्रेट पहले ही बरामद हुआ था। दोनों आरोपियों के अड्डों पर मिले डायरी और नोटबुक, जिनमें 8 से 12 नवंबर तक के तारीखों पर शब्द बार-बार लिखा था, उससे स्पष्ट है कि कई हमलों की योजना बनाई जा रही थी। डायरी में 2,500 से अधिक नाम दर्ज पाए गए इनमें ज्यादातर जम्मू-कश्मीर, फरीदाबाद और आसपास के क्षेत्रों के हैं। हम आपको बता दें कि दोनों आरोपी 2021 के बाद अल-फलाह यूनिवर्सिटी से जुड़े थे और जांच एजेंसियों के अनुसार यह पूरा मॉड्यूल पिछले दो वर्षों से 'सफेदपोश' आवरण में संचालित था। देखा जाये तो इस पूरे प्रकरण ने तीन बड़े सुरक्षा जोखिम उजागर किए हैं। पहला है आम उपकरणों का दुरुपयोग। आटा चक्की, गैस सिलेंडर, साधारण रसायन, यानि ऐसी चीजें जिन्हें कोई भी सामान्य घर में देख कर संदेह नहीं करेगा, मगर अब यह आतंकी हथियारों के रूप में इस्तेमाल की जा रही हैं। यह सुरक्षा एजेंसियों के लिए जटिल चुनौती है। दूसरा जोखिम है- कैंपस और हॉस्टल आतंक के नए अड्डे बन रहे हैं। अल-फलाह यूनिवर्सिटी के हॉस्टल कमरों से बरामद विस्फोटक, डायरी और मशीनरी यह दर्शाते हैं कि शैक्षणिक परिसरों को सुरक्षित रखने के लिए नई रणनीति की जरूरत है। इसके अलावा तीसरा जोखिम है- लंबे समय तक चलने वाली 'स्लीपर प्लानिंग', देखा जाये तो यह मॉड्यूल दो वर्ष से अधिक समय तक सक्रिय रहा और कई स्तरों पर फैला था। इसका मतलब है कि यह केवल 'एक हमला' नहीं बल्कि श्रृंखलाबद्ध हमलों की योजना थी। इसका सबसे बड़ा निहितार्थ यह है कि सुरक्षा एजेंसियों को अब केवल हथियार बरामद करने पर ध्यान नहीं देना होगा, बल्कि ऐसे सामाजिक-तकनीकी नेटवर्क की पहचान करनी होगी, जो साधारण दिखते हैं पर बेहद खतरनाक क्षमता रखते हैं। हम आपको यह भी बता दें कि दिल्ली और फरीदाबाद में उजागर हुए मॉड्यूल के बाद जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा एजेंसियों ने सावधानी और सख्ती दोनों बढ़ा दी हैं। जम्मू, कठुआ और सांबा जिलों में भारत-पाकिस्तान सीमा के निकट बड़े पैमाने पर सुरक्षा अभ्यास किया गया। इसका उद्देश्य था– सीमा पर घुसपैठ रोकना, आतंकी गतिविधियों की संभावित श्रृंखलाओं को तोड़ना और सीमा ग्रिड की मजबूती का आकलन करना। वहीं दिल्ली ब्लास्ट के सफेदपोश मॉड्यूल के उजागर होने के बाद श्रीनगर और अनंतनाग के सरकारी मेडिकल कॉलेजों में बड़े पैमाने पर चिकित्सकों और कर्मचारियों के लॉकरों की जांच आज भी जारी रही।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया हनुमान जी के नव-निर्मित मंदिर में दर्शन

आधुनिक समाचार

प्रयागराज। आज प्रदेश के मुख्यमंत्री ङयोगी आदित्यनाथङ ने प्रयागराज के ङलोकप्रिय विधायक के आवास पर निर्मित हनुमान जी के भव्य मंदिरङ में पहुँचकर ङप्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रमङ में सम्मिलित हुए। मुख्यमंत्री ने विधिवत पूजा-अर्चना कर ङहनुमान जी के दर्शनङ किए और प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु और क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। पूरे परिसर में बेहद भक्तिमय वातावरण देखने को मिला।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आगामी माघ मेले की तैयारियों की समीक्षा की और शनिवार को संगम में पूजा-अर्चना की। इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री ने प्रयागराज स्थित रामबाग हनुमान मंदिर में भी दर्शन किए। इस बीच, उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में संगम के निकट महाकुंभ के बाद आयोजित होने वाले एक बड़े आध्यात्मिक समागम, माघ मेले की तैयारियाँ जोरों पर हैं। जैसे-जैसे माघ मेले की तैयारियाँ तेज़ होती जा रही हैं, अधिकारी गंगा, यमुना और पौराणिक सरस्वती के

रेतीले तटों पर हर साल बसने वाली अस्थायी बस्ती को तैयार करने के लिए दिन-रात काम कर रहे हैं।

अपर मेलाधिकारी के एडीएम दयानंद प्रसाद के अनुसार, माघ मेला 2025-2026 से पहले सभी क्षेत्रों में लेबलिंग का काम चल रहा है। लोक निर्माण विभाग, जल निगम और विद्युत विभाग की टीमों को अपने-अपने कार्यों के लिए मौके पर तैनात कर दिया गया है। पहला पवित्र स्नान 3 जनवरी को होना है और उससे पहले सभी तैयारियाँ पूरी होने की उम्मीद है। प्रसाद ने कहा कि माघ मेला 2025-2026 की तैयारियां शुरू हो गई हैं। गंगा नदी के जलस्तर पर लगातार नजर रखी जा रही है। सभी सेक्टरों में लेबलिंग का काम शुरू हो गया है। जैसे ही गंगा नदी का जलस्तर कम होगा। उन्होंने कहा कि सेक्टरों की बंदोबस्ती का काम भी शुरू हो गया है। सभी विभागों के टेंडर पूरे हो चुके हैं। सभी विभागों को मौके पर ही काम करने के लिए लगा दिया गया है। पीडब्ल्यूडी, जल निगम, बिजली विभाग को मौके पर ही काम करने के लिए लगा दिया गया है... मेला प्राधिकरण और अन्य सफाई व्यवस्था के टेंडर जल्द ही पूरे कर लिए जाएंगे। स्नान के समय तक सभी काम पूरे कर लिए जाएंगे। पहला स्नान 3 जनवरी को है। उससे पहले सभी तैयारियां पूरी कर ली जाएंगी और स्नान सफलतापूर्वक संपन्न होगा।

हालाँकि, अधिकारियों को एक बड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा क्योंकि गंगा और यमुना का पानी लंबे समय तक नदी के किनारे जमा रहा, जिससे मेले की रूपरेखा और योजना बनाना मुश्किल हो गया। महाकुंभ के बाद भारी भीड़ की उम्मीद के चलते, तैयारियों को उसी के अनुसार बढ़ाया जा रहा है। प्रयाग का माघ मेला 45 दिनों का तीर्थयात्रा है जो त्रिवेणी संगम नामक पवित्र स्थल पर आयोजित होता है, जहाँ गंगा, यमुना और सरस्वती नदियाँ मिलती हैं। यह आयोजन हिंदू माह 'माघ' में होता है, जो आमतौर पर जनवरी और फरवरी के बीच पड़ता है, और यह जनवरी के पहले सप्ताह में शुरू होगा।

गुरु तेग बहादुर साहिब जी महाराज का शहीदी शताब्दी 350वां वर्ष को नैनी क्षेत्र मे शत शत नमन

प्रयागराज। गुरु तेग बहादुर साहिब जी महाराज का शहीदी शताब्दी 350वां वर्ष पर नैनी क्षेत्र के नारायणपुर कॉलोनी सीओडी गेट एवं रामनगर चौराहा पर लगाकर शत शत नमन करते हुए कनिष्ठ ब्लॉक प्रमुख संजय श्रीवास्तव ने कहा कि बड़ी श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाने के पीछे मुगलों की क्रूरता से लड़ते हुये सिख समाज का बलिदान से युवा पीढ़ी को जोड़ना है।

वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता मदन कुशवाहा ने कहा कि नौवें सिख गुरु श्री गुरु तेग बहादुर जी महाराज एक महान योद्धा,आध्यात्मिक व्यक्तित्व और मातृभूमि प्रेमी के सर्वोच्च बलिदान के लिए सदैव ऋणी रहेगी। उन्होंने विश्व बंधुत्व और धार्मिक स्वतंत्रता का संदेश दिया। सौरभ यादव ने कहा कि नौवें सिख गुरु श्री गुरु तेग बहादुर जी महाराज ने धर्म,मातृभूमि और सभी जातियों व धर्मों के लोगों के अधिकारों के लिए अपना सर्वस्व बलिदान कर दिया। इसीलिए उन्हें 'हिंद की चादर' का दुर्लभ सम्मान प्रदान किया गया।

श्री गुरु तेग बहादुर जी 350 वें शहीदी के अवसर पर, हमें उनके महान आदर्शों के प्रति पुनः प्रतिबद्ध होने की आवश्यकता है,जो हमें धार्मिक स्वतंत्रता और मानव जाति व मातृभूमि के कल्याण के महत्व की शिक्षा देते हैं। भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा काशी क्षेत्र क्षेत्रीय उपाध्यक्ष सरदार पतविंदर सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार के मुखिया योगी आदित्यनाथ से अनुरोध है कि महाराष्ट्र सरकार की तरह बाबर के आगमन से प्रारंभ हुए 1500 ईस्वी से 1765 ईस्वी तक के सिख शहीदी इतिहास को प्रारंभिक शिक्षा से विश्व विद्यालय स्तर तक के पाठ्यक्रम में शामिल करने की कृपा करें। इस अवसर भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा काशी क्षेत्र क्षेत्रीय उपाध्यक्ष पतविंदर सिंह,सपना,कृष्णा, इंद्रजीत सिंह, एकस,प्रितकौर, सुशील कुशवाहा, रवि, राजेश थापा, मदन कुशवाहा, संजय श्रीवास्तव, सौरव यादव, हरमन जी सिंह, दलजीत कौर सहित कई राष्ट्रभक्त स्वयंसेवक उपस्थित हुए।

ग्रामीण विकास की राह में 'कुशल नेतृत्व' सबसे बड़ी कमी - आरती कोल

आधुनिक समाचार

प्रयागराज/कोरांव। ग्रामीण भारत के विकास मॉडल पर महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए भाजपा नेत्री ङआरती कोलङ ने कहा कि 'आजादी के 75 वर्षों बाद भी गाँवों में कुशल नेतृत्व की कमी सबसे बड़ा अवरोध बनी हुई है।' वे जगदेव प्रसाद स्मारक महाविद्यालय, संसारपुर में संजीवनी ट्रस्ट द्वारा आयोजित प्रशिक्षण एवं संवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं। आरती कोल ने कहा

कि ग्रामीण क्षेत्रों में व्यावहारिक कौशल की कमी, सामाजिक-भावनात्मक विकास की उपेक्षा, तथा समान अवसरों का अभाव गाँवों को तेज़ विकास की दौड़ में पीछे धकेल रहा है। उन्होंने महिलाओं और युवाओं को पंचायत राज अधिनियम की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि यदि स्थानीय स्तर पर जागरूक और सक्षम नेतृत्व तैयार हो जाए तो गाँवों का समग्र विकास बहुत तेज़ी से संभव है। कार्यक्रम का समापन ङवंदे मातरम्ङ के साथ किया गया। संजीवनी ट्रस्ट के सचिव ङउदित नारायण शुक्लङ ने सभी प्रशिक्षणार्थियों, अतिथियों और प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर ङसुरेश तिवारी, नीरज कुमारी, अरुणा दुबेङ सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

लेखपालों ने किया थाना दिवस कार्य का बहिष्कार

योगी सरकार की नीति थाना दिवस को इससे लग सकता है बट्टा फरियादीयों को हो रही समस्या

कौशाम्बी। थाना समाधान दिवस के अवसर पर कोखराज थाने में शनिवार को थाना दिवस का आयोजन किया गया था जिसमें लेखपालों ने काली पट्टी बांधकर समाधान दिवस में कार्य करने का विरोध किया जिससे फरियादियों में मायूसी दिखी वही लेखपालों ने अपनी आठ सूत्रीय मांगों को लेकर सरकार से मांग किया लेखपालों ने कहा कि मांग न पूरी होने पर कार्य बहिष्कार का विरोध काली पट्टी बांधकर लगातार चलता रहेगा जिससे फरियादियों को समस्याओं का सामना करना पड़ेगा थाना समाधान दिवस पर थानेदार थानेदार चन्द्र भूषण मौर्य ने फरियादियों की समस्याओं को सुना समाधान दिवस में राजस्व विभाग के किसी भी अधिकारी के न होने से फरियादी अपने आप को ठगा महसूस करते रहे वहां उपस्थित फरियादियों में मायूसी दिखी जमीन संबंधित समस्याओं का समाधान

न होने से फरियादी परेशान दिखे इस मौक़े पर किसी भी राजस्व विभाग के अधिकारी के न होने से शिकायत कर्ता अपनी शिकायत दर्ज करा कर वापस लौट गए फरियादियों ने कहा कि अब तो समाधान दिवस केवल खाना पूर्ति दिवस बन कर रह गया हैं राजस्व से सम्बंधित मामलों को आखिर कौन निस्तारण कराएगा जनता अपनी समस्याओं को लेकर अब किसके पास जाए समाधान दिवस में राजस्व के किसी भी अधिकारी के न होने से वह अपने को ठगा महसूस कर रही है मौक़े पर एसओ कोखराज चन्द्र भूषण मौर्य ने लोगों की फरियाद को सुना व शिकायत दर्ज कर निस्तारण का भरोसा दिलाया जबकि भूमि निस्तारण का मामला बिना राजस्व अधिकारी के नही हो सकता फिर भी जिले के जिम्मेदार आखिर क्यों ध्यान नही दे रहे हैं फरियादियों के साथ दोहरा चरित्र अपनाने से लोगों में सरकार के प्रति आक्रोश बढ़ता जा रहा हैं व न्याय पाने के लिए तहसील से लेकर जिले तक दौड़ भाग कर रहा है लेकिन सरकार के सरकारी नुमाइंदे केवल खाना पूर्ति तक सिमट कर रह गए है समाधान दिवस के मौके पर 8 मामले आये जिसमें नाप जोख से लेकर जमीन सम्बंधित मामले व रास्ते के विवाद जैसे मामले की शिकायत दर्ज की गई लेकिन कोई भी मामला निस्तारण नही हो सका मौके पर कानून गो सोहन लाल, कानून गो रोहित अग्रहरि ,लेखपाल सरफराज ,दिलीप कुमार,कमल सिंह,शिव शंकर पाल, रवि विश्वकर्मा, नरेंद्र सिंह,पवन राय, जगदीश यादव, पूनम मौर्य, अपर्णा श्रीवास्तव सुनील द्विवेदी,अनुराधा वर्मा आदि लोगो की उपस्थिति में समाधान दिवस सम्पन्न हुआ। लेकिन लेखपालों ने काली पट्टी बांधकर बहिष्कार 3 और कार्य नहीं किया है बिना कार्य किए वेतन लेने वाले इन लेखपालों पर कब करवाई होगी!

नाज़रेथ अस्पताल में वरिष्ठ डॉक्टर पर हमला, सुरक्षा में चूक उजागर

आधुनिक समाचार

प्रयागराज। नाज़रेथ अस्पताल, प्रयागराज में शनिवार दोपहर एक गंभीर हिंसक घटना सामने आई, जहाँ ड्यूटी पर मौजूद एक वरिष्ठ डॉक्टर पर परामर्श कक्ष के अंदर हमला कर दिया गया। घटना लगभग 12:30 बजे की है। जानकारी के अनुसार, ङदीपक शुक्ला, निवासी चापुर सलोनी, अपने साथियों शिवम अवस्थी, विवेक अवस्थी, हिमांशु सिंह तथा 4-5 अन्य व्यक्तियों के साथ जबरन ङडॉचेंबर नंबर 2ङ में घुस आया। उस समय डॉक्टर ङआर. पी. शुक्लाङ मरीजों को देख रहे थे। बिना किसी उकसावे के दीपक शुक्ला ने डॉक्टर के साथ मारपीट की और उनका गला दबाकर जान से मारने का प्रयास किया। हमले से रोकने की कोशिश कर रही एक महिला मरीज तथा ड्यूटी पर मौजूद नर्स पर भी हमला किया गया। स्थिति की

गंभीरता देखते हुए सुरक्षा कर्मी मौके पर पहुँचे और हमलावरों को रोका। घायल डॉक्टर, मरीज और नर्स को तुरंत आपातकालीन विभाग में उपचार के लिए भेजा गया। अस्पताल प्रशासन ने इस ङनिर्दयतापूर्ण हमलेङ की कड़े शब्दों में निंदा की है। प्रशासन ने स्पष्ट कहा है कि स्वास्थ्यकर्मियों पर हिंसा एक दंडनीय अपराध है और ऐसी किसी भी घटना को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।'

संक्षिप्त समाचार

सूचना का अधिकार व्यवस्था को पारदर्शी बनाने में उपयोगी-राज्य सूचना आयुक्त

प्रतापगढ़। राज्य सूचना आयुक्त ने शनिवार को यहां सूचना अधिकार 2005 को लेकर अधिवक्ताओ तथा प्रबुद्ध वर्ग के साथ संवाद किया। वही राज्य सूचाना आयुक्त के यहां अझारा लालगंज पहुंचने पर अधिवक्ताओं तथा सामाजिक संगठनो से जुडे लोगों ने स्वागत भी किया। राज्य सूचना

आयुक्त पदुम नारायण द्विवेदी ने कहा कि सूचना का अधिकार व्यवस्था को पारदर्शिता बनाने में सर्वाधिक उपयोगी साबित हुआ है। उन्होने कहा कि प्रशासनिक इकाई में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए सूचना के अधिकार को मजबूत आयाम दिया जा रहा है। उन्होने लोगों से कहा कि इन कानून के तहत यदि निर्धारित समय के भीतर उन्हें सूचना नही प्राप्त होती तो वह राज्य सूचना आयोग को शिकायत कर सकते हैं। कार्यक्रम में दीपेन्द्र तिवारी व पप्पू तिवारी ने राज्य सूचना आयुक्त का माल्यार्पण व शॉल तथा भगवान श्रीराम का चित्र प्रदान कर सम्मानित भी किया। वहीं राज्य सूचना आयुक्त ने रानीगंज में भी अधिवक्ताओं, प्रबुद्ध वर्गो व मीडियाकर्मियों के साथ बैठक की। इस मौके पर प्रदीप मिश्र, अजय मिश्र, अशोक तिवारी, शैलेन्द्र प्रताप सिंह, शैलेष मिश्र, सिद्धार्थ ओझा, सौरभ तिवारी, अरविंद पाण्डेय, पंकज द्विवेदी, अरविंद द्विवेदी, चैतन्य मिश्र, रवि शुक्ल, आदि रहे।

समाधान दिवस पर पसरा रहा सन्नाटा

प्रयागराज/फूलपुर। थाना पर आयोजित समाधान दिवस महज औपचारिकता दिवस बनकर रह गया। थाने के प्रभारी सहित कई लोग जिले पर वी आई पी ड्यूटी पर चले गए समाधान दिवस पर मात्र एक उप निरीक्षक राजेंद्र सिंह ने फरियादियों का प्रार्थना पत्र लेकर रख लिया जिसे बाद में संबंधितों को प्राप्त कराया जाएगा। अधिकांश फरियादी तो लौट गए कुछ गिनती के लोग रुके रहे। राजस्व कर्मी भी उक्त दिवस पर नदारत रहे जिससे उक्त महत्वपूर्ण कार्यक्रम में सन्नाटा पसरा रहा।

समस्याओं का गुणवत्तापूर्ण करायें निस्तारण-एसपी

प्रतापगढ़। जिले के पुलिस अधीक्षक ने थाना समाधान दिवस पर शनिवार को लीलापुर थाने पर फरियादियों की समस्याओं को सुना। पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर ने शिकायतों पर सुनवाई करते हुए मातहतों को गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिये। उन्होने समाधान दिवस के बाद अपराध रजिस्टर, मालखाना, आगन्तुक पंजीकरण, शस्त्र रजिस्टर, महिला हेल्प डेस्क, सीसी टीएनएस से सम्बन्धित अभिलेखों एवं उसके रखरखाव का निरीक्षण किया। एसपी ने प्रभारी निरीक्षक को पारदर्शिता से जनता की समस्याओं का निस्तारण सुनिश्चित किये जाने के कड़े निर्देश दिये। थाना समाधान दिवस में कुल बारह शिकायतें आयी। जिनमे निस्तारण शून्य रहा। प्रभारी निरीक्षक मनोज पाण्डेय ने वांछित सूचनाएं उपलब्ध करायीं। वहीं कोतवाली लालगंज में कुल आयी छः समस्याएं में से एक का मौके पर निस्तारण कराया गया। यहां प्रभारी निरीक्षक आलोक कुमार ने सुनवाई की। वहीं सांगीपुर में आयी कुल सत्रह शिकायतो मे दो का निस्तारण हुआ। वही उदयपुर में एक शिकायत आयी। जिसके निस्तारण के लिए टीम भेजी गयी।

कुश्ती भारतीय खेल का है स्वर्णिम धरोहर- प्रमोद तिवारी

सेमरा में राष्ट्रीय दंगल प्रतियोगिता में दिल्ली के नवाज पहलवान को मिला चैम्पियनशिप खिताब

प्रतापगढ़। अठेहा क्षेत्र के सेमरा में दो दिवसीय राष्ट्रीय दंगल प्रतियोगिता में कई राज्यों के पहलवानो का रोमांचक दमखम देखने को मिला। छियासी हजार की रोमांचक फाइनल कुश्ती दिल्ली के नवाज पहलवान तथा राजस्थान के राजू पहलवान के बीच हुई। इसमें दिल्ली के नवाज ने राजू को पटखनी देते हुए फाइनल कुश्ती का खिताब अपने नाम किया। शुक्रवार की देर शाम हुए समापन समारोह में बतौर मुख्यअतिथि राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी ने विजेता पहलवानों को चैम्पियनशिप व शील्ड प्रदान किये। उन्होने क्षेत्रीय एवं जिले के पहलवानों के साथ अन्य राज्यों से आये हुए पहलवानों की हौसला आफजाई करते हुए स्वयं तथा विधायक आराधना मिश्रा मोना की ओर से नकद पुरस्कार भी बांटे। बतौर मुख्य अतिथि सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि कुश्ती भारतीय खेल

प्रतियोगिता की स्वर्णिम धरोहर है। उन्होने कहा कि भारत के खिलाड़ियों के द्वारा कुश्ती के साथ अन्य खेल प्रतियोगिताओं में भी आज सफलताओं के साथ तिरंगे का परचम लहराया जा रहा है। उन्होने हाल ही में महिला विश्वकप क्रिकेट प्रतियोगिता में देश को मिली विश्व चैम्पियनशिप को भारतीय बेटियों के शौर्य का शानदार प्रदर्शन कहा। वहीं सांसद प्रमोद तिवारी ने विश्वस्तरीय मुक्केबाजी प्रतियोगिता में भी भारतीय बेटियों के द्वारा हासिल किये गये सात स्वर्ण पदकों को भी देश के नाम अनूठा कीर्तिमान कहा। राष्ट्रीय दंगल प्रतियोगिता में फकीर बाबा व शैतान सिंह की कुश्ती देखकर हजारों दर्शक दांतो तले उंगली दबा बैठे। इसमें फकीर बाबा को विजय मिली। वहीं लकी थापा व ज्वाला सिंह के बीच कुश्ती में लकी बाबा व लॉडी बाबा एवं जल्लाद पहलवान की कुश्ती में लाडी बाबा ने जीत हासिल की। इसके पहले दंगल प्रतियोगिता आयोजन समिति के अध्यक्ष अनवारूल हसन ने समिति की ओर से सांसद प्रमोद तिवारी को सम्मानित किया। समापन समारोह की अध्यक्षता ब्लाक प्रमुख अशोक सिंह बबलू ने किया। ग्राम प्रधान अशोक ने स्वागत तथा लव सिंह ने आभार जताया। इस मौके पर सरवर खान, इबरार खान, रियाजुल, अयूब, राममिलन गुप्ता, नसीम, बृजेश, रामगरीब, राजू मिश्र, रोहित सिंह, त्रिभु तिवारी आदि मौजूद रहे।

भागवत कथा श्रवण से मिला करता है मोक्ष- आचार्य अखिलेश जी

प्रतापगढ़। नगर पंचायत लालगंज के मनीपुर में चल रही श्रीमदभागवत कथा में शनिवार को भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव की कथा सुनकर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। कथाव्यास बिठूर धाम कानपुर से पधारे अखिलेश जी महराज ने कहा कि कलियुग में भागवत कथा सुनने मात्र से मनुष्य को मोक्ष की प्राप्त हुआ करती है। श्रीकृष्ण जन्मोत्सव की कथा सुनाते हुए उन्होने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जन्म होते ही उनकी बाल लीलायें भी आरम्भ हो गयीं। श्रीकृष्ण जन्मोत्सव को लेकर समूचा पाण्डाल नंद के आनन्द भयो जय कन्हैया लाल की के जयघोष से गूंज उठा। श्रद्धालु भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति में नृत्य करने लगे। कथाव्यास ने बताया कि भगवान श्रीकृष्ण का वध करने के लिये कंस ने पूतना समेत कई शक्तिशाली राक्षसों को भेजा लेकिन सभी मारे गये। कथाव्यास आचार्य अखिलेश जी महराज ने कहा कि भागवत कथा को सुनने मात्र से मन को शांति मिला करती है और अहंकार का नाश होता है। मुख्य यजमान गया प्रसाद तिवारी, जानकी देवी तथा ओमप्रकाश तिवारी फौजी व शांती देवी ने वैदिक मंत्रोचार के बीच व्यासपीठ का पूजन किया।

रास्य स्तरीय सीनियर महिला वॉलीबॉल प्रतियोगिता का हुआ शुभारम्भ

चित्रकूट। उत्तर प्रदेश खेल निदेशालय लखनऊ के निर्देशानुसार क्षेत्रीय खेल कार्यालय चित्रकूट के तत्वावधान में पंडित दीनदयाल उपाध्याय जन्म शताब्दी वर्ष के अवसर पर राज्य स्तरीय सीनियर महिला वॉलीबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ शुक्रवार को स्पोर्ट्स स्टेडियम चित्रकूट में किया गया। यह प्रतियोगिता 22 से 25 नवंबर 2025 तक चार दिनों तक चलेगी, जिसमें उत्तर प्रदेश के सभी 18 मण्डलों की टीमें हिस्सा ले रही हैं। बड़े पैमाने पर प्रतिभाग के कारण स्टेडियम में खेल उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला।

पूर्व सांसद आर.के. सिंह पटेल ने पं. दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। पूर्व सांसद ने ने 18 मंडलों से आई सभी खिलाड़ियों, निर्णायकों और टीम प्रभारियों से परिचय प्राप्त करते हुए कहा कि खेल जीवन को दिशा देने का सबसे

सशक्त माध्यम है। उन्होंने शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सभी खिलाड़ी पूरे मनोयोग और अनुशासन से खेलें और अपने माता-पिता तथा जिले का नाम रोशन करें। क्षेत्रीय क्रीड़ाधिकारी भानु प्रसाद ने बताया कि यह प्रतियोगिता संपूर्ण रूप से खेल निदेशालय के निर्देशों के अनुरूप आयोजित की जा रही है। विजेता टीम की प्रत्येक खिलाड़ी को 1000 रुपये तथा उप-विजेता टीम की प्रत्येक खिलाड़ी को 800 रुपये की धनराशि सीधे उनके खातों में प्रेषित की जाएगी। पहले दिन खेले गए मुकाबले रोमांच से भरपूर रहे। उद्घाटन मैच झांसी और अयोध्या मंडल के बीच खेला गया, जिसमें अयोध्या ने 25-12 और 25-10 से एकतरफा जीत दर्ज की। इसके बाद हुए मैच में बस्ती ने मेरठ को 25-09 और 25-12 से मात दी, जबकि आगरा ने कानपुर को 25-17 और 25-16 से हराकर जीत पक्की की। प्रयागराज ने अलीगढ़ को 25-18 और 25-10 से परास्त किया। आजमगढ़ की टीम पूरे आत्मविश्वास के साथ खेलते हुए सहारनपुर को 25-05 और 25-06 से मात दी। वाराणसी ने झांसी को 29-27 और 25-13 से हराया। लखनऊ और मुरादाबाद के मुकाबले में मुरादाबाद ने 25-12 और 28-15 से जीत दर्ज की। प्रयागराज ने अलीगढ़ को एक बार फिर 25-13 और 25-17 से हराया। गोंडा ने मिर्जापुर को 26-24 और 25-13 से हराया, जबकि आजमगढ़ ने सहारनपुर को 25-05 और 28-06 से शिकस्त देते हुए अपनी दूसरी जीत हासिल की। प्रतियोगिता के दौरान जिला खेल अधिकारी अरविंद कुमार सोनकर, खेल निदेशालय द्वारा नियुक्त शिकायत निवारण अधिकारी संदीप गुप्ता (खेल अधिकारी महोबा), पूर्व खेल शिक्षक डॉ तुषारकान्त शास्त्री, पूर्व खेल अधिकारी सबल सिंह (बांदा), पूर्व हॉकी कोच प्रेमशंकर शुक्ला आदि मौजूद रहे। बताया कि प्रतियोगिता के मैचों का संचालन उत्तर प्रदेश वॉलीबॉल एसोसिएशन, कानपुर द्वारा भेजे गए राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय निर्णायकों की देखरेख में किया जा रहा है। निर्णायक मंडल में रामजीत, रामजनम, राजेश पटेल, शिवशंकर यादव, मलिक इरफान, मोहम्मद रफीक, प्रवीण कुमार, आशीष कुमार, ज्ञानेन्द्र कुमार, व्यास चतुर्वेदी, वीर प्रताप सिंह, मुख्य निर्णायक धीरेन्द्र सिंह शामिल हैं।

दो बच्चों की माँ, बिना कोचिंग-UPPCS 2020 में 12वीं रैंक मेरी कहानी संघर्ष से बनी है, सहारे से नहीं

आरती गुप्ता,UPPCS 2020 बैच

प्रश्न 1: आपकी प्रारम्भिक शिक्षा कैसे हुई?

उत्तरः मेरी स्कूली शिक्षा हिंदी माध्यम के सरकारी स्कूल में हुई। स्नातक के बाद BTC किया और प्राथमिक शिक्षक के रूप में नौकरी मिली। मेरा शैक्षणिक आधार भले साधारण रहा हो, लेकिन सपने हमेशा बड़े थे।

प्रश्न 2: प्रशासनिक सेवाओं की प्रेरणा आपको कब मिली?

उत्तरःBTC फेस्टिवल में अश्र अमृता सोनी मैम से मुलाक़ात हुई। उनकी IAS वर्दी वाली तस्वीर को देखकर मेरे भीतर यह भाव आया कि अगर मन से चाह लें तो कुछ भी संभव है।

प्रश्न 3: नौकरी और दो छोटे बच्चों के बीच पढ़ाई कैसे सम्भाली?

उत्तरः यही मेरे सफर की सबसे कठिन कड़ी थी। कई बार बच्चों को गोद में लेकर पढ़ाई की, कई रातें नींद छोड़कर जागकर पढ़ना पड़ा। समय की कमी ही मेरी सबसे बड़ी परीक्षा थी।

प्रश्न 4: क्या लोगों ने मनोबल तोड़ने की कोशिश की?

उत्तरः हाँ, बहुत बार। और सबसे दुखद यह कि मेरी अपनी माँ तक ने विश्वास नहीं किया कि मैं चयनित हो पाऊँगी। कई बार यह कहकर हतोत्साहित किया गया– 'तैयारी छोड़ दोष्ठ बस बच्चों को देखो।' ऊपर से समाज के ताने–'PCS'तुमसे नहीं होगाष्ठ पहले घर संभालो!' पर इन्हीं बातों ने मुझे और मजबूत बनाया।

प्रश्न 5: बिना कोचिंग के तैयारी करना कितना कठिन था?

उत्तरः बेहद कठिन। मुझे किसी ने कोचिंग नहीं कराई, न आर्थिक मदद मिली, न मानसिक समर्थन। हर विषय खुद समझा, खुद पढ़ा, खुद की रणनीति बनाई। मेरी सफलता ङपूरी तरह self-study का परिणाम है।

प्रश्न 6: सोशल मीडिया से कोई प्रेरणा मिली?

उत्तरः हाँ फेसबुक पर एक महिला वैज्ञानिक की फोटो देखी थी। उस एक तस्वीर ने मेरे भीतर यह विश्वास जगाया कि पहचान किसी की भी हो सकती है–अगर हिम्मत न छोड़ी जाए।

प्रश्न 7: आपके सफर की सबसे बड़ी ताकत कौन रही?

उत्तरः मेरे बच्चे। मैं हमेशा मानती हूँ– माँ होना कमजोरी नहीं, मेरी सबसे बड़ी शक्ति है।

प्रश्न 8: जब ळझ्झ्ए 2020 में 12वीं रैंक आई, तब पहला एहसास क्या था?

उत्तरःवह पल शब्दों में नहीं बताया जा सकता। सबसे बड़ी खुशी यह थी कि– यह किसी परिवार की जीत नहीं, केवल ङडमेरी मेहनत और मेरे बच्चों की जीत थी। क्योंकि हकीकत यही है कि मुझ पर परिवार ने कभी भरोसा नहीं किया। मैंने हर कदम अपने दम पर तय किया।

प्रश्न 9: क्या मायके में भी भेदभाव का अनुभव रहा?

उत्तरः बिल्कुल बचपन से ही बेटा-बेटी का गहरा भेदभाव देखा। इससे मेरे अंदर यह संकल्प और मजबूत हुआ कि– मुझे खुद को साबित करना है और बेटियों को यह दिखाना है कि वे किसी से कम नहीं।

प्रश्न 10: महिलाओं और माताओं के लिए आपका संदेश?

उत्तरः समय नहीं मिलेगा–आपको निकालना पड़ेगा। लोग ताने देंगे, रोकेंगे, हिम्मत तोड़ेंगेष्ठ कभी-कभी अपने भी। लेकिन अगर आप अपने सपने पर अडिग हैं, तो कोई आपको रोक नहीं सकता। जिम्मेदारियाँ बोझ नहीं–आपकी सबसे बड़ी ऊर्जा हैं।

प्रश्न 11: 'आधुनिक समाचार' के बारे में आपका संदेश?

उत्तरः 'आधुनिक समाचार एक ऐसा मंच है जो वास्तविक संघर्षों, जमीनी प्रतिभाओं और सच्ची कहानियों को जगह देता है। आज के मीडिया दौर में ऐसी निष्पक्ष और संवेदनशील पत्रकारिता बहुत कम मिलती है। मैं आधुनिक समाचार की टीम को धन्यवाद देती हूँ कि उन्होंने मेरी कहानी को आवाज दी।

तीन दिवसीय बुद्ध चरित्र भगवंत कथा आयोजित आगामी 28 नवंबर से प्रारंभ

आधुनिक समाचार

सोनभद्र। जनपद के करमा ब्लाक अन्तर्गत ग्राम सभा गौरही में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी तीन दिवसीय बुद्ध चरित्र भगवंत कथा का आयोजन 28 नवंबर 2025 से 29 व 30 नवंबर 2025 तक चलेगा। गौरतलब है कि पिछले वर्ष आठ दिवसीय बुद्ध चरित्र भगवंत कथा का आयोजन किया गया था लेकिन इस वर्ष तीन दिवसीय कथा का आयोजन किया जाएगा। इतिहास गवाह है भारत एक बौद्धमय राष्ट्र रहा है। प्रियदर्शी चक्रवर्ती सम्राट अशोक महान के शासनकाल से भारतवर्ष को बुद्ध की धरती के नाम से जाना जाता रहा है। आज भी विश्व पटल पर अनेकों देश तथागत गौतम बुद्ध के मार्गों का अनुसरण करते हैं। पूरे विश्व में तथागत गौतम बुद्ध के उपदेशों को सुनने के लिए बड़े कार्यक्रम होते हैं। वहीं भारत में तथागत गौतम बुद्ध के उपदेशों की बहुत ही महत्वत्ता है। सोनभद्र के ग्राम सभा गौरही निवासी डॉ रामजनम कुशवाहा के नेतृत्व में उनके घर पर तीन दिवसीय बुद्ध चरित्र भगवंत कथा का आयोजन किया गया है। जो कि 28 नवंबर 2025 से प्रारंभ होकर 30 नवंबर 2025 को सम्पन्न होगा। डॉ रामजनम कुशवाहा द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक कथा पहले दिन 28 नवंबर को सायं 4 बजे से रात्रि 9 बजे तक चलेगा पुनः दुसरे दिन 29 नवंबर को सायं 4 बजे से रात्रि 9 बजे तक चलेगा तथा 30 नवंबर को प्रातः 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक चलेगा। तथा 30 नवंबर को कथा की समाप्ति के बाद दोपहर 12 बजे से लोगों के आगमन तक भव्य भण्डारा का आयोजन किया जाएगा। डॉ रामजनम कुशवाहा ने लोगों से अपील किया है कि लोग उक्त तिथि और समय पर पधारकर कार्यक्रम को सफल बनाने में अपनी अहम भूमिका प्रदान करें। इस दौरान पूज्य भिक्खू ज्ञान ज्योति व पूज्य भिक्खू डॉ महेंद्र शाक्य के द्वारा 28, 29, तथा 30 नवंबर 2025 अर्थात तीनों दिन उपस्थित होकर लोगों को धम्मदेशना देंगे। वहीं पूज्य भिक्खू बुद्ध ज्योति का 29 नवंबर को उपस्थिति रहेगी तथा धम्मदेशना दी जाएगी। वहीं लोगों में इस खबर के बाद बहुत उत्साह का माहौल है।

आनन्दम' कार्यक्रम से बच्चों में उमंग, योगा सत्र ने बढ़ाया उत्साह

आधुनिक समाचार

सोनभद्र। बेसिक शिक्षा परिषद बच्चों को पढ़ाई से जोड़ने और उन्हें बोझमुक्त, तनावमुक्त वातावरण देने के लिए लगातार नए प्रयोग कर रहा है। इसी उद्देश्य से कम्पोजिट एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों में 'आनन्दम कार्यक्रम' संचालित किया जा रहा है, जिसके तहत विशेष शनिवार को 'नो बैग डे' घोषित किया गया है। इसी क्रम में घोरावल विकासखंड के कम्पोजिट विद्यालय विसुन्धरी ने कार्यक्रम की शुरुआत मां वीणावादिनी की पूजा-अर्चना के साथ की। समन्वयक दीनबन्धु त्रिपाठी ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार हर महीने एक शनिवार को इस कार्यक्रम के अंतर्गत बच्चों को विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से आनंददायक वातावरण प्रदान किया जाता है। इस शनिवार विद्यालय में योगा सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। एआरपी मयंक दुबे ने प्रशिक्षक के रूप में बच्चों को क्रमवार योगाभ्यास कराया और ध्यान की ओर प्रेरित किया। कार्यक्रम में शिक्षिकाओं श्वेता, रेखा, प्रीति, अंकित, सुलेखा, रूपा, सरगम सहित सैकड़ों बच्चों ने प्रतिभाग किया। मौके पर कंचन, प्रतिमा, मुन्नी देवी, फरजाना, सुनीता आदि शिक्षक भी उपस्थित रहे।

प्रतिदिन करें योग रहे निरोग बच्चों को दिए जीवन मंत्र

आधुनिक समाचार

घोरावल,सोनभद्र। बेसिक शिक्षा परिषद बच्चों को पढाई से जोडने हेतु नित नये प्रयोग करता रहता है। बच्चों को पढाई का बोझ न हो ,बच्चे सँट्रेस फ्री रहें,स्कूल में आनन्द महसूस करें।आनन्दम कार्यक्रम इसीलिए बेसिक शिक्षा परिषद के कम्पोजिट विद्यालय व उच्च प्राथमिक विद्यालयों में संचालित किया गया है।घोरावल विकासखंड के कम्पोजिट विद्यालय विसुन्धरी ने इस कार्यक्रम का प्रारम्भ किया,कार्यक्रम का प्रारम्भ मां वीणावादिनी केके पूजा अर्चन से हुआ। समन्वयक दीनबन्धु त्रिपाठी ने बताया शासन ने हर महीने में विशेष शनिवार को नो बैगडे घोषित किया गया है,जिसके तहत उस शनिवार को कार्यक्रम आनन्दम चलाया जायेगा।

उक्त के क्रम में इस शनिवार को कम्पोजिट विद्यालय विसुन्धरी में योगा की बहार बही और और बच्चों ने आनन्द लिया। योग प्रशिक्षक के रूप में एआरपी मयंक दुबे ने बच्चों को सिलसिलेवार योग से ध्यान की तरफ पहुंचाये। बच्चों से बातचीत में सभी बच्चों ने इस कार्यक्रम को सराहा और सरकार के इस पहल की सराहना की।शिक्षकों ने भी इस कार्यक्रम को उपयोगी बताया। उक्त कार्यक्रम में श्वेता, रेखा,प्रीती,अंकित ,सुलेखा,रूपा ,सरगम सहित सैकडों बच्चों ने प्रतिभाग किया।इस अवसर पर कंचन,प्रतिमा, मुन्नी देवी,फरजाना ,सुनीता आदि शिक्षक उपस्थित रहे।

गाजियाबाद दासना जेल में स्ट्रेस मैनेजमेंट पर कार्यशाला संपन्न

आधुनिक समाचार

गाजियाबाद स्थित दासना जेल में शनिवार को स्ट्रेस मैनेजमेंट कार्यशालाङ का सफल आयोजन किया गया। कार्यशाला में विशेषज्ञों ने कैदियों एवं जेल कर्मियों को मानसिक तनाव कम करने, सकारात्मक सोच विकसित करने तथा दैनिक जीवन में संतुलन बनाए रखने के सरल उपाय बताए। कार्यशाला के दौरान ड्योग, प्राणायाम, मेडिटेशनङ तथा भावनात्मक संतुलन पर विशेष सत्र आयोजित किए गए। प्रतिभागियों ने सक्रिय रूप से हिस्सा लिया और इस पहल की सराहना की। जेल प्रशासन का कहना है कि ऐसी गतिविधियाँ कैदियों के मानसिक स्वास्थ्य सुधारने और उन्हें बेहतर जीवन की ओर प्रेरित करने के उद्देश्य से नियमित रूप से आयोजित की जाती रहेंगी।

एस0एस0 राय का बहुआयामी व्यक्तित्व था -डॉ अर्जुन दास केसरी

अर्थशास्त्री, आर.एस.एम इंटर कॉलेज के पूर्व प्रधानाचार्य एस एस रॉय की मनाई गई जयंती

आधुनिक समाचार

सोनभद्र। शिवि सेवा ट्रस्ट के द्वारा प्रख्यात शिक्षाविद, अर्थशास्त्री, राजा शारदा महेश इंटर कॉलेज के पूर्व प्रधानाचार्य शिवधारी शरण राय की जयंती उनके निज आवास निराला नगर में हर्ष उल्लास के साथ शुक्रवार की देर शाम को मनाया गया।

वहीं ट्रस्ट द्वारा आयोजित सम्मान एवं संगोष्ठी समारोह की अध्यक्षता करते हुए प्रख्यात लोक साहित्यकार, लोकवार्ता शोध पत्रिका के प्रधान संपादक डॉ अर्जुन दास केसरी ने कहा कि एस0एस0 राय का बहुआयामी व्यक्तित्व के शिक्षक, खिलाड़ी, कलाकार, पर्यटक, शिक्षक नेता, सनातन धर्म के पोषक,विश्व हिंदू परिषद एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के आंदोलनो से जुड़े हुए थे। अपने जीवन का आरंभ एक शिक्षक के रूप मे किया था। मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्व जिला संघसंचालन शिव शंकर गुप्ता, विशिष्ट अतिथि राजा शारदा महेश इंटर कॉलेज के पूर्व विज्ञान प्रवक्ता भइया लाल सिंह, साहित्यकार पारसराम मिश्रा एस0एस0 राय के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विस्तृत प्रकाश डाला।

अतिथियों को अंगवस्त्रम, स्मृति चिन्ह, पुष्प गुच्छा, पौधा भेंट कर राय परिवार के सदस्यों ने सम्मानित किया। कार्यक्रम का सफल संचालन इतिहासकार दीपक कुमार केसरवानी ने किया। संगोष्ठी में अविनाश शरण, आशुतोष शरण, सुधीर शरण, ज्ञानेंद्र शरण, जया राय, डॉ आनंद शरण राय, डॉ गोविंद सिंह, एडवोकेट जेपी सिंह, विनोद चौबे, राजेश बंसल, शिव सांवरिया, अब्दुल हई, मुन्ना भाई, फारूक अहमद, डॉ एस एन सिंह, आनंद बहादुर सिंह, हर्षवर्धन, उपस्थित रहे।

महिला उसके पति को मारने पीटने का वीडियो हुआ वायरल

सोनभद्र। रायपुर थाना क्षेत्र के गोटी बांध गांव में एक दबंग सहजन सेवा केंद्र संचालक द्वारा दलित महिला और उसके पति को मारने पीटने का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है जो योगी आदित्यनाथ सरकार के महिला सुरक्षा , बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ और जीरो टालैंस नीति के ऊपर सवाल खड़े कर रहा है। जानकारी के अनुसार रायपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत गोटी बांध के झड़पी में एक व्यक्ति सहजन सेवा केंद्र चलाता है जो ग्राम पंचायत का भी कार्य देखता है उसी गांव के निवासी विजय कुमार पुत्र काशी राम अपना जॉब कार्ड लेने गया था तो सहजन सेवा केंद्र संचालक ने जॉब कार्ड देने से मना कर दिया इसके बाद पीड़ित ग्राम प्रधान को लेकर गया इसके बाद प्रधान के साथ देखते ही केंद्र संचालक भड़क गया और पीड़ित विजय कुमार को मारने पीटने लगा अपने पति को पीटते हुए देखकर पीड़ित की पत्नी ममिता बीच बचाव में आई तो सहजन सेवा केंद्र संचालक उसके भाई और उसके पिता ने मिलकर दोनो दलित पति पत्नी को मारने पीटने लगे वहां आस पास खड़े कुछ लोगों ने इस का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया है।

खनन हादसाः मजदूरों के आश्रितों को एक एक करोड़ राहत राशि दि जाए मांग

मुख्य अभियुक्तों की तत्काल की जाए गिरफ्तारी

आधुनिक समाचार

सोनभद्र। जन अधिकार पार्टी के प्रदेश प्रमुख महासचिव भागीरथी सिंह मौर्य ने मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश को पत्र भेज जनपद सोनभद्र के ओबरा तहसील अंतर्गत बिल्ली मारकुंडी क्षेत्र में कृष्णा माइनिंग वर्क्स (खदान) में 15 नवंबर 2025 को हुए खनन हादसे की तरफ ध्यान आकृष्ट करते हुए बताया कि 15 नवंबर 2025 को भगवान बिरसा मुंडा जी के जन्म जयंती पर जनपद सोनभद्र के चोपन में विश्व आदिवासी गौरव दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया था जिसमें बतौर मुख्य अतिथि योगी आदित्यनाथ मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार आगमन के कारण जनपद में खनन कार्य को बंद रखने का निर्देश जारी किया गया था इसके बावजूद बिल्ली मारकुंडी क्षेत्र में कृष्णा माइनिंग वर्क्स (खदान) में खनन का कार्य चल रहा था इसी दौरान दोपहर 2:30 बजे पत्थर के कई भारी चट्टान उक्त खदान में गिर गया उस समय उक्त खदान में कुल 18 मजदूर काम कर रहे थे जिसमें से कुछ मजदूर बच गए शेष उक्त खदान में पत्थर की चट्टान

से दब गए कुछ देर बाद शुरू हुआ राहत एवं बचाव कार्य तीन दिन तक चला इस दौरान सात मजदूरों के शव पाए जाने के बाद जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक सोनभद्र ने कहा कि अब खदान में कोई जिंदा या मृत्यु नहीं है इसलिए राहत एवं बचाव कार्य बंद किया जाता है । आगे भागीरथी सिंह मौर्य ने कहा कि उक्त खदान में खनन करने की स्थिति न होने के कारण डीजीएमएस वाराणसी ने पूर्व में ही कृष्णा माइनिंग वर्क्स (खदान) को बंद करने के लिए आदेश दिया था परंतु जिला प्रशासन एवं खनन विभाग डीजीएमएस के आदेशों की धज्जियां उड़ाते हुए उक्त खदान के रसूखदार मालिकों से मिली भगत कर कृष्णा माइनिंग वर्क्स (खदान) में खनन के लिए खुली छूट दे रखे थे जिससे पट्टा धारक नियम कानून की धज्जियां उड़ाते हुए लगभग 300 फीट गहरी खदान में बिना हाइट बेंच के बेखौफ अवैध खनन करा रहे थे जिस कारण इस प्रकार का हादसा हुआ ।

हादसा उपरांत कृष्णा माइनिंग वर्क्स खदान के अज्ञात मलिक एवं दो नामजद पार्टनरों के विरुद्ध एफ0 आई0 आर0 दर्ज कर लिया गया परंतु घटना के एक सप्ताह बाद भी गठित टीम मुख्य अभियुक्तों की गिरफ्तारी नहीं कर पाई ।

भागीरथी सिंह मौर्य ने कहा कि जन अधिकार पार्टी मांग करती है कि उक्त खनन हादसे में मृतक मजदूरो के आश्रितों को भरण-पोषण के लिए एक-एक करोड़ रुपए राहत राशि के रूप में दिए जाने, खनन हादसे के दो नामजद एवं अज्ञात मलिक की तत्काल गिरफ्तारी कर कठोर कार्रवाई किया जाने, खनन हादसे की जांच उच्च न्यायालय के न्यायाधीश की अध्यक्षता में गठित न्यायिक आयोग द्वारा कराकर दोषियों के विरुद्ध हत्या का मुकदमा दर्ज कर कठोर कार्रवाई किए जाने सहित बिल्ली मारकुंडी सहित जनपद सोनभद्र में संचालित सभी खदानों की उच्च स्तरीय जांच कराई जाए तथा जिस खदान में खनन करने योग्य नहीं है उन सभी खदानों में खनन करने से तत्काल प्रतिबंध लगाया गया है।

शीर्षक-'महाप्रलय का है आह्वान'

महा प्रलय का है आह्वान ,जागो जागो मेरे लाल ।
धरती हुई बेज़ार, नभ करे हाहाकार,
चांद- सितारे, टूट गिरे,रूठ गिरे,
सूरज उगले है अंगार,किरणें करती है लाचार
मत रखो कुछ उधार,रखो प्रकृति का सम्मान
जागो- जागो मेरे लाल,महाप्रलय का है आह्वान।।
कलयुग का कठोर कलेवर,
मन विकल रहे दिन-रात , छोड़े सब साथ,
अंधकार- प्रकाश लड़े, छोड़ अपना मान गुमान
जागो -जागो मेरे लाल, महा प्रलय का है आह्वान ।।
धरती का सीना चीर, चीरे ताल- तलैया
विस्तृत सागर पुल विशाल, हंसती अट्टहास करती,
दिखता वसुधा पर निशान ।।
जागो- जागो मेरे लाल, महाप्रलय का है आह्वान
लहूलूहान धरती कहती, देखो घाव हमार।।
आर -पार मैं तार- तार हुई, हो गई हूं मैं बेजान,
तलाशों गिद्ध दृष्टि से,मेरी पहचान।।
जागो जागो मेरे लाल ,महाप्रलय का है आह्वान

रचना मौलिक और अप्रकाशित एवं स्वरचित
मीरा पाण्डेय 'रेवती ,
अभियोजन अधिकारी
जीआरपी अनुभाग आगरा /मथुरा
मूल निवास ग्राम पोस्ट रेवतीपुर जिला गाजीपुर

हर गरीब तबके के मसीहा श्रद्धेय नेताजी मुलायम सिंह यादव की मनी जयंती

यूथ ब्रिगेड के नौजवानों ने जिला अस्पताल में किया रक्तदान

आधुनिक समाचार

सोनभद्र। श्रद्धेय नेताजी को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए समाजवादी पार्टी के सांसद छोटेलाल सिंह खरवार एवं जिला अध्यक्ष राम निहोर यादव ने कहा कि आज हम लोग ऐसे नेताजी की जयंती मना रहे हैं जो हमेशा गरीबों नौजवानों किसानों व्यापारियों अल्पसंख्यक महिलाओं आदिवासियों और गरीब के हर तपके के मसीहा थे और अपने जीवन काल में हमेशा सड़क से लेकर सदन तक सभी वर्गों की लड़ाई लड़ने का काम किया और अपने मुख्यमंत्री कार्यकाल में हर वर्ग को अपने अधिकार के बारे में जागरूक करने का काम किया और अपने रक्षा मंत्री कार्यकाल में हर सैनिकों की शव को उनके घर तक पहुंचने का नियम बनाया जो आज तक कोई पार्टी नहीं कर पाई । वह श्रद्धेय नेताजी मुलायम सिंह यादव ने कर दिखाया था।

उनके बताए हुए रास्ते पर चलते हुए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव जी ने हर समाज को एक साथ लेकर चलने का काम कर रहे हैं और उनकी लड़ाई सड़क से सदन तक लड़ने का काम कर रहे हैं आज उन्हीं की देन है कि पूरे देश में हर समाज के लोग प्रधान क्षेत्र पंचायत सदस्य ब्लॉक प्रमुख जिला पंचायत सदस्य जिला पंचायत अध्यक्ष बनकर हर समाज का उत्थान करने का काम कर रहे हैं लेकिन यह भाजपा सरकार फिर से हर गरीब वर्ग को पूर्व की भांति लाने का काम कर रही है जिसे समाजवादी पार्टी के एक-एक कार्यकर्ता ऐसा नहीं होने देंगे।

संगोष्ठी को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव पूर्व विधायक अविनाश कुशवाहा एवं पूर्व विधायक रमेश चंद्र दुबे ने कहा कि आज हम लोग ऐसे महान नेताजी की जयंती मना रहे हैं जो हमेशा हर समाज को विकास के रास्ते पर लाने का काम किया था लेकिन वही भाजपा सरकार जब से केंद्र एवं प्रदेश में आई है तब से हर गरीब समाज को सड़क पर लाने का काम कर रही है ।

श्रद्धा सुमन अर्पित करने वालों में मुख्य रूप से विजय यादव संजय यादव मोहम्मद सईद कुरैशी अनिल प्रधान गीता गौर सरदार पारब्रह्म सिंह वेदमणी शुक्ला अशोक पटेल जयप्रकाश उर्फ चेखूर पांडे सत्यम पांडे त्रिपुरारी गौड़ मन्नू पांडे रमेश सिंह यादव कुमारी मंदाकिनी पांडे सुनील गौड़ कुमारी निधि पांडे डॉक्टर लोकपति सिंह जितेंद्र हिदायत उल्ला खान दीपक केसरी विमलेश पटेल सूरज मिश्रा के साथ सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित थे।

शोक संदेश

हम अत्यंत दुःख के साथ सूचित करते हैं कि अग्रसेन इंटर कॉलेज, प्रयागराज के पूर्व प्रधानाचार्य, प्रतिष्ठित शिक्षक, विद्वान एवं वैदिक साहित्य के मर्मज्ञ आदरणीय श्री प्रेम शंकर खरे जी का 98 वर्ष की आयु में स्वर्गवास हो गया। श्री खरे जी ने अपने दीर्घ शिक्षकीय जीवन में शिक्षा-जगत को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। वे न केवल एक कुशल प्रशासक थे बल्कि उत्तर प्रदेश एजुकेशन एक्ट 1921 को व्यवस्थित रूप से संकलित एवं स्पष्ट करने वाले वरिष्ठ शिक्षकों में अग्रणी माने जाते थे। उनका कार्य शिक्षा-व्यवस्था के लिए सदैव मार्गदर्शक रहा है। उनकी सादगी,

विद्वत्ता, अनुशासनप्रियता एवं शिक्षार्थियों के प्रति स्नेहपूर्ण व्यवहार उन्हें एक आदर्श शिक्षक और प्रेरणास्रोत व्यक्तित्व के रूप में स्थापित करता है। उनका पार्थिव शरीर उनके परिवारजनों द्वारा मानवता की सेवा हेतु मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज, प्रयागराज के एनाटॉमी विभाग को देहदान स्वरूप समर्पित किया गया, जो उनके उदात्त विचारों एवं समाजहित की भावना को दर्शाता है। श्री खरे जी के परिवार से जुड़े नेत्र विशेषज्ञ डॉ. मुकेश खरे भी मेडिकल कॉलेज के देहदान अभियान से संबद्ध हैं, जो इस महान परंपरा को आगे बढ़ाते हैं। श्री प्रेम शंकर खरे जी का जीवन एवं कार्य हम सभी के लिए सदैव प्रेरणादायी रहेगा। हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें तथा उनके परिवारजनों को इस दुःख को सहन करने की शक्ति दें।

ओम् शान्तिः शान्तिः शान्तिः
सुनील पाण्डेय
पूरा छात्र अग्रसेन ई0का0
वर्ष 1989 कामर्स

खनन हादसाः लीपापोती की आशंका, मुख्य अभियुक्तों व संलिप्त अधिकारियों पर हो कार्यवाही

आधुनिक समाचार

सोनभद्र। ओबरा थाना क्षेत्र के बिल्ली-मारकुंडी खनन क्षेत्र में हुए भीषण हादसे को लेकर जिले में आक्रोश कम होने का नाम नहीं ले रहा है। घटनास्थल से भारी मात्रा में अवैध विस्फोटक मिलने और मजिस्ट्रियल जांच शुरू होने के बाद विभिन्न संगठनों ने इसे गंभीर सुरक्षा चूक बताते हुए दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग तेज कर दी है।

शनिवार को युवा कांग्रेस सोनभद्र के जिलाध्यक्ष शशांक मिश्रा पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचे और एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मुख्य रूप से युवा कांग्रेस का आरोप है कि खनन क्षेत्र में विभाग द्वारा लंबे समय से सुरक्षा मानकों की अनदेखी की जा रही थी। मजदूरों और स्थानीय निवासियों द्वारा बार-बार चेतावनी देने के बावजूद प्रशासनिक स्तर पर कोई प्रभावी कदम न उठाया जाना हादसे का बड़ा कारण माना जा रहा है।

ज्ञापन में यह भी मांग की गई है कि खदानों में बड़े पैमाने पर उपयोग हो रहे विस्फोटकों की आपूर्ति किस माध्यम से हो रही थी, किसके द्वारा लाई जा रही थी और इनकी निगरानी क्यों नहीं की गई – इसकी विस्तृत जांच होनी चाहिए। युवा कांग्रेस ने आशंका जताई कि यदि विस्फोटकों की सप्लाई पर रोक और निरीक्षण नहीं हुआ, तो इनका दुरुपयोग किसी बड़ी आपराधिक या आतंकी गतिविधि में भी हो सकता है।

जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग संगठन ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि मजिस्ट्रियल जांच में किसी सरकारी कर्मचारी या अधिकारी की लापरवाही सामने आती है, तो उनके खिलाफ भी कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाए। खनन क्षेत्र में सुरक्षा मानकों का न पालन किया जाना कई गंभीर प्रश्न खड़े करता है। युवा कांग्रेस के पूर्व प्रदेश महासचिव धीरज पांडेय ने घटना पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा– 'यह हादसा किसी प्राकृतिक आपदा का परिणाम नहीं, बल्कि व्यवस्था की लापरवाही और खनन माफियाओं व कुछ अधिकारियों के गठजोड़ का नतीजा है। यदि समय पर कार्रवाई होती, तो इतनी बड़ी त्रासदी नहीं होती। जांच पूरी तरह पारदर्शी हो और प्रभावशाली लोगों पर भी समान कार्रवाई होनी चाहिए।'

सेवादल शहर अध्यक्ष शैलेन्द्र चतुर्वेदी ने भी घटना पर गंभीर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा– 'इतनी बड़ी मात्रा में अवैध विस्फोटक मिलना इस बात का प्रमाण है कि खनन क्षेत्र में कोई निगरानी नहीं थी। केवल संचालकों ही नहीं, बल्कि उन अधिकारियों पर भी कार्रवाई जरूरी है जिन्होंने आंखें मूंद रखी थीं। पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाना ही सरकार और प्रशासन की प्रथम जिम्मेदारी है।'

पीड़ित परिवारों को न्याय की मांग युवा कांग्रेस ने मृतक आश्रितों को 50लाख तक मुआवजा,हर परिवार में एक सरकारी नौकरी और घायल मजदूरों के समुचित उपचार की मांग की। साथ ही जिले में संचालित सभी वैध-अवैध खदानों की उच्चस्तरीय जांच कर सुरक्षा मानकों की वास्तविक स्थिति का आकलन करने की भी आवश्यकता बताई।

'लीपापोती की कोई गुंजाइश नहीं छोड़ी जाए'।

ज्ञापन सौंपने के बाद जिलाध्यक्ष शशांक मिश्रा ने कहा– 'यह हादसा खनन माफियाओं को मिली खुली छूट और प्रशासनिक लापरवाही का परिणाम है। पीड़ितों को न्याय तभी मिलेगा जब दोषियों पर बिना किसी राजनीतिक या प्रशासनिक संरक्षण के कठोर कार्रवाई की जाएगी। किसी भी तरह की लीपापोती बर्दाश्त नहीं की जाएगी।'

उक्त अवसर पर युवा कांग्रेस के जिला महासचिव रोहिल मिश्रा, सूर्या, मृदुल मिश्रा, रोहित कुमार,शेखर सहित दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पूर्व सीएम के जयंती पर मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड किए ब्लड डोनट

आधुनिक समाचार

सोनभद्र। रॉबर्ट्सगंज में पूर्व मुख्यमंत्री उ.प्र. एवं पूर्व रक्षा मंत्री स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव की 86 वीं जयंती मनाई गई। इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड के जिला अध्यक्ष सत्यम पांडेय के नेतृत्व में दर्जनों कार्यकर्ताओं ने जिला अस्पताल स्थित ब्लड बैंक पर रक्तदान किया। इस अवसर पर मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड के जिला अध्यक्ष सत्यम पांडेय ने कहा कि इस रक्तदान शिविर के माध्यम से उन्होंने मुलायम सिंह यादव को श्रद्धांजलि दी है। उन्होंने कहा कि नेताजी शख्सियत ऐसी है कि जो कभी खत्म नहीं हो सकती और उनका समाजवाद का संदेश हमेशा युवा पीढ़ी के दिलों में जीवित रहेगा। सत्यम पाण्डेय ने यह भी कहा कि समाजवाद का परचम तब तक नहीं लहराएगा जब तक समाजवादी पार्टी की सरकार पूरे देश में नहीं बन जाती और इसके लिए यूथ ब्रिगेड के सभी कार्यकर्ता पूरी मेहनत के साथ लगे हुए हैं। जिसमे पिंटू सिंह, आदिल अंसारी, अमित मौर्या, नितीश पटेल, बालेश्वर यादव, फहीम कुरैशी, अनस अहमद, अमन कुरैशी,आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सम्पादकीय

विपक्ष का कोई पैतरा नहीं आया काम

बिहार में इतने एकतरफा नतीजे की उम्मीद किसी को नहीं रही होगी। चुनाव प्रचार के दौरान जो लड़ाई टक्कर की दिख रही थी, वह आखिर में केवल भ्रम साबित हुई। जनता ने न महागठबंधन के बदलाव के नारे पर यकीन किया और न ही प्रशांत किशोर की अलग राजनीति पर भरोसा जताया। आंकड़ों का विश्लेषण होता रहेगा, लेकिन मोटे तौर पर यह परिणाम कई संदेश देता है। **पहलाः** इस चुनाव का माहौल बनना शुरू हुआ था आखिर में जंगलराज पर आकर टिक गया। महागठबंधन ने एसआईआर को वोट चोरी के रूप में पेश किया। प्रक्रिया के दौरान आम लोगों को जिस तरह की दिक्कत आई, उससे ऐसा माहौल बना भी कि जनता में नाराजगी बढ़ रही है। लेकिन, लगता है कि आखिर में जनता ने इसे एक जरूरी प्रक्रिया समझ कर स्वीकार किया। **दूसराः** इलेक्शन में एनडीए की ओर से सबसे ज्यादा कोई शब्द सुनाई पड़ा, तो वह था जंगलराज। यह लड़ाई अतीत की याद बनाम भविष्य के बीच भी थी। और केवल इसी बार नहीं, पिछले दो दशकों में बिहार में हुए हर चुनाव पर लालू-राबड़ी यादव के शासनकाल की छाया रही है। **तीसराः**नीतीश कुमार के लिए 20 बरसों में यह पहला विधानसभा चुनाव था, जहां वह गठबंधन का तो चेहरा थे, पर सीएम पद के उम्मीदवार नहीं। उनके खराब स्वास्थ्य को लेकर भी अटकलें होती रहीं। लेकिन, परिणाम ने साबित किया है कि नीतीश अब भी बिहार के सबसे बड़े पॉलिटिकल ब्रैंड हैं। वह अब तक नौ बार सीएम पद की शपथ ले चुके हैं, कई बार उन्होंने पाला बदला, लेकिन जनता का यकीन उन पर बना हुआ है। इसकी बड़ी वजह उनकी बेदाग छवि भी है। **चौथाः** बिहार के सामने सबसे बड़ा सवाल था कि क्या यह बदलाव का समय है और विकल्प कौन हैं? दोनों चरणों में रेकॉर्ड मतदान हुआ। यह संकेत था कि परिणाम भी ऐतिहासिक होगा। **पांचवांः** यह चुनाव याद रहेगा फ्रीबीज की घोषणा के लिए। पहली बार बिहार ने इस तरह के ऐलान देखे, जहां दोनों तरफ से होड़ मची हुई थी। दोनों खेमों ने महिलाओं और युवाओं पर फोकस किया। आमतौर पर महिलाओं को शराबबंदी की वजह से नीतीश समर्थक माना जाता है। **छठाः** जनसुराज और दूसरे छोटे दलों को निराशा मिली। प्रशांत किशोर के लिए खासकर यह बड़ा झटका है। हालांकि उनकी पार्टी के लिए यह पहला मौका जरूर था, लेकिन वह कई दूसरे दलों को चुनाव लड़ा चुके हैं-इसी वजह से उन्हें लेकर उत्सुकता ज्यादा थी। उन्होंने भ्रष्टाचार और पलायन जैसे मुद्दों को बहस के केंद्र में लाने की कोशिश की, पर जनता ने स्थिरता को तवज्जो दी। **सातवांः** आरजेडी और कांग्रेस के लिए यह समय आत्ममंथन का है। क्या आखिर तक सीटों पर तालमेल न हो पाना भारी पड़ा-इसका जवाब आने वाले चुनावों में बेहतर प्रदर्शन के लिए जरूरी है। जहां तक एनडीए की बात है, तो उनके सामने अभी प्रश्न है कि सीएम कौन होगा। नीतीश को एनडीए ने स्वीकारा नहीं, लेकिन नकारा भी नहीं है। हां, एक उलटफेर यह जरूर हो चुका है कि अब बीजेपी राज्य की सबसे बड़ी पार्टी है और सरकार पर उसकी छाप जरूर दिखेगी।

बिहार का जनादेशः एनडीए की सुनामी में ध्वस्त हुआ महागठबंधन

योगेश कुमार गोयल

बिहार की राजनीति एक बार फिर ऐसे मोड़ पर पहुंची है, जहां मतदाता ने अपनी पसंद को अभूतपूर्व स्पष्टता, दृढ़ता और राजनीतिक परिपक्वता के साथ दर्ज किया है। 2025 का बिहार विधानसभा चुनाव सामान्य जनादेश नहीं बल्कि एक गहरा राजनीतिक संदेश है, जहां नीतीश कुमार के सुशासन ने अविश्वास को पछाड़ दिया, स्थिरता ने प्रयोगधर्मिता को और सामाजिक सुरक्षा ने जातीय ध्रुवीकरण को दृढ़ता से मात दे दी। बिहार का यह जनादेश बताता है कि बिहार का मतदाता भावनात्मक राजनीति, जातिगत उत्तेजना और चुनावी वादों की चमक-दमक से परे निकल चुका है और वह केवल उसी नेतृत्व को स्वीकार करता है, जो उसके जीवन में वास्तविक बदलाव लाए, सुरक्षा दे, भरोसा कायम रखे और विकास को धरातल पर उतारे। इसी कसौटी पर यह समझना कठिन नहीं कि एनडीए को ऐतिहासिक जीत क्यों मिली और महागठबंधन क्यों धराशायी हो गया। 243 सीटों वाली विधानसभा में बहुमत का आंकड़ा 122 है पर चुनाव परिणामों ने स्पष्ट किया कि यह सीमा इस बार महज एक गणितीय संख्या बनकर रह गई। एनडीए बहुमत से कहीं आगे निकल गया जबकि महागठबंधन का प्रदर्शन तमाम पूर्वानुमानों से बहुत नीचे रह गया, जो 50 सीटें भी हासिल नहीं कर सका। तेजस्वी यादव, जो दो वर्षों से स्वयं को मुख्यमंत्री-इन-वेटिंग के रूप में प्रक्षेपित करते रहे, जनता द्वारा स्पष्ट तौर पर नकार दिए गए। यह हार केवल किसी एक नेता की नहीं बल्कि पूरी उस राजनीतिक रणनीति की असफलता है, जो जातीय समीकरणों, लुभावने लेकिन अवास्तविक वादों और सहयोगियों को हाशिये पर रखकर बनाई गई थी। 2020 में महज कुछ हजार वोटों से पीछे रहने वाली आरजेडी को इस बार उम्मीद थी कि वह आसानी से सत्ता के द्वार तक पहुंच जाएगी लेकिन 2025 ने उसका यह सपना ध्वस्त कर दिया। इस चुनाव में महागठबंधन की सबसे बड़ी गलती टिकट वितरण की रणनीति रही। आरजेडी ने 144 सीटों में से 52 यादव उम्मीदवार उतारे, जो कुल टिकटों का लगभग 36 प्रतिशत थे। यह संख्या 2020 के मुकाबले कहीं अधिक थी। तेजस्वी यादव का उद्देश्य भले ही अपने कोर वोट बैंक को मजबूत करना रहा हो लेकिन इसका परिणाम उलटा निकला। यादव बिहार की आबादी का मात्र 14 प्रतिशत हैं जबकि चुनाव का फैसला ईबीसी, महादलित, सवर्ण, युवा, महिलाएं, शहरी एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों पर निर्भर करता है। इतने अधिक यादव प्रत्याशी उतारने से यह संदेश गया कि आरजेडी सत्ता को फिर से एक जाति के हाथों में सौंपना चाहती है। एनडीए ने इसे चुनावी हथियार बनाकर 'यादव राज-भाग 2' का नैरेटिव चलाया, जो शहर से गांव तक गूंजता हुआ जनमत को प्रभावित करता गया। इसके विपरीत उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव ने 2024 में जातिगत संतुलन साधते हुए केवल 5 यादव प्रत्याशी उतारे थे, जिससे व्यापक सामाजिक आधार मिला। तेजस्वी इससे सीख नहीं ले सके और आरजेडी की छवि और भी यादव-केंद्रित बन गई, जिसका सीधा असर

10 से 15 प्रतिशत वोटों के खिसकने के रूप में सामने आया। दूसरी बड़ी गलती गठबंधन प्रबंधन की विफलता रही। महागठबंधन ऊपरी तौर पर भले ही मजबूत दिखता रहा लेकिन भीतर से बिखरा हुआ था। कांग्रेस से सीट-बंटवारे पर तकरार, वाम दलों को कमजोर सीटें देना और सहयोगियों को प्रचार में हाशिये पर रखना, इन सबने गठबंधन में असंतोष पैदा किया। सबसे बड़ा झटका तब लगा, जब महागठबंधन का घोषणापत्र 'तेजस्वी प्रण' के नाम से जारी किया गया। यह कदम साझेदारी की भावना को ठेस पहुंचाता था। कांग्रेस गारंटी मॉडल पर केंद्रित थी, वाम दल मजदूर-किसान मुद्दों को उभार रहे थे लेकिन तेजस्वी केवल नौकरियों के वादे पर टिके रहे। महागठबंधन एक साझा दृष्टि से वंचित रहा और चुनावों में एकजुट चेहरा न बन सका। तेजस्वी की तीसरी चूक उनके वादों के अविश्वसनीय स्वरूप में दिखी। उन्होंने हर घर में नौकरी, पेंशन, शराबबंदी की समीक्षा, महिलाओं की बड़ी आर्थिक मदद जैसे भारी-भरकम वादे तो किए पर उनके क्रियान्वयन, वित्तीय स्रोत या समय सीमा पर कोई विश्वसनीय उत्तर नहीं दे सके। हर मंच से वे कहते रहे कि ब्लूप्रिंट जल्दी आ जाएगा लेकिन चुनाव समाप्त होने तक वह ब्लूप्रिंट नहीं आया। इससे उनकी विश्वसनीयता पर गहरा आघात हुआ, खासकर युवाओं और शहरी मतदाताओं में। महागठबंधन की मुस्लिम परस्त छवि ने नुकसान को और बढ़ाया। मुस्लिम बहुल सीटों पर तो लाभ मिला पर पूरे राज्य में यह छवि प्रतिकूल साबित हुई। वक्फ बिल को लागू न करने की तेजस्वी की घोषणा और कई संवेदनशील बयानों ने यादव समुदाय के एक वर्ग को भी असहज कर दिया। एनडीए ने इसे भुनाया और लालू यादव के संसद में दिए भाषणों को वायरल कर जनमत को प्रभावित किया। गैर-मुस्लिम और गैर-यादव वोटों ने निर्णायक मोड़ पर महागठबंधन को छोड़ दिया। तेजस्वी यादव की सबसे जटिल रणनीतिक गलती उनके पिता लालू प्रसाद यादव को लेकर उनकी दोहरी राजनीति रही। उन्होंने लालू की विरासत का सहारा भी लिया और उससे दूरी भी बनाए रखी। पोस्टरों में पिता की तस्वीर छोटी रखी गई जबकि मंचों पर उनके नाम का राजनीतिक इस्तेमाल किया गया। यह दोहरापन मतदाता को भ्रमित करता रहा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा तेजस्वी पर 'लालू के पाप छिपाने' का आरोप लगाना इस उलझन को और गहरा कर गया। इसके विपरीत एनडीए ठोस काम और प्रामाणिक शासन मॉडल के साथ मैदान में उतरा। नीतीश कुमार ने पिछले 20 वर्षों में महिला-सशक्तिकरण और सामाजिक सुरक्षा की जो नींव रखी थी, वही इस चुनाव में निर्णायक बनी। 2006 में शुरू हुई साइकिल योजना, किताब-धन, पोशाक-धन, छात्रवृत्ति, जीविका समूहों का विस्तार, इन सबने महिला मतदाताओं के मन में एक स्थायी भरोसा पैदा किया। 2025 के चुनाव में महिलाओं का मतदान पुरुषों से 9 प्रतिशत अधिक रहा, जो स्पष्ट संकेत था कि महिला मतदाता एनडीए के साथ खड़ी हैं। जीविका समूहों से जुड़ी एक करोड़ से अधिक महिलाओं पर आर्थिक सशक्तिकरण का प्रभाव सीधा मतदान व्यवहार पर पड़ा। 10,000 रुपये की सहायता और 2 लाख रुपये तक की उद्यम सहायता ने इन्हें राजनीतिक रूप से और भी सक्रिय बनाया। दलित और अति पिछड़ी महिलाओं का समर्थन भी निर्णायक रहा। महागठबंधन की ऊंची-ऊंची घोषणाओं के विपरीत एनडीए की योजनाएं उनके जीवन में ठोस बदलाव ला रही थी, जिससे जातीय ध्रुवीकरण की संभावित रणनीति भी ध्वस्त हो गई। सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा कानून-व्यवस्था का रहा। बिहार 2005 से पहले जिस बदहाल सुरक्षा व्यवस्था से गुजर रहा था, उसे नीतीश कुमार के शासन ने बदल दिया। अपराध में आई गिरावट, सड़क-बिजली में सुधार, स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार और रात में भी महिलाओं की सुरक्षित आवाजाही, ये सब बातें बिहार के सामाजिक मानस में गहराई से दर्ज हैं। एनडीए ने इसका चुनावी लाभ उठाया और जनता ने इसे स्वीकार किया। 2025 का चुनाव इस सबसे महत्वपूर्ण सबक को दोहराता है कि लोकतंत्र में सिर्फ मुद्दे नहीं बल्कि नेतृत्व की विश्वसनीयता मायने रखती है। तेजस्वी युवा और ऊर्जावान हैं लेकिन वे अभी उस परिपक्वता, ठोस दृष्टि और स्थिरता वाले नेतृत्व का विकल्प नहीं बन पाए, जिसकी उम्मीद बिहार का मतदाता करता है। आरजेडी का जाति-केंद्रित चुनाव, महागठबंधन की विफल रणनीति और तेजस्वी की नीतियों का धुंधलापन, इन सबने मिलकर परिणाम तय कर दिए।

बिहार में नीतीश कुमार का जादू बरकरार

बरुण कुमार सिंह

बिहार में मुकाबला मुख्य रूप से जदयू के नेता और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाले सत्तारूढ़ एनडीए और राजद के तेजस्वी यादव के नेतृत्व वाले विपक्षी महागठबंधन के बीच था। इस बार प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी को भी बड़ा झटका लगा है। बिहार विधानसभा चुनाव-2025 के एक्जिट पोल नतीजे के बाद जो आश्चर्यकारी परिणाम आये हैं, उसकी गूंज आने वाले पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनाव में स्पष्ट रूप से दिखायी देगी। लोकतंत्र के इस मंदिर की चौखट पर विराजमान दृश्य कुछ ऐसा है जिसमें हालात किसी एक पार्टी तक ही सीमित नहीं, बल्कि सभी प्रमुख दलों में टिकटों की दावेदारी में राजद व कांग्रेस और जदयु व भाजपा, लोजपा और इसके साथ ही कोई भी अन्य दल इनसे अछूता नहीं है। 10,000 रुपये महिलाओं के खाते में भेजने के कारण महिला मतदाताओं का प्रतिशत बढ़ा और उन्होंने नीतीश सरकार के लिए जमकर मतदान किया जो आज के चुनाव परिणाम में दिखाई दे रहे हैं, इस चुनाव परिणाम ने सारे एग्जिट पोल को झुठला दिया। इस चुनाव परिणाम ने जदयू, भाजपा एनडीए गठबंधन की सत्ता को बरकरार रखा बल्कि उनकी ताकत एवं सीटों में इजाफा पहले से बहुत ही बेहतर हुआ है। चुनाव परिणाम ने साबित कर दिया कि नीतीश का जादू अभी भी बिहार में बरकार है। बिहार विधानसभा चुनावों के नतीजों ने जनता के बदलते मन-मिजाज की एक झलक पेश की है। ताजा चुनाव परिणाम शायद इसी ओर इशारा कर रही है कि कुल मिलाकर जदयू, बीजेपी एवं एनडीए के लिए एक बड़ी सफलता है। क्या पीएम मोदी बिहार की अर्थव्यवस्था को लेकर कोई बड़ा फैसला करेंगे और इसके साथ ही अब वह क्या रणनीति अपनाएंगे, यह आनेवाले दिनों में पता चलेगा। विधानसभा चुनाव में जनता स्थानीय मुद्दों को ज्यादा तवज्जो देती है। बीजेपी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के व्यक्तिगत करिश्मे के सहारे चुनाव दर चुनाव जीत रही है और मोदी का वह करिश्मा बिहार में भी आश्चर्यकारी परिणाम लाये हैं क्योंकि बिहार में सुशील मोदी के निधन के बाद उनके स्तर का नेता आज भी नहीं है। ताजा चुनाव नतीजों को नीतीश भाजपा की गठबंधन सरकार के कामकाज पर टिप्पणी की तरह ही देखा जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह की दर्जनों रैलियां बताती

हैं कि एनडीए इस चुनाव को लेकर कितना संवेदनशील है। क्योंकि इसका असर पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव में भी असर देखने को मिलेगा। नीतीश कुमार का प्रदर्शन पहले से बेहतर हुआ है, खास तौर पर महिलाओं की वजह से, लेकिन मुख्यमंत्री पद को लेकर उनका नाम औपचारिक रूप से घोषित नहीं किया गया। इससे उनका वोटर कुछ असहज रहा। राजद महागठबंधन का स्तर बहुत मुश्किल भरा रहा है, आरजेडी अपने पिछले प्रदर्शन को भी कायम नहीं रख सकी 1 नंबर से वह 3 नंबर पर पहुंच गई, इस बार का उसका प्रदर्शन बेहद ही निराशाजनक रहा, उसके मुद्दे और वायदे जनता को पिछली बार की तरह नहीं आकर्षित कर पाई। सत्ता में उसकी आने की कोशिश और पीछे चली गई। पिछली बार आरजेडी ने 75 सीटें जीती थीं, जो आज 28 सीटों पर सिमट कर रह गई। सरकारी नौकरियां, माई बहन योजना, 30000 रुपये महिलाओं को सरकार बनते ही एकमुश्त देने की घोषणा एवं आजीविका दीदी को पक्की नौकरी और उनकी वेतन 30000 रुपये तक करने का वायदा भी कुछ खास असर नहीं कर पाया। जनसुराज पार्टी की स्थिति मोटे तौर पर निराशाजनक ही कही जाएगी, क्योंकि वह पार्टी अपना खाता तक नहीं खोल पाया। प्रशांत किशोर खुद कहते रहे हैं कि या तो अर्श पर होंगे या फर्श पर। अगर नतीजे उनके पक्ष में नहीं आए वे इसे अपने बयान की पुष्टि ही मानेंगे। प्रशांत किशोर ने शुरुआत में कहा था कि वे राघोपुर से चुनाव लड़ेंगे, लेकिन बाद में पीछे हट गए, इससे उनके कार्यकर्ता निराश हुए, जब नेता ही मैदान छोड़ दे, तो कैडर का मनोबल गिरना स्वाभाविक है। महागठबंधन में भी तालमेल की कमी दिखी। चुनाव से दस दिन पहले तक पार्टियों में बातचीत नहीं हो रही थी। पिछली बार के मुकाबले नीतीश कुमार की सीटें बढ़ी, एनडीए के भाजपा सहित सभी दलों ने अपना स्ट्राइक रेट बेहतर किया है। पहले के चुनाव में चिराग पासवान नीतीश के विरोध में लड़े थे, लेकिन इस बार वह नीतिश के साथ थे, इससे दोनों दलों एवं एनडीए गठबंधन को इसका फायदा मिला। बिहार के लोगों में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के प्रति भरोसा अभी भी बना हुआ है। चुनाव परिणाम ने पूर्व के सारे अनुमान को गलत साबित कर दिया क्योंकि एंटी-इनकंबेंसी का असर घोषित चुनाव परिणाम में स्पष्ट रूप से दिखाई नहीं पड़ रहा है। बिहार में कुल 67.13 फीसदी का रिकॉर्ड मतदान हुआ। लेकिन महिलाओं ने इससे भी आगे बढ़कर 71.78 फीसदी मतदान किया, जबकि पुरुषों का मतदान फीसदी 62.98 प्रतिशत रहा। कई जिलों में महिलाओं ने पुरुषों से 10 से 15 फीसदी ज्यादा वोटिंग की। महिलाएं पिछले 15 सालों से लगातार ज्यादा संख्या में वोट कर रही थीं, लेकिन 2025 में उनकी भारी भागीदारी ने सबको चैंका दिया। नीतीश कुमार की 10वीं पारी सुनिश्चित करने में महिलाओं के खाते में 10 हजार रुपये का कैश ट्रांसफर टर्न अराउंड का सबसे बड़ा फैक्टर साबित हुआ। महिला वोटरों का भरोसा उनके पक्ष में मजबूत हुआ और विपक्ष की रणनीति कमजोर पड़ गई। नीतीश की ये स्कीम चुनाव में गेम चेंजर साबित हुई। इस योजना के तहत 1.5 करोड़ महिलाओं के खाते में 10 हजार रुपये ट्रांसफर किए गए। इसका अप्रत्यक्ष असर लगभग 4 से 5 करोड़ परिवारों पर पड़ा।

समस्याओं से निपटने का तरीका योगी सरकार से सीखें राज्य

योगेंद्र योगी

अपराधियों से निपटने और धार्मिक स्थलों की आड़ में आम लोगों का जीना दुश्वार करने वाले लोगों को कानून का पाठ पढ़ाने की सीख उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ की सरकार से देश के अन्य राज्यों की सरकारों को भी लेनी चाहिए। दलगत राजनीति से हटकर योगी सरकार ने साबित कर दिया है कि यदि इरादे मजबूत और व्यापक जनहित से जुड़े हों तो समझाइश से भी समस्या का हल किया जा सकता है। ऐसा धार्मिक स्थलों पर कानफाड़ू लाउडस्पीकर्स को हटा कर किया गया। योगी सरकार ने साफ कर दिया है कि धार्मिक स्थलों पर लगे लाउडस्पीकर्स की तेज आवाज से होने वाला ध्वनि प्रदूषण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। लखनऊ में ध्वनि प्रदूषण रोकने के लिए विशेष अभियान चलाया। राजधानी लखनऊ में धार्मिक स्थलों पर अवैध रूप से लगे लाउड स्पीकर हटाने का अभियान के तहत वजीरगंज इलाके में पुलिस की टीम ने मस्जिदों और मंदिरों में लगे लाउडस्पीकर और स्पीकर हटवाए।

पुलिसकर्मियों ने मस्जिदों के इमामों और मंदिरों पुजारियों को समझाया कि तेज आवाज वाले लाउडस्पीकर का इस्तेमाल गैर कानूनी है, इसे उतार लें। यह कार्रवाई धार्मिक नेताओं और स्थानीय समितियों के सहयोग से शांतिपूर्ण ढंग से पूरी हुई। उत्तर प्रदेश में 1400 से ज़्यादा लाउडस्पीकर हटाए गए या उनकी आवाज़ कम की गई। ये लाउडस्पीकर धार्मिक स्थलों और सार्वजनिक जगहों पर लगे थे। यह कार्रवाई ध्वनि प्रदूषण (नियमन और नियंत्रण) नियमों के उल्लंघन की शिकायतों के बाद की गई है। कानपुर जोन में इस अभियान के तहत 8 जिलों से 382 लाउडस्पीकर हटाए गए। मेरठ जोन में 381 लाउडस्पीकर हटाए गए। इनमें से अकेले हापुड़ से 110 लाउडस्पीकर निकाले गए, जो राज्य में सबसे ज़्यादा हैं। प्रयागराज जोन में, जहाँ 7 जिले शामिल हैं, 233 लाउडस्पीकर तय शोर सीमा से ज़्यादा पाए गए। उन्हें आवाज़ को तय सीमा तक कम करने का निर्देश दिया गया, जबकि 51 लाउडस्पीकर हटा दिए गए। इस जोन में करीब 1200 लाउडस्पीकर लगे हुए हैं।

लखनऊ जोन में भी कम से कम 350 लाउडस्पीकर हटाए गए। आगरा जोन में भी करीब 150 लाउडस्पीकर हटाए गए। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि ध्वनि प्रदूषण से आम जनता को परेशानी न हो और शांति व्यवस्था बनी रहे। लाउडस्पीकर का इस्तेमाल नियमों के दायरे में ही होना चाहिए, ताकि किसी को असुविधा न हो। गौरतलब है कि योगी सरकार ने 2022 से यूपी के धार्मिक स्थलों से अवैध लाउडस्पीकर हटाने का अभियान शुरू किया था और अब तक यूपी में धार्मिक स्थलों से एक लाख से ज्यादा लाउडस्पीकर्स हटाये जा चुके हैं वहीं, डेढ़ लाख से ज्यादा लाउडस्पीकर्स की आवाज कम की जा चुकी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि धार्मिक आयोजन धार्मिक स्थल के भीतर तक ही सीमित होने चाहिए। सड़क पर किसी भी पर्व त्यौहार का आयोजन नहीं होना चाहिए,वहीं लाउडस्पीकर दोबारा न लगे यह जिम्मेदारी जिलाधिकारियों की होगी। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि किसी भी धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन धार्मिक स्थल के परिसर में ही होना चाहिए। रास्तों में इसका आयोजन नहीं होना चाहिए।

गौरतलब है कि महाराष्ट्र में लाउडस्पीकर पर हो रहे अजान को लेकर राज ठाकरे ने महाराष्ट्र सरकार को चेतावनी दी थी। इसके बाद से ही देश के कई राज्यों में लाउडस्पीकर के खिलाफ आवाज उठने लगी। शहरी ध्वनि प्रदूषण चुपचाप हमारे समय की सबसे उपेक्षित जन स्वास्थ्य समस्याओं में से एक बनकर उभरा है। ध्वनि प्रदूषण सिर्फ़ पर्यावरणीय उदासीनता नहीं है। यह संवैधानिक उपेक्षा की सीमा पर है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, शांत क्षेत्रों में सुरक्षित सीमा दिन में 50 डीबी (ए) और रात

में 40 डीबी (ए) है। फिर भी, दिल्ली और बेंगलुरु जैसे शहरों में, संवेदनशील संस्थानों के पास रीडिंग अक्सर 65 डीबी (ए)-70 डीबी (ए) तक पहुँच जाती है। शहरी ध्वनि प्रदूषण और त्यौहारों का शोर सुनने की क्षमता के लिए खतरा बन रहा है। जब 'शांत क्षेत्र' शोर का केंद्र बन जाते हैं, तो यह राज्य की क्षमता और नागरिक सम्मान पर गंभीर प्रश्न खड़े करता है। साल 2024 में सर्वोच्च न्यायालय ने पुनः पुष्टि की कि पर्यावरणीय व्यवधान - जिसमें अत्यधिक शोर भी शामिल है। अनुच्छेद 21 के तहत जीवन और सम्मान के मौलिक अधिकार का उल्लंघन कर सकते हैं। ध्वनि प्रदूषण (वी) मामले में, न्यायालय ने माना कि अनियंत्रित शहरी शोर मानसिक स्वास्थ्य और नागरिक स्वतंत्रता के लिए एक गंभीर खतरा पैदा करता है। भारत में ध्वनि प्रदूषण से होने वाली मौतों का कोई सटीक आंकड़ा उपलब्ध नहीं है, लेकिन अनुमान है कि इससे हुए इस्कीमिक हृदय रोग के कारण लगभग 12,000 मौतों और प्रति वर्ष 48,000 नए मामलों के लिए जिम्मेदार है। ध्वनि प्रदूषण से उच्च रक्तचाप, तनाव, नींद की कमी और सुनने में समस्या जैसी कई स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं, जो अप्रत्यक्ष रूप से मौतों का कारण बन सकती हैं। पर्यावरण क्षेत्र में कार्य करने वाली अर्थ फाइवआर संस्था ने 2023 में भारत में ध्वनि प्रदूषण पर एक व्यापक सर्वेक्षण में बताया गया कि आवासीय क्षेत्रों में ध्वनि प्रदूषण का शोर का स्तर 50 डीबी की सीमा से लगभग 50 प्रतिशत अधिक था। 80 डीबी वाली ध्वनि कानों पर अपना प्रतिकूल असर शुरू कर देती है। 120 डीबी की ध्वनि कान के पर्दों पर भीषण दर्द उत्पन्न कर देती है और यदि ध्वनि की तीव्रता 150 डीबी अथवा इससे अधिक हो जाए तो कान के पर्दे फट सकते हैं, जिससे व्यक्ति बहरा हो सकता है। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में खुलासा किया गया कि भारत में ध्वनि प्रदूषण की वजह से कम सुनने वालों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। इस रिपोर्ट के अनुसार, भारत 6.3 करोड़ की आबादी ऐसी है, जो सुनाई नहीं देने की समस्या से पीड़ित है। इतना ही नहीं यूनाइटेड नेशंस एनवाइयरमेंट प्रोग्राम की ओर से जारी कई गई वार्षिक 'फ्रंटियर रिपोर्ट 2022 में भारत के मुरादाबाद शहर को विश्व का दूसरे नंबर का सबसे अधिक ध्वनि प्रदूषित शहर घोषित किया गया था। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा है कि ध्वनि प्रदूषण की वजह से शारीरिक और मानसिक कल्याण पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। खासकर इन एक्टिविटीज से भारत के युवा अपनी श्रवण क्षमता यानी सुनने की क्षमता तेजी से खोते जा रहे हैं। यही हाल रहा, तो साल 2030 तक भारत में कम सुनने वालों की संख्या दोगुनी से ज्यादा यानी 13 करोड़ से ज्यादा हो जाएगी। इस रिपोर्ट में ये भी बताया गया है कि भारत में 10 में से दो लोग ही इस समस्या का इलाज करवाते हैं और श्रवण यंत्र पहनते हैं। नॉर्थ अमेरिका ब्रीडिंग बर्ड सर्वे के मुताबिक पिछले 50 वर्षों में गौरैयों की संख्या 82 प्रतिशत तक कम हो चुकी है। शहरों में बढ़ता हुआ प्रदूषण गौरैयों के जीवन के लिए सबसे बड़ा संकट है। विश्व के सभी देशों में पर्यावरण प्रदूषण एक बड़ा मुद्दा बना हुआ है। पृथ्वी पर संतुलन बनाने के लिए जीव-जंतु, पेड़-पौधें, जल और इंसानों आदि का एक संतुलित संख्या में होना बेहद जरूरी है। इन सभी के संतुलन से ही पृथ्वी पर जीवनचक्र बना रहता है लेकिन बढ़ते प्रदूषण से हम जो सांस लेते हैं, खाना खाते हैं, पानी पीते हैं, उन सभी में किसी न किसी प्रकार से प्रदूषण के कण हमारे अंदर तो आते ही हैं। इसके साथ ही पशु-पक्षियों का भी अस्तित्व संकट में है। पक्षियों को जल और वायु प्रदूषण से तो खतरा है ही इसके साथ ध्वनि प्रदूषण से उनकी प्रजनन क्षमता पर असर पड़ रहा है। जर्मनी के मैक्स प्लैंक इंस्टीट्यूट फॉर ऑर्निथोलॉजी के शोधार्थियों ने जेब्रा फिंच नाम के पक्षी पर अध्ययन किया है। इस अध्ययन के मुताबिक पक्षियों के प्रजनन की शक्ति घट रही है और उनके व्यवहार में भी परिवर्तन देखा गया है। अध्ययन में दावा किया गया है कि शोर की वजह से पक्षियों के गाने-चहचहाने पर भी फर्क पड़ता है। कंजर्वेशन फिजियोलॉजी नाम की पत्रिका में यह अध्ययन प्रकाशित भी किया गया है। भारत का कानूनी ढाँचा, कागज़ों पर तो मज़बूत है, लेकिन उसके क्रियान्वयन में बिखराव है। ध्वनि प्रदूषण नियम, 2000 को शहरी वास्तविकताओं के अनुरूप शायद ही कभी क्रियान्वित किया जाता है। नगर निकायों, यातायात पुलिस और प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों के बीच समन्वय बहुत कम है। राष्ट्रीय परिवेशी वायु गुणवत्ता मानकों के अनुरूप एक राष्ट्रीय ध्वनिक नीति की तत्काल आवश्यकता है। ऐसे ढाँचे में सभी क्षेत्रों में अनुमेय डेसिबल स्तरों को परिभाषित किया जाना चाहिए, नियमित ऑडिट अनिवार्य किए जाने चाहिए और स्थानीय शिकायत निवारण तंत्र को सशक्त बनाया जाना चाहिए। अंतर-एजेंसी तालमेल के बिना, प्रवर्तन छिटपुट और प्रतीकात्मक ही रहेगा।

हीमोग्लोबिन कैसे बढ़ाएं, क्यों होती है शरीर में इसकी कमी?

पूरे शरीर में पोषक तत्वों और ऑक्सीजन पहुंचाने के लिए हीमोग्लोबिन का सामान्य स्तर होना ज़रूरी है, इसकी कमी से कमज़ोरी सहित कई अन्य तरह की बीमारियां हो सकती हैं। सीधे शब्दों में कहें तो हीमोग्लोबिन की कमी का मतलब है शरीर में आयरन की कमी होना। इसकी अत्यधिक कमी से एनीमिया हो सकता है। इसलिए हीमोग्लोबिन का स्तर सामान्य बनाए रखना बहुत ज़रूरी है। यदि आपके शरीर में भी हीमोग्लोबिन की मात्रा कम है तो आपको कुछ खास चीज़ों को अपनी डायट में शामिल करना होगा।

हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक, हीमोग्लोबिन का स्तर बढ़ाने में कुछ खास खाद्य पदार्थ अहम भूमिका निभाते हैं, इसलिए इन्हें अपनी डेली डायट में शामिल करना बहुत ज़रूरी है।

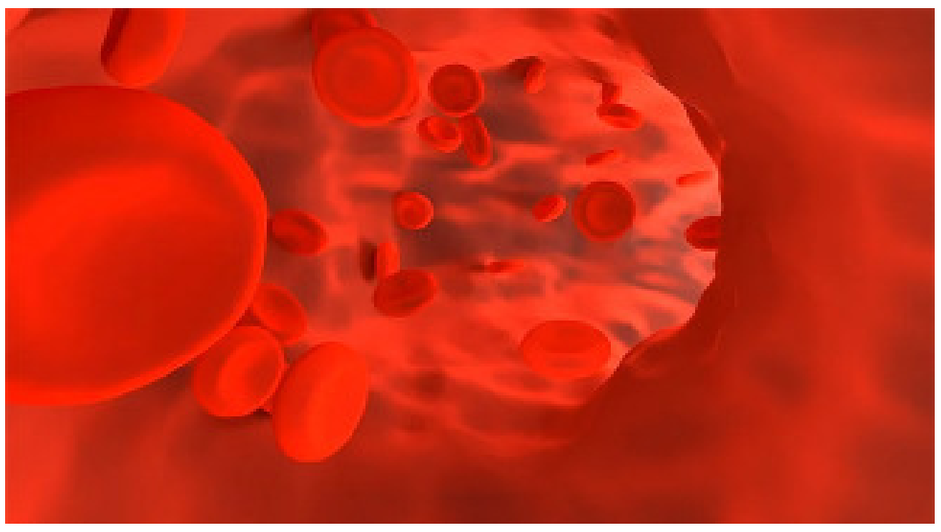

पालकः यदि आपके शरीर में भी खून की कमी है तो रोज़ाना पालक खाइए। पालक में विटामिन बी6, ए, सी आयरन, कैल्शियम और फाइबर की भरपूर मात्रा होती है, इसलिए इसके सेवन से हीमोग्लोबिन तेज़ी से बढ़ता है। पालक को आप सब्ज़ी के रूप में खा सकते हैं या इसका सूप या जूस बना सकते हैं।

अंडेः स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, अंडे में एंटीऑक्सिडेंट, प्रोटीन और आयरन की भरपूर मात्रा होती है जो खून की कमी को दूर करने में मददगार है। इसलिए रोज़ाना डायट में एक से दो उबला अंडा ज़रूर खाएं। एक अंडे में 1एमजी तक आयरन होता है। **अनारः** शरीर में खून की कमी दूर करने में अनार भी बहुत मददगार है। इसमें पोटेशियम, फाइबर, आयरन, विटामिन ए, सी और ई होता है। अनार रोजाना खाने या इसका जूस पीने से शरीर में खून की मात्रा तेज़ी से बढ़ती है। **टमाटरः** सब्ज़ी में तो आप टमाटर का इस्तेमाल करते ही होंगे, लेकिन खून बढ़ाने के लिए इसका सलाद, सूप और जूस पीना फायदेमंद होता है। इसके रोज़ाना सेवन से हीमोग्लोबिन बढ़ाने में मदद मिलती है। **बीटरूटः** यदि आप बिना दवा के तेज़ी से हीमोग्लोबिन का स्तर बढ़ाना चाहते हैं, तो बीटरूट का जूस रोजाना पीएं। इससे खून की कमी दूर होती है। **गुड़-मूंगफली/तिलः** आयरन की मात्रा बढ़ाने के लिए गुड़-मूंगफली या गुड़ के साथ सफेद तिल का सेवन भी बहुत फायदेमंद होता है। इससे तेज़ी से खून बनता है।

सेबः एनीमिया होने पर डायट में एक सेब को शामिल करना बहुत फायदेमंद होता है। रोज़ाना इसके सेवन से हीमोग्लोबिन का स्तर बढ़ता है, क्योंकि सेब पौष्टिक तत्वों से भरपूर होता है। डॉक्टर भी स्वस्थ रहने के लिए रोज़ाना एक सेब खाने की सलाह देते हैं।

अमरूदः कम ही लोगों को पता होगा कि हीमोग्लोबिन बढ़ाने में अमरूद भी मददगार है। हेल्थ एक्सपर्ट्स के अनुसार, अमरूद जितना ज़्यादा पका होगा उतना ही पौष्टिक होता है। तो रोज़ाना एक अमरूद ज़रूर खाइए।

महिलाओं में हीमोग्लोबिन की कमीः वैसे तो खून यानी हीमोग्लोबिन की कमी किसी को भी हो सकती है, लेकिन हेल्थ एक्सपर्ट्स के अनुसार, आमतौर पर महिलाओं में इसकी कमी अधिक देखी गई है।

इसके कारणों में शामिल हैं - प्रेगनेंसी - डायट में आयरन की कमी - प्रेगनेंसी या पीरियड के दौरान बहुत अधिक ब्लीडिंग - विटामिन, कैल्शियम आदि की कमी - पौष्टिक आहार न लेना आदि।

महंगे प्रोडक्ट्स को कहें बाय, चावल और फिटकरी का ये नुस्खा देगा इंस्टेंट ग्लो

बदलते मौसम का असर हमारी स्किन पर भी दिखने लगता है। प्रदूषण, पसीना, सूरज की हानिकारण किरणें और अन्य कारणों से स्किन पर जलन, रैशेज, पिग्मेंटेशन और टैनिंग की समस्या होती है, जिस कारण स्किन डल लगने लगती है। त्वचा से जुड़ी समस्याओं से राहत पाने और हेल्दी स्किन के लिए लोग महंगे-महंगे स्किन केयर प्रोडक्ट्स का उपयोग करते हैं। लेकिन इसके बाद भी त्वचा से जुड़ी समस्याओं से राहत नहीं मिलती है। वहीं कुछ लोग स्किन को हेल्दी रखने के लिए घरेलू नुस्खों पर भरोसा करते हैं। स्किन के लिए चावल और फिटकरी का इस्तेमाल काफी फायदेमंद माना जाता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको चावल के पानी और फिटकरी का फेस मास्क उपयोग के बारे में और इसके फायदे के बारे में बताने जा रहे हैं। **चावल का पानी और फिटकरी के फायदेः** बता दें कि फिटकरी एक नेचुरल एस्ट्रिंजेंट है, जो त्वचा में कसाव लाता है और खुले पोर्स को छोटा करता है। वहीं चावल का पानी त्वचा में नमी और पोषण जोड़ने में सहायता करता है। फिटकरी में एंटी बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं, जो एक्ने पैदा करने वाले बैक्टीरिया को खत्म करता है। चावल का पानी त्वचा की जलन को शांत करने में सहायता करता है। चावल के पानी में विटामिन बी3 पाया जाता है, यह स्किन की रंगत को निखारता है। वहीं फिटकरी स्किन के दाग-धब्बों को हल्का करने के साथ स्किन की सफाई करने में मदद करता है। फिटकरी स्किन को टोन करने के साथ झुर्रियों को कम करने का काम करती है। वहीं चावल का पानी स्किन सेल्स को रिपेयर करता है। गर्मी के मौसम में चावल का पानी त्वचा को ठंडक देने और टैनिंग को कम करता है। फिटकरी स्किन से टॉक्सिक पदार्थों को बाहर निकालते हैं। चावल का पानी और फिटकरी का मिश्रण लगाने से त्वचा की गहराई से सफाई होती है। स्किन के पीएच संतुलन को बनाए रखने के साथ त्वचा पर मौजूद एक्सट्रा ऑयल को कम करता है। चावल के पानी और फिटकरी का नियमित तौर पर इस्तेमाल करने से स्किन में कसाव आता है। इससे आपकी त्वचा ज्यादा हेल्दी दिखती है। **ऐसे करें इस्तेमालः** हेल्दी स्किन पाने और स्किन संबंधी समस्याओं को दूर करने के लिए आप चावल के पानी और फिटकरी के इस्तेमाल से फेस मास्क बनाकर अपनी स्किन पर लगा सकते हैं। इस फेस मास्क को बनाने के लिए 1/2 कप चावल का पानी, 1/4 छोटा चम्मच फिटकरी और इसमें 2-3 बूंद गुलाबजल या फिर टी ट्री ऑयल मिल सकती हैं। इन सभी सामग्रियों को अच्छे से मिला लें। सबसे पहले अपने चेहरे को साफ करें और मास्क को अपने फेस पर लगाएं। फिर 20 मिनट बाद चेहरे को हल्के ठंडे पानी से धो लें। आप सप्ताह में 2 से 3 बार इस फेस मास्क का उपयोग कर सकते हैं।

घर में ऐसे बनाएं किचन गार्डन उगाएं केमिकल मुक्त सब्जियां

घर में उगाई सब्ज़ियां न सिर्फ ताज़ा होती हैं, बल्कि हर तरह के केमिकल से मुक्त होने के कारण हेल्दी भी होती हैं। यदि आपके पास भी बालकनी या छत पर जगह है तो आप अपना किचन गार्डन तैयार कर सकते हैं। बस आपको कुछ बातों का ध्यान रखना होगा और आपका परफेक्ट किचन गार्डन तैयार हो जाएगा। **कौन-सी सब्ज़ियां उगा सकते हैं?ः** विशेषज्ञों के मुताबिक, किचन गार्डन में पालक, मेथी, गोभी, पत्ता गोभी, टमाटर, बैंगन, शिमला मिर्च, लहसुन, धनिया पत्ती, सलाद का पत्ता, तोरी, लौकी, कद्दू, करेला, गाजर, मूली, भिंडी, आदि सब्जियां आसानी से उगा सकते हैं। गमला थोड़ा बड़ा ही लें ताकि पौधों को सही पोषण मिल सके और उसमें पानी निकलने की उचित व्यवस्था होनी चाहिए। **ऐसे तैयार करें मिट्टीः** जब आपने एक बार गार्डन बनाने के लिए जगह और गमलों का चुनाव कर लिया है तो अब बारी आती है मिट्टी तैयार करने की। जिस गमले में पौधा लगाना है या बीज डालना है उसमें मिट्टी डालें और पानी डालकर 1-2 दिन के लिए छोड़ दें। फिर मिट्टी को खोदकर एक समान कर लें और इसमें गोबर, चायपत्ती, सूखी पत्तियों की ऑर्गेनिक खाद मिलाकर फिर से पानी डालें। हफ्ते भर बाद मिट्टीमें थोड़ा सा पानी छिड़कर

सब्ज़ियों के बीच या पौधे लगाएं। बेहतर होगा कि इन गमलों को ऐसी जगह पर रखें जहां धूप आती हो। **शुरुआती गार्डनिंग के लिए बेस्ट हैं ये पौधेंः** एक्सपर्ट्स के मुताबिक, यदि आप पहली बार किचन गार्डन बनाने जा रहे हैं तो आसानी से उगने वाली सब्ज़ियां ही लगाएं, जैसे पुदीना, धनिया, लहसुन, हरी मिर्च, पालक, चौलाई, मेथी, करी पत्ता, तुलसी, हरी मिर्च आदि। इन पौधों को खास देखभाल की ज़रूरत नहीं होती है और यह आसानी से उग जाते हैं, इसके लिए आपको बहुत अधिक जानकारी जुटाने के भी ज़रूरत नहीं पड़ती है। **पोषण के लिए ज़रूरी है खादः** जैसे शरीर के सही विकास के लिए उसे भोजन के ज़रिए पोषण मिलता है, उसी तरह पौधों के सही विकास के लिए नियमित खाद डालना ज़रूरी है, क्योंकि यही पौधों को पोषण देते हैं। हर 15 दिन पर अपने किचन गार्डन में ऑर्गेनिक खाद डालें। इसके लिए आप सब्ज़ियों के छिलके, चाय पत्ती आदि का खाद के रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं। **सही देखभाल से ही होगा पौधों का विकासः** ऐसा नहीं है कि गमले में बीज डाल दिया और बस आपका काम खत्म। अच्छा किचन गार्डन तैयार करने के लिए आपको नियमति रूप से इसकी देखबाल करनी होगी। ज़रूरत के अनुसार ही पानी डालें, समय-समय पर मिट्टी को खोदते रहें। गमले में पानी डालते वक्त भी सावधानी बरतें, क्योंकि बीज जब तक पौधे नहीं बन जाते बहुत ज़ोर या झटके से पानी न डालें, एकदम छोटे पौधों में भी झटके से पानी डालने पर पौधे मर सकते हैं, इसलिए या दो स्प्रे बोतल से पानी स्प्रे करें या किनारों से धीरे-धीरे थोड़ा पानी डालें।

व्यस्त रहें, ताकि बनी रहे जिंदगी में जिंदादिली

अपने काम में व्यस्तता जीवन में आगे बढ़ने के लिये ही जरूरी नहीं है, बल्कि यह हमें चिंता, शारीरिक और मानसिक बीमारियों से भी दूर रखती है। कोई भी मानवीय मस्तिष्क, चाहे वह कितना ही प्रतिभाशाली क्यों न हो, एक समय में एक से ज्यादा चीजों के बारे में नहीं सोच सकता। जब आप काम करने में व्यस्त हैं तो चिंता दिमाग में घर कर ही नहीं सकती। विंस्टन चर्चिल युद्ध के समय लगभग 18 घंटे काम किया करते थे। जब उनसे पूछा गया कि इतनी जिम्मेदारियों को लेकर वे चिंतित नहीं होते, तो उनका जवाब था, मैं बहुत व्यस्त हूं। मेरे पास चिंता करने की फुरसत नहीं है। जब हम व्यस्त नहीं होते, तो हमारा दिमाग लगभग वैक्यूम की स्थिति में आ जाता है और प्रकृति उसको भरने लगती है। व्यस्त रहने की प्रक्रिया उस समय भी जारी रहनी चाहिए, जब व्यक्ति दिनभर का काम खत्म करके फ्री हो जाता है। यही वह समय होता है जब व्यक्ति चिंता के साथ ही तनाव व नकारात्मक भावों से घिरता है। ऐसे समय मूर्खतापूर्ण संभावनाएं निकलकर सामने आती हैं, जो व्यक्ति के लिए बेहद घातक सिद्ध होती हैं। व्यस्त रखने की प्रक्रिया युद्ध के दौरान भी की जाती रही है। जब सैनिक युद्ध के मैदान से बुरी तरह दहलकर आते थे तो वे न्यूरॉटिक हो जाते थे। ऐसे समय डॉक्टर उनके इलाज के लिए उन्हें व्यस्त रहें की दवा देते थे। सैनिकों को व्यस्त रखने के लिए अन्य गतिविधियों में लगा दिया जाता था। इनमें मछली पकड़ना, शिकार करना, फुटबाल खेलना, योग करना, गोल्फ खेलना, तस्वीरें लेना, बागवानी और डांस आदि शामिल था। शोध करने वाले वैज्ञानिक और अन्य रचनात्मक कार्यों में लगे रहने वाले व्यक्ति न सिर्फ आम व्यक्तियों के मुकाबले अधिक समय तक जीवित रहते हैं, बल्कि उन्हें नर्वस ब्रेकडाउन और हार्ट अटैक की समस्या भी शायद ही होती हो।

महान वैज्ञानिक पाश्चर का कहना था कि, पुस्तकालयों और प्रयोगशालाओं में शांति इसलिए पाई जाती है, क्योंकि वहां पर लोग आमतौर पर अपने काम में डूबे रहते हैं। उनके पास खुद के बारे में चिंता करने का वक्त नहीं होता। जो व्यक्ति कम काम करते हैं और खाली रहकर अपना टाइम पास करते हैं, उनके दिमाग में खुराफाती योजनाएं घर करने लगती हैं। खाली दिमाग में भावनाओं का रोपण होता है। खाली दिमाग में नकारात्मक और ईर्ष्यालु भावनाओं का रोपण आसानी हो जाता है। ये भाव और विचार व्यक्ति को बीमार और मरणासन्न कर देते हैं। मनोचिकित्सा में व्यक्ति को काम में लगाकर ठीक करने की प्रक्रिया को आक्युपेशनल थैरेपी कहते हैं। प्राचीन काल से ही प्रक्रिया को शारीरिक, मानसिक रोगियों को ठीक करने में किया जाता था। क्वेक्र्स इसका प्रयोग फिलोडल्फिया में बेन फ्रैंकलिन के समय से कर रहे थे। एक बार एक व्यक्ति ने 1774 में क्वेकर सेनिटेरियम की यात्रा की और वह यह देखकर स्तब्ध रह गया कि वहां पर मानसिक रूप से बीमार व्यक्ति सूत कात रहे थे। जब क्वेक्र्स ने यह बताया कि मरीजों के काम करते समय उनके स्वास्थ्य में आश्चर्यजनक रूप से सुधार आता है, तो वह व्यक्ति दंग रह गया। आज आधुनिक समय में तो यह प्रणाली अत्यंत कारगर है। मनोचिकित्सक कहते हैं कि, व्यस्त रहना-बीमार मन के लिए अच्छी औषधि है।जॉर्ज बर्नार्ड शॉ कहते हैं कि, दुखी होने का रहस्य यह है कि आपके पास यह चिंता करने की फुरसत है। अपने दुखों के बारे में सोचने का झंझट ही न पालें। अपने हाथों को आपस में रगड़ें, कमर कसें और व्यस्त हो जाएं। ऐसा करने से आपका रक्त संचार तेजी से प्रवाहित होने लगेगा, दिमाग तेजी से काम करेगा। सफल होकर जीवन को कामयाब बनाने का केवल एक ही तरीका है कि व्यस्त रहकर काम करें और मस्ती से आराम करें।

भूलने की बीमारी से पाएं छुटकारा! दिमाग को तेज करेंगी ये 3 असरदार एक्सरसाइज

सेहत के लिए हेल्दी डाइट लेने के साथ ही नियमित रुप से एक्सराइज करना भी बेहद जरुरी होता है। यह हमारे शरीर को हेल्दी और मजबूत भी बनाता है। इसके साथ ही आपका दिमाग भी दुरुस्त रहता है। हाल ही एक शोध से पता चला है बड़े होने के बाद भी इंसान का दिमाग नए ब्रेन सेल्स बना सकता है। इसको हिप्पोकैम्पल न्यूरोजेनेसिस कहा जाता है। यह साफ तौर पर दर्शाता है कि नियमित एक्सरसाइज करने से दिमाग में नए न्यूरॉन्स बनते हैं। इसके कारण याददाश्त मजबूत होती है, सोचने-समझने की शक्ति बढ़ती है और मूड भी बेहतर होता है। आइए जानते हैं कि हाल की स्टडीज इस बारे में क्या बताती हैं। **हिप्पोकैम्पस क्या है?ः** साइंस डायरेक्ट जर्नल में छपी एक स्टडी से पता चला है कि हिप्पोकैम्प दिमाग का वो हिस्सा होता है, जो सीखने, याद रखने, भावनाओं को कंट्रोल करने और दिशा पहचानने में सहायक होती है। रिसर्च में यह भी पता चला है कि जब हम फिजिकल एक्टिविटी करते हैं, तो इस हिस्से में नए ब्रेन सेल्स बनने लगते हैं, लेकिन हर एक्सरसाइज का असर एक जैसा नहीं है। यह निर्भर करता है कि आप कौन-सी एक्सरसाइज करें और कितनी देर के लिए करें। **ड्यूल टास्क वॉकिंगः** यह वॉकिंग का एक अनोखा तरीका है, जिसमें चलने के साथ-साथ दिमाग को भी सक्रिय रखा जाता है। इसमें आप चलते हुए उलटी गिनती बोल सकते हैं, किसी खास अक्षर से शब्द सोच सकते हैं या टेबल दोहरा सकते हैं। रिसर्च में पाया गया है कि जो लोग वॉक करते समय मानसिक गतिविधियाँ भी करते हैं, उनकी याददाश्त और ध्यान क्षमता सिर्फ सामान्य वॉक करने वालों की तुलना में कहीं अधिक तेजी से बढ़ती है। **रेजिस्टेंस ट्रेनिंगः** इस एक्सरसाइज में शरीर पर थोड़ा भार डालकर की जाती है। जैसा कि- डंबल उठाना, रबर बैंड से स्ट्रेचिंग करना या पुशअप्स लगाना। शोध के अनुसार, रेजिस्टेंस ट्रेनिंग से शरीर में ऐसे प्रोटीन और हार्मोन बनते है, जो दिमागी सेल्स की सुरक्षा करते हैं। जिससे आपका दिमाग हेल्दी और एक्टिव रहता है। **लेग एक्सरसाइजः** शरीर की सबसे बड़ी मांसपेशियां पैर की होती है। आप जब चलते हैं, या फिर साइकिल चलाते हैं या सीढ़िया चढ़ते हैं, तो शरीर में ब्लड सर्कुलेशन तेजी से बढ़ता है, जिससे दिमाग में ज्यादा ऑक्सीजन और पोषक तत्व मिलते हैं। रिसर्च के अनुसार, अगर आप रोजाना नियमित रुप से लेग एक्सरसाइज करेंगे तो उनके सोचने की क्षमता और याददाश्त बेहतर रहती है, खासतौरप पर जब आपकी उम्र बढ़ रही हो। **कैसे एक्सरसाइज दिमाग को मजबूत बनाती है?ः** आपको बता दे कि, नियमित रुप से एक्सरसाइज करने से शरीर में प्रोटीन बढ़ता है, जो दिमाग की नई कोशिकाओं को बढ़ने में मदद करता है। वहीं, ब्लड फ्लो बढ़ने से दिमाग को ज्यादा ऑक्सीजन और ग्लूकोज मिलता है, जिससे नई कोशिकाएं लंबे समय तक जिंदा रहती हैं। रोजाना एक्सरसाइज करने से भी तनाव कम होता है। अगर आप थोड़ी-थोड़ी एक्सरसाइज करेंगे तो आप दिमाग भी फिट रहेगा। जब भी आप वॉक या फिर एक्सरसाइज करें, तो समझ जाएं कि केवल मसल्स नहीं, बल्कि नए ब्रेन सेल्स भी बन रहे हैं।

जिनसे प्यार उनसे ही तकरार क्यों ?

उपनिषद का अर्थ है समीप बैठनाः मन को अहम से ब्रह्म के समीप ले जाना, परिमित को अनंत के समीप लाना, सीमित को असीम का बोध होना, ज्ञात को अज्ञात का बोध होना। यह हजारों साल पहले हुए गुरु और शिष्य के बीच के संवाद हैं। इसका शाब्दिक अर्थ है कि शिष्य अपने ब्रह्मज्ञानी गुरु के पास बैठ कर कदम दर कदम ब्रह्मज्ञान के समीप पहुँचना सीखते थे। उपनिषद शान्ति मंत्र के साथ शुरू होता है।

लोग एक दूसरे के समीप तभी आ सकते हैं जहाँ शान्ति हो। जहाँ संशय और अविश्वास होता है वहाँ एक दूसरे के बगल में बैठने के बावजूद लोगों के मन में अलगाव रहता है। अब हमारी समझ, सोच, और भावनाओं में अलगाव हो तब कोई संभाषण या विनिमय नहीं हो सकता है। तो पहली आवश्यकता शांति है। शांति के तीन प्रकार होते हैं; एक भौतिक शांति है- जब वातावरण शांतिपूर्ण हो। दूसरा जब विचारों और भावनाओं के स्तर पर शांति रहे। और तीसरा अन्तर्मन की शांति है।

इसलिए हर उपनिषद की शुरुआत शान्ति प्रार्थना के साथ होती है- ॐ सह नाववतु। सह नौ भुनक्तु। सहवीर्यं करवावहै। तेजस्वि नावधीतमस्तु। मा विद्विषावहै। ॐ शान्तिः शान्तिः शान्तिः।। परमात्मा हमें दोनों की रक्षा करे, हम एक साथ अपनी क्षमता का विकास करें। हम तेजस्वी और दीप्तिमान बनें। हम एक दूसरे से द्वेष नहीं करें।वास्तव में हमारी प्रगति को रोकने वाला हमारा द्वेष भाव है। भगवान बुद्ध के बारे में एक कहानी है कि वह किसी भी नए शिष्य से सबसे पहले कहते थे कि वे किसी से भी द्वेष नहीं करें और दया करके सबको क्षमा कर दें। एक सज्जन बुद्ध के संघ में शामिल होने के लिए आये और कहा कि आप जो भी कहो वह देने को तैयार हूँ, मैं दुनिया के लिए अपना पूरा जीवन दे सकता हूँ, लेकिन मैं बस दो लोगों से प्यार नहीं कर सकता हूँ; मैं उन्हें नफरत करता हूँ।

बुद्ध सरलतापूर्वक मुस्कुराये और कहा,मैं नहीं चाहता कि तुम पूरी दुनिया को प्यार करो, लेकिन क्या तुम केवल इन दो लोगों के लिए दया रख सकते हो?' आप जिस किसी से भी घृणा करते हो वह आपके मन में एक बहुत बड़ा अवरोध बन जाता है। प्रायः आप उन व्यक्तियों से घृणा करने लगते हैं जिनसे आप बहुत प्यार करते हैं। आपको व्यक्ति से प्यार होता है और प्यार समाप्त हो जाता है क्योंकि आपका प्यार केवल उनसे कुछ पाने में लगा हुआ रहता है। और जैसे ही वह मिलना बंद हो जाता है वैसी ही आप उनसे द्वेष करने लगते हो। इसी कारण से कुछ लोग उन्हीं को मारते हैं जिनसे वे प्यार करते हैं क्योंकि उनकी पीड़ा और घृणा का दर्द उनके प्रेम से ज्यादा है। यानि जब तक द्वेष भावना आपके सामने एक बाधा के रूप में खड़ी है तब तक आप परमात्मा के समीप नहीं जा सकते। गुरु क्यों कहते हैं कि हम किसी से भी घृणा नहीं करें? क्योंकि शिष्य को यह समझ में नहीं आ पाता कि एक ऐसी अवस्था भी हो सकती है जिसमें द्वेष का कोई अस्तित्व ही नहीं है। जो हर समय एक रेगिस्तान में रहा है, उसके लिये उत्तरी ध्रुव के इग्लू की कल्पना करना मुश्किल है। द्वेष हमसे ही शुरू होती है। हम स्वयं को प्यार नहीं करते, और फिर किसी तरह हम अपने से नफरत शुरू कर देते हैं और फिर हम सबसे नफरत शुरू कर देते हैं। इसलिए उपनिषद कहते हैं कि द्वेष को छोड़ दो क्योंकि द्वेष हमें खराब कर रही है और मार रही है। किसी के आने से आप में घृणा की ज्वाला जलने लगती है, पर वे व्यक्ति तो खुश हैं और आनंद उठा रहे हैं, लेकिन आप ही अन्दर ही अन्दर कुढ़ रहे हैं।अपने अन्दर द्वेष को पालना, पोषित करना, और न्यायोचित ठहराना निरा मूर्खता है। मन में जब घृणा होती है तब आप चीजों का वास्तविक रूप नहीं देख पाते। आप अपने रवैये को, गुस्से को और अपनी भावनाओं को सही ठहराते हैं। बाह्य शांति हो सकती है और आप बहुत चुपचाप दिख सकते हैं लेकिन यदि आपका मन घृणा से उबल रहा है तब सच्ची शांति नहीं हो सकती है। जब तक आप के पास चलने के लिए एक आध्यात्मिक पथ नहीं रहता तब तक आत्मा बेचैन रहती है। अपने अन्दर आत्मविश्वास रखिये जो कहे,'मैं ठीक ट्रेन में हूं, और यह ट्रेन मुझे अपने गंतव्य तक ले जायेगी।' ट्रेन में चढ़ने के बाद अपने सामान को सर पर ढोकर एक कोच से दूसरे कोच के बीच भागदौड़ करने का कोई औचित्य नहीं है। ऐसा करने से आप और जल्दी नहीं पहुँच सकते हैं। इस प्रकार की भीतरी बेचैनी आपको मार देती है। तभी गुरु कहते हैं।

अगर आप दिन में सोते हैं तो...

वैसे नींद तो हर इंसान के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। सोने से सिर्फ हमारे थके हुए शरीर को आराम ही नहीं मिलता बल्कि हमारी एनर्जी भी बढ़ती है। लेकिन अगर आप दिन में किसी भी समय चद्दर तान कर सो जाते हैं तो इसका आपके स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ सकता है। धर्म शास्त्रों के अनुसार किसी भी व्यक्ति को दिन में नहीं सोना चाहिए। शास्त्रो में लिखा है 'दिवास्वापं च वर्जयेत्' जिसका मतलब है दिन में सोना उचित नहीं है। हालांकि हमारे

घरों में लोग इस नियम को फॉलो नहीं करते। लेकिन अगर इसको फॉलो करें तो इसके दूरगामी परिणामों से लाभान्वित हो सकते हैं।दिन में सोने की आदत ज्यादातर घरों में रहने वाली महिलाओं की होती है जो दिन में फटा-फट अपना काम खत्म करके सोने चली जाती हैं, साथ ही वे पुरुष भी दिन में सोते हैं जिनकी नाइट शिफ्ट होती है।इस तरह दिन में सोने से मनुष्य के स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव पड़ता है। यह बात सिर्फ शास्त्र ही नहीं कहते, बल्कि आर्युर्वेद में भी दिन में सोने की मनाही है। यह इसलिए क्योंकि दिन में सोने से शरीर के भीतर कई बीमारियां अनायास ही जन्म ले लेती हैं।आयुर्वेद के अनुसार जो लोग दिन में सोते हैं उन्हें दिन में ना सोने वाले लोगों के मुकाबले जुकाम जल्दी होता है।

मुंह से आने वाली बदबू को न करें नजरअंदाज, छुटकारा पाने के लिए अपनाएं यह घरेलू नुस्खे

शरीर में पानी की कमी होने से कई तरह की तकलीफ हो सकती है। कम पानी का सेवन करने से सांसों की समस्या, पेट की संबंधित समस्या जैसे पाचन शक्ति कमजोर होना शामिल है। एक सुंदर चेहरे के साथ चमकदार दांत होना भी खास है लेकिन अगर सांसों से बदबू आए तो कोई आपके साथ बैठना तो दूर, बात करना तक पसंद नहीं करना चाहेगा। केवल सामाजिक व्यवहार के लिए ही नहीं बल्कि सेहतमंद रहने के लिए भी अपने मुंह से आने वाली दुर्गंध यानी बदबू दूर करना जरूरी है। वहीं, अगर आपके साथ भी कुछ ऐसी समस्या हो रही है या फिर इस तरह के लक्षण है तो ऐसे में जरूरी है कि आप घरेलू उपायों को अपना लें। आज हम आपको मुंह से दुर्गंध आने के लक्षण, दुर्गंध आने के कारण और मुंह से दुर्गंध हटाने के घरेलू उपाय बताने जा रहे है, आइए जानते हैं...**- बार-बार मुंह में छाले की समस्या दुर्गंध आने की वजहः** मुंह से दुर्गंध आने के कई कारण हो सकते है, जिनमें ओरल इन्फेक्शन,

फास्ट फूड के अधिक सेवन, मुंह का सुखापन या फिर किसी भी तरह के नशा करना शामिल है। **खूब पानी पीएंः** शरीर में पानी की कमी होने से कई तरह की तकलीफ हो सकती है। कम पानी का सेवन करने से सांसों की समस्या, पेट की संबंधित समस्या जैसे पाचन शक्ति कमजोर होना शामिल है। जब सही तौर पर खाना नहीं पचता है तो सांस में बदबू आती है। ऐसे में जरूरी है कि आप खाना खाने के बाद टहलें और ज्यादा से ज्यादा पानी भी पीएं। **नीम के दातून का इस्तेमालः** नीम का पेड़ पर्यावरण को शुद्ध करने में मदद करता है। इसका उपयोग दवा बनाने में भी किया। वहीं, नीम का दातून यानी नीम की डंडी से अपने दांतों को मजबूत बनाए रखा जा सकता है। इसके अलावा नीम का दातून सांसों से आने वाली बदबू की समस्या को भी दूर करता है। इसलिए रोजाना दिन में दो बार नीम के दातून से अपने दांतों को जरूर साफ करें। **पुदीना दूर करेगा दुर्गंधः** आप अपने मुंह से आने वाली दुर्गंध की समस्या से परेशान हैं तो ऐसे में पुदीना चबाना काफी मददगार साबित हो सकता है। इसे अपनाने से आपके मुंह से बदबू आनी बंद हो जाएगी। **खाने के बाद सौंफः** मुंह से बदबू आने कारण कई बार हमारे द्वारा सेवन किया गया भोजन भी हो सकता है। लहसुन, प्याज, मांस-मछली का सेवन करने पर भी ये समस्या होना आम बात है। ऐसे में जरूरी है कि आप खाना खाने के बाद सौंफ जरूर खाएं। इसका सेवन करने पर आपकी सांसों से दुर्गंध नहीं आएगी। **सही ढंग से करें ब्रशः** सही तौर पर ब्रश करने की बात आप अपने घर में बच्चों को सीखाते होंगे, लेकिन हम में से भी कुछ ऐसे लोग होते हैं जो गलत तरह से ब्रश करते हैं। बता दें कि सही ढंग से ब्रश करने का मतलब ये होता है कि आपको अपने दांतों को कुछ समय तक अच्छे से ब्रश को घुमाना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली: विवाह भवन से आभूषण कीमती सामान चुराने के आरोप में व्यक्ति गिरफ्तार

नई दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली में एक विवाह भवन से नकदी, आभूषण और कीमती सामान चुराने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, 16 नवंबर को एक विवाह भवन से शिकायत मिली थी कि नकदी, मोबाइल फोन और शगुन के लिफाफे वाला एक बैग गुम हो गया है। आरोपी रोहित सैनी उर्फ पप्पन को बुधवार को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस की एक टीम ने घटना स्थल और आस-पास के इलाकों की सीसीटीवी फुटेज खंगाली तो पता चला कि आरोपी छतरपुर और महरौली में आना-जाना कर रहा है। पुलिस ने बताया कि सैनी को छापेमारी के दौरान पकड़ा गया और उसके पास से चोरी के दो मोबाइल फोन, 24,500 रुपये नकद और शगुन के 14 लिफाफे बरामद किए गए।

राजस्थान: जैसलमेर के सीमावर्ती इलाके में वायुसेना का टूटा हुआ ड्रोन मिला

जयपुर। राजस्थान के जैसलमेर जिले के रामगढ़ सीमावर्ती इलाके में भारतीय वायुसेना का टूटा हुआ ड्रोन पड़ा हुआ मिला। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। रामगढ़ थाने के सहायक उपनिरीक्षक प्रेम शंकर ने बताया कि यह ड्रोन चक नंबर तीन, सत्तार माइनर के एक खेत में मिला। उन्होंने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची व मामले की जांच शुरू की हालांकि बाद में भारतीय वायुसेना के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और ड्रोन को अपने कब्जे में ले लिया।

जगन मोहन रेड्डी हैदराबाद में सीबीआई अदालत में पेश

नई दिल्ली। आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री वाई एस जगनमोहन रेड्डी करीब छह साल बाद कथित अवैध लेन-देन संबंधी मामले की जांच के सिलसिले में बृहस्पतिवार को सीबीआई की विशेष अदालत में पेश हुये। वाईएसआर कांग्रेस अध्यक्ष के खिलाफ़मुकदमा लंबित है, जिसमें कथित अवैध लेन -देन मामले में वह मुख्य आरोपी हैं। जगन के खिलाफ 11 आरोप पत्र दायर हैं। ये मामले अलग-अलग कंपनियों द्वारा उनकी फर्मों में किए गए निवेश से जुड़े हैं, जो उनके पिता स्वर्गीय वाई एस राजशेखर रेड्डी के 2004 से 2009 के बीच अविभाजित आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री रहने के दौरान उन्हें दिए गए अलग-अलग फायदों के बदले में किए गए थे।

परिषदीय खेलकूद प्रतियोगिता में ओवरऑल चैम्पियन हरचंदपुर, सतांव रहा उपविजेता

रायबरेली। शहर के पुलिस लाइन मैदान में चल रही बेसिक शिक्षा विभाग की दो दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता का गुरुवार को समापन हुआ। समापन समारोह की मुख्य अतिथि सीडीओ अंजूलता व विशिष्ट अतिथि एडी बेसिक श्याम किशोर तिवारी व प्रभारी डीआईओएस रत्नेश श्रीवास्तव रहे। प्रतियोगिता में ओवरऑल चैम्पियन हरचंदपुर व उपविजेता सतांव रहा। व्यक्तिगत चैंपियनशिप में प्राथमिक स्तर बालक में शुभम व बालिका में कीर्ति यादव रहीं। जूनियर बालक वर्ग में शिवम व बालिका में नैंसी ने चैंपियनशिप जीती। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सीडीओ ने कहा कि बेसिक शिक्षा विभाग में गांवों में पढ़ने वाले बच्चे की गांव की पंगड़डी पर दौड़कर सीखते हैं और यहां जिले स्तर पर बेहतरीन ट्रैक पर बैठकर अपना हुनर दिखाते हैं। उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता में जीते हुए सभी बच्चे आगे चलकर मंडल, राज्य स्तर फिर नेशनल स्तर पर प्रतिभाग करके अपने गांव, ब्लॉक व जिले का नाम रोशन करेंगे। एडी बेसिक श्याम किशोर तिवारी ने कहा कि प्रतियोगिता में जीतना और हारना एक खेल का हिस्सा है। यहां तक पहुंचने वाले सभी बच्चों में कोई न कोई विशेष प्रतिभा है। उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता में विजयी न होने वाले खिलाड़ी आगे भी बेहतर करेंगे। बीएसए राहुल सिंह ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि जीते हुए बच्चे अब मंडल स्तर पर प्रतिभाग करेंगे। पुलिस लाइन ग्राउण्ड में चल रही प्रतियोगिता में दूसरे दिन जूनियर व प्राथमिक स्तर की एकल प्रतियोगिताओं के साथ ही साथ योगाभ्यास, विशेष पीटी प्रदर्शन, एकांकी, समूह गान, लोकगीत व लोकनृत्य व अत्याक्षरी की प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। प्रतियोगिताओं में क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय में एकांकी में बछरावां, नगर व डीह, लोकगीत/लोकनृत्य में जगतपुर, बछरावां, नगरक्षेत्र, समूहगान में जगतपुर , बछरावां, नगरक्षेत्र, योगाभ्यास में महराजगंज, सतांव, अमावां की टीम रही। इसके अलावा अत्याक्षरी में बछरावां प्रथम, नगर क्षेत्र दूसरे और राही तीसरे स्थान पर रहा। जूनियर स्तर की एकल प्रतियोगिताओं बालक व बालिका वर्ग में क्रमशः गोला फेंक में प्रांजल व रोजनीन पहले, हिमांशु व सोनम दूसरे और तीसरे पर अमरेंद्र व प्रांशी रहे। लम्बी कूद में प्रांजल मौर्य व सीता राजपूत पहले, पवन व मोहिन्नी दूसरे, हिमांशु व लक्ष्मी तीसरे स्थान पर रही। चक्रक्षेपण में हिमांशु व नैंसी पहले, विमलेश व तमन्ना दूसरे, रबी व प्रान्सी तीसरे स्थान पर रही। 100 की दौड़ बालक व बालिका में क्रमशः शिवम पहले, मनीष दूसरे व खुशहाल तीसरे स्थान रहीं। 200 मीटर दौड़ में शिवम व ऊषा पहले, अनिल व रोशनी दूसरे, शुभम यादव व सीता राजपूत तीसरे स्थान पर रही। 400 मीटर में शिवम व नैंसी पहले, अमन व ऊषा दूसरे, अमन व महिमा तीसरे स्थान पर रही। 600 मीटर दौड़ में अमन व नैंसी पहले, विकास कश्यप व खुशबू दूसरे, सत्यम व आंचल यादव तीसरे स्थान पर रही। खो-खो बालक व बालिका में हरचंदपुर पहले, रोहनिया बालक व सतांव बालिका वर्ग में दूसरे स्थान पर रही। प्राथमिक स्तर की हुई एकल प्रतियोगिता में 50 मीटर की दौड़ में बालक व बालिका में क्रमशः प्रांशू व शालिनी पहले, अभिषेक व कीर्ति यादव दूसरे, अनुज व शिफा तीसरे स्थान पर रही। 100 मीटर में शमशाद अली व कीर्ति यादव पहले, हर्ष व नैंसी दूसरे, अभिषेक व संध्या तीसरे, 200 मीटर में शुभम व नैंसी पहले, अनुज व कीर्ति यादव दूसरे, अभिषेक व सेजल तीसरे स्थान पर रही। 400 मीटर में शुभम व सेजल पहले, सनी व राजरानी दूसरे, रौनक व सेजल तीसरे पर रही। इस मौके पर बीईओ राही बृजलाल वर्मा, डॉ. सत्यप्रकाश यादव, वीरेंद्र द्विवेदी, धर्मप्रकाश, सत्य प्रकाश सिंह, सुरेंद्र सिंह, सुधा वर्मा, अश्वनी गुप्ता, ऋचा सिंह, राजीव ओझा, शिक्षक संघ से राघवेंद्र यादव, पन्नालाल, बीरेंद्र सिंह, मधुकर सिंह, संजय सिंह, चंद्रमणि, पंकज, महेंद्र यादव, अजय सिंह चंदेल, अंजली सिंह पटेल, अंशिका सिंह, नवनीत वर्मा, मो. अनीस, सुनील यादव, शिवम राय, प्रवीण सिंह, मनोज मिश्रा, मंजुरूल हक, सरिता नागेंद्र, जिला व्यायाम शिक्षक मो. शोएब व शिक्षिका रेनू शुक्ला, स्काउट मास्टर शिवशरण सिंह, विजय सिंह, भीम सिंह, अजय वर्मा, मनोज, दिलीप, शौर्यवर्धन सिंह, दीपेश, लालबाबू, श्रीकृष्ण, रूपेश शुक्ला, नवरंग, ब्रजेन्द्र, सुनीता सिंह, मीनाक्षी तिवारी, विजय सिंह, अजिता सिंह पूनम कुशवाहा, सूर्यप्रकाश, ऊषा, रामभरत राजभर, अब्दुल मन्नान, शिवेंद्र सिंह, रमेश कुमार, दुर्गेश, रमेश, पवन मौर्या, अरविंद मौर्य, मो. इरफान खान, इला श्रीवास्तव, रूपेश शुक्ला, सत्य प्रकाश तिवारी, नाहिद बानो, अशोक शर्मा, मो. नसीम, सलाउद्दीन अंसारी, सुनीता वर्मा, दीप वर्मा, आदि लोग मौजूद रहे।

बेसिक शिक्षा की व्यवस्थाएं काफी बेहतर, दक्षता की जरूरत

भदोही। निपुण भारत मिशन अंतर्गत बुधवार को सोनभद्र, मिर्जापुर, भदोही जनपद की मंडलीय निपुण कार्यशाला का आयोजन ज्ञानपुर स्थित एक प्रतिष्ठान में किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ मुख्य अतिथि बीएसए शिवम पांडेय, डायट प्राचार्य विकास चौधरी, बीएसए मिर्जापुर अनिल कुमार वर्मा ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया। प्रतिभागी तीनों जनपदों के बीईओ, डायट मेंटर, केआरपी, एसआरजी का स्वागत करते हुए बीएसए शिवम पांडेय ने कहा कि कार्यशाला में मिलने वाली सीख से प्रत्येक विद्यालय के शिक्षक लाभान्वित होंगे और मंडल विंध्याचल बुनियादी शिक्षा के मामले में उत्कृष्ट स्थान बनाये रखेगा। डायट प्रचार्य विकास चौधरी ने उपस्थित जनों का उत्साह बढ़ाया। बीएसए मिर्जापुर अनिल कुमार वर्मा ने कहा बेसिक शिक्षक

एवं हमारी व्यवस्थाएं हर मामले में बेहतर है जरूरत है बच्चों को उनकी आयु अनुरूप दक्षताओं को प्राप्त कराते हुए उन्हें निपुण बनाने की। राज्य परियोजना कार्यालय के आये शुभम प्रकाश ने सत्र 2025-26 की अकादमीक योजना रचना पर दंभ भरा कि राष्ट्रीय परख सर्वे में उत्तर प्रदेश का स्थान राष्ट्रीय औसत से बेहतर है जो यह बताता है कि हमारे परिषदीय विद्यालयों में भाषा और गणित की स्थिति में बच्चे अन्य प्रदेशों की अपेक्षा बेहतर कर रहे हैं। प्री प्राइमरी शिक्षा पर पीपीटी पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन देते हुए एसआरजी विनय शंकर पांडेय ने बाल वाटिका की महत्ता एवं 3 वर्ष से 8 वर्ष की आयु वर्ग सीखने के लिए सबसे उत्कृष्ट है और इस उम्र में बच्चा तकरीबन 80इ मानसिक विकास प्राप्त कर लेता है। पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन द्वारा विद्यालयों में स्थापित आईसीटी लैब, डिजिटल संसाधन के उपयोग एवं उसके मॉनिटरिंग को प्राथमिकता दी। समूह चर्चा के दौरान बीईओ, एआरपी ने विद्यालय की अलग-अलग भूमिकाओं का रोल प्ले करते हुए पर्यवेक्षण के दौरान विद्यालय में आने वाली समस्याएं, सुझाव, समाधान पर बल दिया। चार दिसंबर से पूरे प्रदेश में विद्यालयों का निपुण असेसमेंट होने ज रहा है इस हेतु सहयोगी शिक्षण सामग्री सभी विद्यालयों में प्राप्त है। विद्यालय स्तर पर एआरपी के कार्य दायित्व, संकुल की बैठकें, फिश बोन एक्टीविटी के द्वारा सभी प्रतिभागियों ने शैक्षिक विषयों साझा समझ बनाई। प्रश्नोत्तर सत्र में सभी ने अपनी जिज्ञासाएं रखी और समाधान प्राप्त किया। कार्यक्रम में रविंद्र शुक्ला, अखिलेश पांडेय, मनोज सिंह, प्रदीप मिश्रा, यशवंत सिंह, वेद प्रकाश, सौरभ सिंह, नवीन मिश्रा, रितेश दीक्षित, कुलदीप चौरसिया, रत्नेश पांडेय, विद्या सागर, विनोद कुमार, सरिता तिवारी, दिनेश शुक्ला, सुरेश मौर्य, चंद्रकांत पटवा, मुश्ताक अहमद, भैरवानंद, प्रणय पाल, लल्लन यादव, भाष्करानंद, मुकेश सिंह, रविशंकर यादव आदि रहे।

निजी कंपनी के साथ 90 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी पूर्व निदेशक समेत चार के खिलाफ मामला दर्ज

मुम्बई। मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने 'प्रोवोग इंडिया लिमिटेड' के एक पूर्व निदेशक एवं एक पूर्व कर्मचारी समेत चार लोगों के खिलाफ कंपनी से 90 करोड़ रुपये की कथित धोखाधड़ी करने का मामला दर्ज किया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। मुंबई में स्थित 'प्रोवोग इंडिया लिमिटेड' पुरुषों एवं महिलाओं के परिधान और एक्सेसरीज (सहायक सामग्री) समेत कई तरह के उत्पाद बनाती और बेचती है। एक अधिकारी ने बुधवार को बताया कि आरोपियों की पहचान कंपनी के पूर्व निदेशक

राकेश रावत, उसके पूर्व कर्मचारी समीर खंडेलवाल, समाधान पेशवेर (रेजोल्यूशन प्रोफेशनल) अमित गुप्ता, नए खरीदार अर्पित खंडेलवाल, प्लूटस इन्वेस्टमेंट्स एंड होल्डिंग लिमिटेड और अन्य के तौर पर की गई है। उन्होंने बताया कि आरोपियों ने षड्यंत्र रचकर कंपनी की संपत्तियों की कीमत कथित तौर पर कम करके दिखाई और नीलामी की प्रक्रिया में जानबूझकर दो साल की देरी की ताकि उसका बाजार मूल्य कम हो जाए और खंडेलवाल कंपनी खरीद सके। उन्होंने कहा कि आरोपियों ने ग्राहकों (कर्जदारों) से मिलने वाली रकम अपने फायदे के लिए नहीं ली। उन्होंने कहा कि इस संबंध में प्रोवोग इंडिया लिमिटेड के पूर्व प्रबंध निदेशक निखिल चतुर्वेदी (55) ने शिकायत दर्ज कराई थी। अधिकारी ने बताया कि यह अपराध 2018 और 2023 के बीच किया गया था। उन्होंने कहा कि आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात और आपराधिक साजिश के आरोप में मामला दर्ज किया गया है और जांच जारी है।

बिहार में विभिन्न दलों के विजयी उम्मीदवारों को 60 हजार से 1.5 लाख तक वोट मिलेः निर्वाचन आयोग

पटना (एजेंसी)। बिहार में हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में विभिन्न दलों के विजयी उम्मीदवारों को 60

हजार से लेकर 1.5 लाख तक वोट मिले। निर्वाचन आयोग (ईसी) के अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। ईसी ने ऐसे समय में यह जानकारी दी है जब आरोप लग रहे हैं कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विभिन्न शीर्ष उम्मीदवारों को करीब 1.22 लाख वोट मिले। विभिन्न राजनीतिक नेताओं और लोगों ने सोशल मीडिया पर इस संयोग की ओर इशारा किया था कि भाजपा के कई शीर्ष विजयी उम्मीदवारों को 1.22 लाख के आसपास वोट मिले। आरोप लगाए जा रहे थे कि ईसी ने यह सुनिश्चित किया कि भाजपा उम्मीदवारों को लगभग समान वोट मिलें, जो मोटे तौर पर 1.22 लाख के आसपास रहे। निर्वाचन आयोग के अधिकारियों ने आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि विजयी उम्मीदवारों को अलग-अलग संख्या में वोट मिले।आंकड़ों के अनुसार,भाजपा के एक और जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के तीन उम्मीदवारों समेत चार कुल प्रत्याशियों को 60,000 से 69,999 के बीच वोट मिले। इसके अलावा,65 विजयी उम्मीदवारों को 90,000 से 99,999 के बीच वोट मिले। आंकड़ों के अनुसार, भाजपा उम्मीदवार को 1,40,000 से 1,49,999 के बीच वोट मिले।

स्थानीय निकाय चुनाव में राकांपा (एसपी) विपक्षी दलों के साथ मिलकर लड़ने की इच्छुकः सुले

नई दिल्ली। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) की सांसद सुप्रिया सुले ने बृहस्पतिवार को कहा कि उनकी पार्टी आने वाले स्थानीय निकाय चुनाव के लिए सभी विपक्षी दलों को साथ लेकर चलना चाहती है और उनसे बातचीत करेगी सुले ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि राकांपा (एसपी) स्थानीय निकाय चुनाव साथ में लड़ने और महाराष्ट्र के राजनीतिक परिदृश्य के बारे में शिवसेना (उबाठा) प्रमुख उद्धव ठाकरे के साथ चर्चा करेगी। उन्होंने कहा, "हम गठबंधन के बारे में अगले सप्ताह मुंबई में कांग्रेस से बात करेंगे।

एसआईआर के प्रति मतदाताओं में जागरूकता जरूरी : नसीमुद्दीन

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पूर्व मंत्री ने बैठक कर प्रबुद्धजनों का किया आह्वान

बांदा। निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार पूरे प्रदेश में चल रही मतदाता प्रगाढ़ पुनरीक्षण प्रक्रिया पर जहां विपक्षी दल तमाम सवाल उठा रहे हैं, वहीं बूथ लेवल एजेंट नियुक्त करके मतदाताओं को जागरूक करने की कवायद भी चला रहे हैं। इसीक्रम में कांग्रेस के दिग्गज नेता पूर्व मंत्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी ने गुरुवार को प्रबुद्धजनों की एक आवश्यक बैठक आयोजित की और उन्हें एसआईआर के प्रति मतदाताओं को जागरूक करने का आह्वान किया। कहा कि एसआईआर के माध्यम से ही मताधिकार को बचाया जा सकता है। शहर के अलीगंज स्थित आवास पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व काबीना मंत्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी ने प्रबुद्धजनों की बैठक में एसआईआर के तहत मताधिकार बचाने का आह्वान किया। कहा कि अधिक से अधिक संख्या में लोगों को जागरूक करके मतदाता प्रपत्र भराए जाएं, ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति मताधिकार से वंचित न रह जाए। कहा कि निर्वाचन आयोग ने ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह से फार्म भरने का विकल्प रखा है। उन्होंने संगठन स्तर पर बनाए गए बीएलए को भी पूरी प्रक्रिया पर नजर रखने के साथ ही ज्यादा से ज्यादा लोगों को एसआईआर प्रक्रिया में शामिल कराने की नसीहत दी। कहा कि इस प्रक्रिया को सफल बनाने में प्रबुद्धजन अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाकर अपने आसपास मतदाताओं को जागरूक कर सकते हैं और उन्हें एसआईआर से जोड़कर उनका मताधिकार बचा सकते हैं। उन्होंने निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त बीएलओ को गड़बड़ी न करने और बगैर किसी भेदभाव के सभी का एसआईआर फार्म भरवाने के निर्देश दिए। कहा कि समय कम है और सभी मतदाताओं को अपने फार्म भरकर बीएलओ के पास जमा कराना है।

एनसीडीसी ने वित्त वर्ष 2025 में सहकारी समितियों को 92,500 करोड़ रुपये वितरित किएः अमित शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने बुधवार को बताया कि एनसीडीसी ने पिछले वित्त वर्ष में

सहकारी समितियों को 92,500 करोड़ रुपये वितरित किए, जो 2020-21 के स्तर से लगभग चार गुणा अधिक है। शाह यहां राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (एनसीडीसी) की 92वीं आम परिषद की बैठक को संबोधित कर रहे थे। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, शाह ने कहा कि इस मंत्रालय की स्थापना के बाद से सहकारी क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति हुई है। उन्होंने कहा कि एनसीडीसी इस बदलाव का प्रमुख आधार बनकर उभरा है। शाह ने कहा, सरकार सहकारिता आंदोलन के माध्यम से किसानों, ग्रामीण परिवारों, मछुआरों, छोटे उत्पादकों और उद्यमियों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रतिबद्ध है और आत्मनिर्भरता की दिशा में देश के प्रयासों में सहकारिता महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। मंत्री ने बताया कि सहकारी समितियों को सशक्त बनाने और उनके लिए वित्तीय सहायता सुलभ बनाने के लिए स्थापित एनसीडीसी ने अपने कुल संवितरण को बढ़ाकर 2024-25 में 95,200 करोड़ रुपये कर दिया है, जो 2020-21 में 24,700 करोड़ रुपये था। शाह ने कहा कि भारत को विकसित अर्थव्यवस्था बनाने के लिए सहकारिता एक श्रेष्ठ मॉडल है, क्योंकि यह ग्रामीण क्षेत्रों की भागीदारी और आजीविका सुनिश्चित करता है। उन्होंने कहा कि बीते चार साल में एनसीडीसी ने 40 प्रतिशत से अधिक चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर दर्ज की है और 807 करोड़ रुपये का सर्वोच्च शुद्ध लाभ अर्जित किया है।

मुंबई की एक इमारत में लगी आग से दो फ्लैट क्षतिग्रस्त कोई हताहत नहीं

मुम्बई। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई के विद्याविहार इलाके में बुधवार शाम एक बहुमंजिला रिहायशी इमारत में आग लगने से सातवीं मंजिल पर स्थितदो फ्लैट क्षतिग्रस्त हो गए। नगर निकाय के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि लगभग दो घंटे के प्रयास के बाद आग पर काबू पा लिया गया और किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। उन्होंने बताया कि मुंबई पुलिस के नियंत्रण कक्ष को शाम करीब 4.45 बजे कोहिनूर सिटी बिल्डिंग की सातवीं मंजिल के एक फ्लैट में आग लगने की सूचना मिली। शुरुआत में, अधिकारियों ने कहा था कि आग पांचवीं मंजिल पर लगी थी।

ऑपरेशन सिन्दूर संबंधी अमेरिकी आयोग की रिपोर्ट में पाकिस्तान को बताया गया विजेता, उठे सवाल

नई दिल्ली। अमेरिका की यूएस-चाइना इकोनॉमिक एंड सिक्योरिटी रिव्यू कमिशन ने अपने ताज़ा रिपोर्ट में दावा किया है कि 7-10 मई के बीच हुए चार दिवसीय संघर्ष में पाकिस्तान ने भारत पर सैन्य 'सफलता' हासिल की और चीन ने इस संघर्ष का उपयोग अपने हथियारों के परीक्षण और प्रचार के लिए किया। रिपोर्ट कहती है कि पाकिस्तानी सेना ने चीन के विमानों, मिसाइलों और एयर डिफेंस सिस्टम का 'सफल उपयोग' किया और इन्हीं की वजह से पाकिस्तान को बढ़त मिली। यह दावा न केवल भारत के राजनीतिक नेतृत्व, बल्कि सैन्य नेतृत्व के स्पष्ट बयानों से बिल्कुल उलट है। हम आपको बता दें कि ळएण्ण की यह रिपोर्ट तथ्यों से अधिक धारणाओं पर आधारित प्रतीत होती है। जो घटनाएँ जमीन पर घटीं, उनका रिकॉर्ड, भारत की सैन्य कार्रवाई और फिर पाकिस्तान की बेतरतीब प्रतिक्रिया, इन सभी को जानने वाला कोई भी व्यक्ति यह दावा नहीं कर सकता कि संघर्ष में 'पाकिस्तान सफल रहा'। जिस तरह से चीन की 'डिफेंस एक्सपोर्ट क्रेडिबिलिटी' बढ़ाने पर केंद्रित दिखती है, उससे संदेह उठता है कि यह निष्कर्ष कहीं अमेरिकी आंतरिक बहसों का हिस्सा तो नहीं, जहाँ चीन को एक सैन्य चुनौती के रूप में बढ़ा-चढ़ाकर दिखाना राजनीतिक रूप से उपयोगी माना जाता है।

जिस प्रकार एआई-जनित तस्वीरों को उद्धृत किया गया है, जो चीन ने फर्जी सोशल मीडिया अकाउंट्स के माध्यम से 'भारतीय राफेल के मलबे' के रूप में फैलाईं, वह अपनी जगह महत्वपूर्ण है। लेकिन उससे भी अधिक महत्वपूर्ण यह है कि इन फर्जी तस्वीरों को रिपोर्ट में गंभीरता से लिया गया, जबकि भारत ने समय-समय पर इन्हें खारिज किया और तथ्य सामने रखे। ऐसे समय में आई है जब चीन पाकिस्तान को नए हथियार बेचने के लिए आक्रामक रणनीति अपना रहा है। 40 ε-35 फाइटर जेट्स की पेशकश, बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस सिस्टम, ख्र-500, इन सबका बाजार तैयार करने के लिए ही चीन ने दुष्प्रचार चलाया। और यही दुष्प्रचार इस रिपोर्ट में किसी 'सफल युद्ध प्रदर्शन' के रूप में पेश कर दिया गया।

पूरी दुनिया जानती है कि पाकिस्तान की सेना अपने उपकरणों और क्षमताओं को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाने में सिद्धहस्त है और चीन के लिए यह संघर्ष एक तैयार मंच था। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि जमीन पर भारत कमजोर हुआ या पाकिस्तान विजयी। यह तथ्य किसी बहस का विषय नहीं कि ऑपरेशन सिंदूर, 7 मई की सुबह शुरू होते ही पाकिस्तान के आतंकी बुनियादी ढांचे पर सबसे तेज़ और सबसे सटीक प्रहारों में से एक साबित हुआ। पहलगाम में 26 निर्दोष लोगों की हत्या ने भारत को निर्णायक कार्रवाई के लिए मजबूर किया और भारतीय सेना ने बिल्कुल वही किया– सटीक, कम समय में और स्पष्ट परिणामों के साथ। वहीं पाकिस्तान की सेना की प्रतिक्रिया थी– घबराहट। उसने सैनिक ठिकानों और नागरिक आबादी पर अंधाधुंध गोलीबारी की, जो परंपरागत रूप से उसकी रणनीति का हिस्सा है यानि अराजकता पैदा करो, खुद को मजबूत दिखाओ और नुकसान छिपाने के लिए भ्रम फैलाओ।किसी भी सैन्य संघर्ष की वास्तविकता सीमा पर मौजूद सैनिक जानते हैं, दुष्प्रचार नहीं।

सरदार पटेल ने रखी आधुनिक भारत की नींव : शर्मा

भदोही। राष्ट्रीय एकता दिवस के दृष्टिगत नगर विकास एवं ऊर्जा, जनपद के प्रभारी मंत्री एके शर्मा ने सरदार वल्लभभाई पटेल जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित भव्य यूनिटी मार्च में प्रतिभाग किया। शहीद सुलभ उपाध्याय, शीतल पाल के मूर्ति पर माल्यार्पण करते हुए विभूति नारायण राजकीय इंटर कॉलेज से प्रारंभ होकर अर्पित लॉन तक एकता मार्च में अत्यंत उल्लास और देशभक्ति का जोश दिखाया। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में राष्ट्रीय एकता, समरसता और अखंडता के संदेश को व्यापक रूप से प्रसारित करना था। एकता मार्च में जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संस्थाओं, स्वयंसेवी संगठनों, शिक्षकों, छात्र-छात्राओं और स्थानीय नागरिकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। स्वयं मार्च के दौरान मंत्री ने प्रतिभागियों से संवाद कर सभी को एकता एवं राष्ट्रहित के लिए निरंतर

योगदान कर सरदार वल्लभभाई पटेल के व्यक्तित्व और कृतित्व पर विस्तृत प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम के समय सरदार पटेल की संगठन क्षमता, नेतृत्व कौशल और अदम्य साहस ने भारत की स्वतंत्रता में नई ऊर्जा का संचार किया। स्वतंत्रता के बाद लगभग 565 रियासतों को एकजुट कर भारत का राजनीतिक एकीकरण करना विश्व इतिहास की अद्वितीय उपलब्धि है जो उनके लौह ईच्छाशक्ति का परिणाम था। यदि सरदार पटेल नहीं होते तो भारत का इतिहास और भूगोल निश्चित ही आज अलग होता। उन्होंने देश को एकता के सूत्र में बांधकर आधुनिक भारत की नींव रखी। उनकी कर्मनिष्ठा, ईमानदारी और राष्ट्रहित सर्वोपरि की सोच आज भी हम सबके लिए प्रेरणादायी है। राष्ट्रीय एकता दिवस का उद्देश्य केवल एक कार्यक्रम तक सीमित नहीं है, बल्कि यह देश की सामूहिक चेतना को जागृत करने और समाज के प्रत्येक वर्ग में राष्ट्रप्रेम की भावना को मजबूत करने का अवसर है। यह एकता मार्च सामाजिक समरसता और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक बनकर उभरा है। प्रतिभागियों, विद्यालयों, सामाजिक संस्थाओं और प्रशासनिक अधिकारियों को धन्यवाद देते हुए कहा कि इसी सामूहिक भावना और एकता के संकल्प से भदोही सहित पूरा प्रदेश और मजबूत होगा। आने वाली पीढ़ियाँ सरदार पटेल के आदर्शों को आत्मसात करते हुए राष्ट्र निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएँगी।

विश्व हिंदू महासंघ उत्तर प्रदेश किन्नर प्रकोष्ठ की अहम बैठक गोंडा में संपन्न हुई

हाथरस। विश्व हिंदू महासंघ उत्तर प्रदेश के यशस्वी प्रदेश अध्यक्ष भिखारी प्रजापति के निर्देशन एवं किन्नर प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष काजल किरन के नेतृत्व में किन्नर प्रकोष्ठ की जिला अध्यक्ष गोंडा पलक तिवारी की अध्यक्षता में विश्व हिंदू महासंघ उत्तर प्रदेश किन्नर प्रकोष्ठ की अहम बैठक गोंडा में संपन्न हुई। गोंडा का प्रसिद्ध कामाख्या दरबार एवं विश्व हिंदू महासंघ उत्तर प्रदेश किन्नर प्रकोष्ठ की प्रदेश महामंत्री महंत पूजा मिश्रा ने प्रेस वार्ता में कहा हैं कि किन्नर प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष काजल किरन जी ने विश्व हिंदू महासंघ उत्तर किन्नर प्रकोष्ठ की प्रदेश महामंत्री की जिम्मेदारी सौंपी है नए दायित्व का निर्वाह पूर्ण निष्ठा ईमानदारी के साथ निभाऊंगी पूरे उत्तर प्रदेश के हर जिले में किन्नर प्रकोष्ठ का विस्तार करेगी।

आर्थिक शोषण व उत्पीड़न के खिलाफ कर्मचारियों ने किया प्रदर्शन

आधुनिक समाचार
देव मणि शुक्ल

नोएडा होम इटटू बी- 96, 106 व 109 सेक्टर- 5, नोएडा के मालिकान होश में आओ- कर्मचारियों का शोषण उत्पीड़न करना बंद करो! सभी श्रमिकों के नाम- कम्पनी के मास्टर रोल पर दर्ज करो! झूठे आरोप लगाकर कार्य से रोके गए श्रमिक अरुण कुमार पटेल को- क्षतिपूर्ति सहित कार्य पर बहाल करो! होम इटटू के प्रबंधकों की मनमानी नहीं चलेगी- श्रम कानूनों का पालन करना होगा आदि जोरदार नारेबाजी के साथ कंपनी के गेट पर आज 20 नवंबर 2025 को सीटू के बैनर तले दूसरे दिन भी प्रदर्शन कर जोरदार तरीके से अपने हक अधिकारों के लिए आवाज बुलंद किया।कर्मचारियों के प्रदर्शन को

संबोधित करते हुए सीटू जिला सचिव गंगेश्वर दत्त शर्मा ने कहा कि उक्त उद्योग में फर्नीचर बनाने का कार्य होता है। संस्थान में कार्यरत कर्मचारियों को श्रम कानूनों के तहत मिलने वाली विधिक सुविधा से वंचित रखते हुए मालिकान उनका आर्थिक व मानसिक उत्पीड़न कर रहे है, जिसे हमारा संगठन कतई बर्दाश्त नहीं करेगा। प्रदर्शन को संबोधित करते हुए सीटू जिला महासचिव रामस्वारथ ने कर्मचारियों के शोषण- उत्पीड़न करने के लिए कम्पनी प्रबन्धकों की कड़ी निंदा करते हुए चेतावनी देते हुए कहा कि हमारा संगठन कंपनी प्रबंधन को एक सप्ताह का समय दे रहा है या तो श्रमिकों के साथ वार्ता का सम्मानजनक समझौता कर ले अन्यथा कर्मचारी संस्थान स्तर पर हड़ताल कर सीटू के बैनर तले बड़ा धरना प्रदर्शन करेंगे जिसके लिए कंपनी के मालिकान पूर्ण रूप से जिम्मेदार होंगे।

संक्षिप्त समाचार

कर्नाटक में लेबर वार्ड के बाहर प्रसव के दौरान गिरने से नवजात की मौत

नई दिल्ली। हावेरी के जिला अस्पताल में जन्म के कुछ ही क्षणों बाद कथित रूप से फर्श पर गिरने से एक नवजात की मौत हो गई, जिसके बाद जिला शल्य चिकित्सक ने घटना की जांच के आदेश दिए हैं। अधिकारियों ने बताया कि यह घटना को तब हुई जब रानेबेन्नूर के पास काकोल गांव की निवासी रूपा करबन्नावर (30) प्रसव के लिए अस्पताल पहुंची थीं। उनके परिवार के अनुसार, तेज प्रसव पीड़ा के बावजूद उन्हें भर्ती नहीं किया गया क्योंकि प्रसूति और स्त्री रोग वार्ड भरा हुआ था। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रसव कक्ष में भीड़ थी और कोई बेड उपलब्ध नहीं था, इसलिए उन्हें वार्ड के बाहर फर्श पर बैठाया गया। बाद में शौचालय की ओर जाते समय उन्होंने गलियारे में ही बच्चे को जन्म दिया और नवजात के फर्श पर गिरने से उसकी तुरंत मौत हो गई।

उत्तर प्रदेश में सड़क दुर्घटना में दो भाइयों की मौत

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के बलिया में एक ट्रक की चपेट में आने से दो भाइयों की मौत हो गई। अधिकारी ने बताया कि यह दुर्घटना को उत्तर प्रदेश-बिहार सीमा पर भरौली गोलंबर पर उस समय हुई जब दोनों भाई अपनी मोटरसाइकिल को खड़ा करके चाय की एक दुकान की ओर जा रहे थे। बलिया सदर क्षेत्र के पुलिस उपाधीक्षक राकेश कुमार सिंह ने बताया कि दोनों को गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान बलिया जिले के रहने वाले कृष्णा यादव (25) और अंकित यादव (22) के रूप में की गई है और शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। मृतकों के पिता की शिकायत पर ट्रक चालक महेंद्र सिंह के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

सिक्किम में ट्रेकिंग के दौरान बंगाल के सीमा शुल्क अधिकारी की मौत

नई दिल्ली। ग्यालशिंग जिले के पुलिस अधीक्षक (एसपी) त्शेरिंग शेर्पा ने बताया कि पश्चिम बंगाल के सीजीएसटी और सीमा शुल्क विभाग के अधीक्षक सुमन देबनाथ को चढ़ाई के दौरान तेज सिरदर्द, मितली, अत्यधिक थकान और सांस लेने में दिक्कत की शिकायत हुई थी। एसपी ने बताया कि साथी ट्रेकर्स की मदद के प्रयासों के बावजूद देबनाथ की हालत तेजी से बिगड़ती चली गई। अधीक्षक ने कहा, 'वह बेहोश हो गए और फेडांग में उनकी मौत हो गई, जो युकसोम से लगभग 25 किलोमीटर दूर और करीब 12,000 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। बताया कि जानकारी मिलते ही कार्रवाई शुरू की गई और बचावकर्मियों व पोर्टरों को तत्काल रवाना किया गया। उन्होंने बताया कि शव को लाने के लिए एक टीम भेजी गई और कठिन भूभाग तथा ऊंचाई के कारण को नीचे उतरने में लगभग पूरा दिन लग गया। अधिकारी ने बताया कि देबनाथ के शव को युकसोम लाया गया और रात ग्यालशिंग जिला अस्पताल भेजा गया, जहां पोस्टमॉर्टम किया गया।

लागू हुए नए श्रम कानूनः प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का कार्यबल कल्याण की ओर बड़ा कदम, गिग वर्कर्स को बड़ी राहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। सभी क्षेत्रों में श्रमिक कल्याण को मजबूत करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में, भारत के लंबे समय से प्रतीक्षित श्रम सुधार आज से लागू हो गए हैं, सभी चार नए श्रम कोड आधिकारिक तौर पर अधिसूचित और 21 नवंबर, 2025 से लागू हो गए हैं। नए श्रम कोडों ने गिग और प्लेटफॉर्म श्रमिकों, महिला कर्मचारियों और एमएसएमई में कार्यरत लोगों को लाभान्वित करने वाले कई ऐतिहासिक सुधार पेश किए हैं। पहली बार, श्रम संहिताओं ने गिग वर्क, प्लेटफ़ॉर्म वर्क और एग्रीगेटर्स को औपचारिक रूप से परिभाषित किया है, जिससे डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म पर काम करने वाले लाखों लोगों को कानूनी स्पष्टता मिली है। एग्रीगेटर कंपनियों को अब अपने वार्षिक कारोबार का 1-2इ एक समर्पित कल्याण कोष में जमा करना होगा, जिसकी अधिकतम सीमा श्रमिकों को किए गए कुल भुगतान का 5इ होगी। यह कोष सामाजिक सुरक्षा लाभों का समर्थन करेगा। श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मंडाविया ने एक्स पर एक

पोस्ट में कहा कि आज से देश में नए श्रम संहिता प्रभावी हो गए हैं... ये सुधार केवल साधारण बदलाव नहीं हैं, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा कार्यबल के कल्याण के लिए उठाया गया एक बड़ा कदम है। डिलीवरी और मोबिलिटी कर्मचारियों को बड़ी राहत देते हुए, घर और कार्यस्थल के बीच यात्रा के दौरान होने वाली दुर्घटनाओं को अब रोज़गार से संबंधित माना जाएगा, जिससे कर्मचारी दुर्घटना मुआवजे के पात्र बनेंगे। लाभों की निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए, सरकार ने आधार से जुड़ा एक यूनिवर्सल अकाउंट नंबर शुरू किया है, जिससे राज्यों में कल्याणकारी योजनाओं तक आसान और पोर्टेबल पहुँच संभव हो सकेगी।ये संहिताएँ सभी प्रकार के लैंगिक भेदभाव पर रोक लगाती हैं और समान कार्य के लिए समान वेतन सुनिश्चित करती हैं। महिलाएँ अब रात्रि पाली में काम कर सकती हैं और सभी प्रकार के उद्योगों में काम कर सकती हैं, जिनमें खनन और भारी मशीनरी जैसे पहले प्रतिबंधित क्षेत्र भी शामिल हैं, बशर्ते उनकी सहमति और अनिवार्य सुरक्षा व्यवस्था हो। 26 सप्ताह के सवेतन अवकाश, शिशुगृह सुविधाओं तक पहुँच और घर से काम करने के लचीले विकल्पों के साथ मातृत्व लाभों को और मज़बूत किया गया है। महिला कर्मचारियों को 3,500 रुपये का चिकित्सा बोनस भी मिलेगा। इसके अतिरिक्त, महिला श्रमिकों के लिए परिवार की परिभाषा का विस्तार करके इसमें सास-ससुर को भी शामिल किया गया है, जिससे सामाजिक सुरक्षा प्रावधानों के तहत आश्रितों का दायरा बढ़ गया है।

इस कदम को प्रमुख श्रमिक संगठनों का भी समर्थन प्राप्त है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की श्रमिक शाखा, भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) ने नए श्रम संहिताओं के कार्यान्वयन का स्वागत करते हुए कहा है कि ये सुधार लंबे समय से लंबित सामाजिक सुरक्षा लाभ प्रदान करेंगे, श्रमिक अधिकारों को सुव्यवस्थित करेंगे और उन लाखों लोगों तक कवरेज का विस्तार करेंगे जो पहले औपचारिक दायरे से बाहर थे।

वाराणसी में दाल मंडी चौड़ीकरण अभियान पर तत्काल रोक लगाये सरकारः अखिलेश

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने वाराणसी के ऐतिहासिक दालमंडी क्षेत्र की तोड़-फोड़ को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा विरोधियों को कमजोर करने का एक 'राजनीतिक विध्वंस' करार देते हुए शुक्रवार को मांग की कि इस कार्रवाई को तत्काल रोका जाए।

लखनऊ में एक संवाददाता सम्मेलन में यादव ने चंदौली और वाराणसी के पार्टी नेताओं तथा दालमंडी के व्यापारियों की मौजूदगी में कहा कि सरकार का विरासत संवर्धन का दावा 'भ्रामक' है और चौड़ीकरण अभियान का उद्देश्य उस बाजार को निशाना बनाना है जो भाजपा को वोट नहीं देता। यादव ने आरोप लगाया, 'यह कोई विरासत योजना नहीं है... यह एक राजनीतिक विध्वंस है। वे ऐसा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि वे उस क्षेत्र से नहीं जीत सकते। वे लोगों को डराना चाहते हैं, समुदायों को बांटना चाहते हैं और व्यापारियों को चुप कराने के लिए राज्य की शक्ति का इस्तेमाल करना चाहते हैं।' उन्होंने कहा कि कई व्यापारी पीढ़ियों से छोटी-छोटी दुकानें संचालित कर रहे हैं और अब उन्हें अपनी आजीविका पूरी तरह से छिन जाने का डर है। यादव ने बताया कि दाल मंडी में कई व्यवसाय दशकों पुराने हैं, कुछ तो उन संस्थाओं से भी पुराने हैं जो अब भवन मानचित्र स्वीकृत करती हैं। यादव ने कहा कि दुनियाभर के प्रमुख पर्यटन शहरों की तरह सांस्कृतिक बाजारों को संरक्षित करने के बजाय उत्तर प्रदेश सरकार उन्हें नष्ट कर रही है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, 'कई देशों में संकरी हेरिटेज गलियों को भी संरक्षित किया जाता है, ध्वस्त नहीं किया जाता। यहां व्यापारियों को उनके ग्राहकों या आजीविका की सुरक्षा के लिए कोई विकल्प दिए बिना ही उजाड़ा जा रहा है।' उन्होंने दुकानदारों को लोहता या मोहनसराय जैसे इलाकों में स्थानांतरित करने के प्रस्ताव की आलोचना करते हुए कहा कि इन जगहों पर लोगों की आवाजाही बहुत कम है।

भाषा युद्ध या विकास का मुद्दा? अन्नामलाई ने स्टालिन के आरोपों पर उठाए सवाल

नई दिल्ली। भाजपा नेता के अन्नामलाई ने शुक्रवार को तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन द्वारा संस्कृत को मृत भाषा कहने की आलोचना करते हुए कहा कि द्रमुक सरकार भाषा पर बहस छेड़कर विकास और सुशासन जैसे वास्तविक मुद्दों से बच रही है। अन्नामलाई ने कहा कि संस्कृत को ज़्यादा धन सिर्फ़ इसलिए मिलता है क्योंकि भारत में तमिल विश्वविद्यालयों की तुलना में संस्कृत विश्वविद्यालय ज़्यादा हैं, इसलिए नहीं कि सरकार इसे विशेष वरीयता देती है। चेन्नई में पत्रकारों से बात करते हुए, के अन्नामलाई ने कहा कि तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन को यह समझने की ज़रूरत है कि हमारे देश में कोई भी किसी भी भाषा को अतिरिक्त धन नहीं देता... यूपीए शासन के दौरान हमारे देश में संस्कृत विश्वविद्यालयों और तमिल विश्वविद्यालयों की संख्या पर नज़र डालें। हमारे देश में संस्कृत विश्वविद्यालयों की संख्या तमिल विश्वविद्यालयों से ज़्यादा है। इसलिए, ज़ाहिर है, संस्कृत विश्वविद्यालयों को उस भाषा को बढ़ावा देने के लिए ज़्यादा धन मिलता है। उन्होंने कहा कि इसलिए हमने तमिलनाडु सरकार से अनुरोध

किया है कि वह हमारे देश में और तमिल विश्वविद्यालय स्थापित करने का प्रस्ताव रखे। आपको कौन रोक रहा है?... डीएमके विकास की बात नहीं कर सकती, सुशासन की बात नहीं कर सकती, इसलिए अगले छह महीनों तक हम भाषा, उत्तर और दक्षिण के बारे में यही बकवास देखेंगे। इससे पहले, तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने तमिलनाडु में हिंदी और संस्कृत थोपने के आरोप में प्रधानमंत्री मोदी की आलोचना की थी। उन्होंने दावा किया कि पिछले 10 वर्षों में, केंद्र सरकार ने तमिल भाषा के विकास के लिए केवल 150 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। इसके विपरीत, उन्होंने आरोप लगाया कि संस्कृत के लिए 2,400 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जिसे उन्होंने मृत भाषा बताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने कोयंबटूर में अपने बचपन में तमिल न सीख पाने पर खेद व्यक्त किया। एक ओर वे ऐसा व्यवहार कर रहे हैं मानो उन्हें तमिल भाषा की परवाह है, दूसरी ओर वे हिंदी और संस्कृत थोपने की कोशिश कर रहे हैं। स्टालिन ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार ने कहा था कि वे हमारे स्कूली शिक्षा कोष के लिए 2500 करोड़ रुपये तभी जारी करेंगे जब हम त्रिभाषा फॉर्मूले को लागू करेंगे। यह कैसा न्याय है? प्रधानमंत्री ने पिछले 10 दिनों में तमिल भाषा के विकास के लिए क्या किया है? पिछले 10 वर्षों में केंद्र सरकार ने तमिल के विकास के लिए केवल 150 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं।

मप्र के गुना जिले में तेज रफ़्तार कार के ट्रक से टकराने से तीन लोगों की मौत, चार घायल

भोपाल। मध्यप्रदेश के गुना जिले में एक तेज़ रफ़्तार कार और ट्रक के बीच टक्कर होने से तीन लोगों की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। अधिकारी ने बताया कि यह घटना गुना-आरोन रोड पर बजरंगगढ़ गांव के पास तड़के करीब तीन बजे घटी। अधिकारी ने बताया कि वे एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए आरोन से गुना आ रहे थे, तभी उनकी कार आगे चल रहे एक ट्रक से टकरा गई। अधिकारी ने बताया कि टक्कर इतनी ज़ोरदार थी कि कार में सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। अधिकारी ने बताया कि पुलिस को कार के अंदर फंसे लोगों को बाहर निकालने के लिए गैस कटर का इस्तेमाल करना पड़ा। उन्होंने बताया कि चार घायल लोगों में से दो की हालत गंभीर है। उन्हें इलाज के लिए भोपाल रेफर किया गया है।

कर्नाटक में पीएम पद का घमासान जारी, डीके शिवकुमार का बड़ा बयान - 140 विधायक मंत्री बनने के योग्य

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव में करारी हार से जूझ रही कांग्रेस पार्टी में कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन का मुद्दा एक बार फिर गरमा गया है। हालांकि, राज्य में सीएम पद को लेकर चल रही अटकलों पर कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार का बड़ा बयान आया है। डीके शिवकुमार ने कहा कि समूह बनाना मेरे खून में नहीं है। सभी 140 विधायक मेरे विधायक हैं। सीएम ने फैसला किया है कि वह सरकार और कैबिनेट में फेरबदल करेंगे। इसलिए, वे सभी मंत्री बनने के इच्छुक हैं। यह स्वाभाविक है कि वे दिल्ली जाकर नेताओं से मिलेंगे। इसके अलावा, मैं क्या कह सकता हूँ? उन्हें पूरा अधिकार है।

कांग्रेस नेता ने कहा कि मैं किसी को नहीं ले गया। उनमें से कुछ लोग खड़गे साहब से मिले। उन्होंने सीएम से भी मुलाकात की। क्या गलत है? यह उनकी जिंदगी

है। किसी ने उन्हें बुलाया नहीं है, वे स्वेच्छा से जा रहे हैं और अपना चेहरा दिखा रहे हैं। वे अपनी उपस्थिति दिखाना चाहते थे कि वे सबसे आगे हैं, काम कर सकते हैं और वे जिम्मेदारी चाहते हैं। उन्होंने कहा कि सभी 140 विधायक मंत्री और मुख्यमंत्री बनने के योग्य हैं। वे सब कुछ बन सकते हैं...मुख्यमंत्री ने कहा है कि वे 5 साल पूरे करेंगे। मैं उन्हें शुभकामनाएँ देता हूँ। हम सब उनके साथ मिलकर काम करेंगे।

कांग्रेस विधायक टीडी राजेगौड़ा ने कहा कि यह निर्णय हाईकमान और सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार को लेना है... मैंने शिवमोगा, कुछ सड़क मुद्दों सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। कांग्रेस के शीर्ष सूत्रों ने बताया कि सिद्धारमैया ने शुक्रवार सुबह खड़गे से कांग्रेस पार्टी की छवि और राज्य में नेतृत्व परिवर्तन की लगातार चर्चा से सरकार को हो रहे नुकसान के बारे में बात की। खड़गे ने सिद्धारमैया को आश्वासन दिया कि वह स्थिति का आकलन करेंगे और उसका समाधान निकालेंगे। सिद्धारमैया शनिवार को मैसूर में खड़गे से भी मुलाकात करेंगे।

शिवकुमार के प्रति वफादार विधायक - गुब्बी विधायक श्रीनिवास, श्रृंगेरी विधायक टीडी राजेगौड़ा, कुनिगल विधायक एचडी रंगनाथ, अनेकल विधायक बी. शिवन्ना, कुदाची विधायक महेंद्र कल्लप्पा तम्मन्नावर, होसकोटे विधायक शरत बच्चे गौड़ा, नेलमंगला विधायक एन. श्रीनिवास, मांड्या विधायक रविकुमार गौड़ा और कुछ एमएलसी इस समय दिल्ली में हैं। उन्होंने गुरुवार रात खड़गे से मुलाकात की।

मुंबई हवाई अड्डे पर 53 करोड़ रुपये के मादक पदार्थ, सोना, हीरे जब्त, 20 लोग गिरफ्तार

मुम्बई। मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सीमा शुल्क अधिकारियों ने पिछले सप्ताह विभिन्न अभियानों में 53 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के हाइड्रोपोनिक गांजा, सोना और हीरे जब्त किये और इस सिलसिले में 20 लोगों को गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि ये बरामदगियां 13 से 20 नवंबर

के बीच विभिन्न अभियानों के दौरान की गईं। अभियान के पहले भाग में अधिकारियों ने सात अलग-अलग मामलों में 25.318 किलोग्राम संदिग्ध हाइड्रोपोनिक गांजा (मारिजुआना) बरामद किया, जिसकी कीमत 25.318 करोड़ रुपये थी और इस सिलसिले में सात यात्रियों को गिरफ्तार किया गया। अधिकारियों ने बताया कि अन्य अभियानों में, सात मामलों में 26.981 करोड़ रुपये मूल्य का 26.981 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक गांजा बरामद किया गया और इन मामलों में आठ यात्रियों को गिरफ्तार किया गया। अधिकारियों ने बताया कि मादक पदार्थ के अलावा, इसी अवधि में सोने की तस्करी के चार मामलों का पता लगाया गया और चार यात्रियों के कब्जे से कुल 551 ग्राम 24 कैरेट सोना बरामद किया गया, जिसकी कीमत 65.57 लाख रुपये है। एक अन्य मामले में, सीमा शुल्क अधिकारियों ने 469.75 कैरेट हीरे जब्त किए, जिनमें 43.5 कैरेट प्राकृतिक और 426.25 कैरेट कृत्रिम हीरे शामिल हैं, जिनकी कुल कीमत 54.13 लाख रुपये है। अधिकारियों ने बताया कि कीमती सामान यात्री ने अपने शरीर में छुपा रखा था और उस व्यक्ति को हिरासत में ले लिया गया। अधिकारी ने बताया कि मामले में जांच जारी है।

कुशीनगर में सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत

लखनऊ। कुशीनगर जिले के रामकोला थाना क्षेत्र में सड़क हादसे में मोटरसाइकिल सवार एक युवक की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार जिले के नेबुआ नौरंगिया थाना क्षेत्र के पचफेड़ा गांव निवासीदिग्विजय मिश्रा (35) रात मोटरसाइकिल से कप्तानगंज से अपने घर जा रहे थे, तभी रामकोला थाना क्षेत्र के केरवनीया चौराहे के पास सामने से आ रहे अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। पुलिस के मुताबिक घायल अवस्था में मिश्रा को एम्बुलेंस से कप्तानगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। रामकोला थाना प्रभारी संतोष श्रीवास्तव ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। फरार अज्ञात वाहन के चालक की तलाश जारी है।

19 साल बाद नीतीश के हाथ से फिसला गृह मंत्रालय

सम्राट चौधरी को मिली कमान; बिहार की राजनीति में बड़ा उलटफेर

पटना (एजेंसी)।बिहार में शपथ ग्रहण समारोह के बाद अब बड़ी खबर सामने आ रही है। बिहार में यह पहला मौका है जब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पास गृह विभाग नहीं रहेगा। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को गृह मंत्रालय का जिम्मा दिया गया है। यह अपने आप में बड़ी खबर है। 2005 से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपने पास गृह मंत्रालय रखते रहे हैं। लेकिन इस बार भाजपा इसे लेने में कामयाब हुई है। वहीं, दूसरे उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा को भू-राजस्व और खनन विभाग की जिम्मेदारी दी गई है। मंगल पांडे को एक बार फिर से स्वास्थ्य एवं विधि मंत्रालय की जिम्मेदारी दी गई है जबकि रामकृपाल यादव कृषि मंत्री बने हैं।

नितिन नवीन को पीडब्ल्यूडी का विभाग दिया गया है। वहीं, दीपक प्रकाश को पंचायती राज विभाग के जिम्मेदारी दी गई है। संतोष सुमन अपने पुराने विभाग लघु जल संसाधन विभाग की जिम्मेदारी संभालेंगे। दिलीप जायसवाल के पास उद्योग विभाग की जिम्मेदारी दी गई है। हालांकि, अबतक जदयू की ओर से कोई सूची सामने नहीं आई है। बिहार में सबसे लंबे

समय तक मुख्यमंत्री रहे नीतीश कुमार ने बृहस्पतिवार को दसवीं बार पद और गोपनीयता की शपथ ली। नीतीश के 26 सदस्यीय मंत्रिमंडल में पुराने अनुभवी नेताओं के साथ 10 नए चेहरों को शामिल किया गया है, जिसमें जातीय और क्षेत्रीय संतुलन पर विशेष ध्यान दिया गया है।

करीब 19 वर्ष से सत्ता में रहे कुमार ने अपनी पार्टी जनता दल यूनाइटेड (जदयू)और सहयोगी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कई वरिष्ठ मंत्रियों को दोबारा मौका दिया है। जारी सूची के अनुसार, मंत्रिपरिषद में शामिल 26 सदस्यों में से 10 पहली बार मंत्री बने हैं। कुमार के मंत्रिमंडल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता सम्राट चौधरी व विजय कुमार सिन्हा को बरकरार रखा गया है, जो पिछली सरकार में उपमुख्यमंत्री थे। वहीं जदयू ने अपने पुराने मंत्रियों बिजेंद्र प्रसाद यादव, विजय कुमार चौधरी और श्रवण कुमार को भी मंत्रिमंडल में बरकरार रखा गया है। भाजपा ने अपने पूर्व मंत्रियों मंगल पांडेय, सुरेंद्र प्रसाद मेहता और नितिन नविन को दोबारा कैबिनेट में शामिल किया है।

पार्टी की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने भी मंत्रिमंडल में वापसी की हैं। एक अन्य मंत्री नारायण प्रसाद की भी वापसी हुई है। वर्ष 2022 में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) से नीतीश के अचानक अलग होने पर जायसवाल व प्रसाद ने अपना पद गंवा दिया था और पिछली बार जदयू के राजग में लौटने पर भी उन्हें कैबिनेट में जगह नहीं मिली थी। राजग के अन्य सहयोगियों में हम (सेक्युलर) ने फिर से पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी के पुत्र संतोष कुमार सुमन को अपना मंत्री बनाया है।

गंभीर फॉर्म्युले से नंबर-3 की तलाश जारी,पुजारा के बाद सात बल्लेबाजों को आजमा चुकी है टीम इंडिया

गुवाहटी।कोलकाता टेस्ट में टीम मैनेजमेंट के कई फैसले सवालिया रहे, लेकिन जिस फैसले ने सबसे ज्यादा हैरान किया वो था वॉशिंगटन सुंदर को नंबर तीन पर बल्लेबाजी के लिए भेजना। अब तक एक ऑलराउंडर की हैसियत से टेस्ट मैचों में जगह पा रहे सुंदर का नाम बैटिंग ऑर्डर में जब तीन नंबर के विशेषज्ञ बल्लेबाज के तौर पर दिखा तो कई पूर्व क्रिकेटरों का माथा ठनक गया। चेतश्वर पुजारा की विदाई के बाद से टीम इंडिया टेस्ट में जिस नंबर 3 पोजिशन के लिए लंबे समय से समाधान खोजने में संघर्ष कर रही है, वहां किसी ऑलराउंडर को लाकर बिठा देना गौतम गंभीर द्वारा हेड कोच के तौर पर टीम इंडिया के साथ छोटे से कार्यकाल में लिए जा रहे कई अटपटे फैसलों में से एक था।

सुंदर कोलकाता में क्रमशः 29 और 31 रन की पारी खेली। अभी तक डोमेस्टिक क्रिकेट में स्पिन बॉलर के तौर पर पहचान बनाने वाले सुंदर को पूरे मैच में डालने के लिए सिर्फ एक ओवर मिला और वो भी पहली पारी में। यानी बल्ले से वह कुछ कमाल नहीं कर सके और बॉलिंग उनसे करवाई नहीं गई। अब सवाल यह है कि क्या कोलकाता में आजमाए गए

इस फॉर्म्युले का प्रयोग गंभीर गुवाहटी में भी जारी रखेंगे या फिर उनके पिटारे से इस बार कुछ नया फॉर्म्युला निकलेगा। फिलहाल गंभीर अपने ही बुने जाल में फंसते नजर आ रहे हैं। यदि कप्तान शुभमन गिल नहीं खेल पाते हैं तो फिर टीम को एक स्पेशलिस्ट बैटर की जरूरत होगी। विकल्प में टीम के पास साई सुदर्शन, देवदत्त पडिक्कल और नीतीश कुमार रेड्डी हैं। साई और देवदत्त नंबर-3 पोजिशन पर बैटिंग करते हैं और उनमें से किसी भी एक को टीम में शामिल करने से गंभीर को सुंदर को नंबर-3 पर भेजने के अपने पिछले फैसले को पलटना पड़ा सकता है जो उन्होंने कोलकाता टेस्ट में लिया था। यदि सुंदर दोबारा निचले क्रम पर भेजे गए तो फिर सवाल उठेंगे कि सिर्फ एक मैच के लिए यह प्रयोग क्यों? यदि स्पेशलिस्ट बैटर का क्रम बदला गया तो भी सवाल उठेंगे कि गंभीर आखिर क्या हासिल करना चाहते हैं? ऐसी किसी परिस्थिति से बचने और अपने फैसले को सही साबित करने के लिए ये भी हो सकता है कि गंभीर गुवाहटी में नीतीश को मौका दे दें, जिनके निचले क्रम पर बैटिंग करने पर किसी को कोई दिक्कत नहीं होगी, साथ ही वह पेस अटैक में एक अन्य बोलर के शामिल किए जाने का हवाला भी दे सकते हैं। बड़ा सवाल यह है कि अगर सुंदर गुवाहटी टेस्ट में कुछ रन बनाने में कामयाब हो जाते हैं तो क्या भारत उन्हें लंबे समय के विकल्प के रूप में देख रहा है। एक नजर 2023 वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के बाद से टीम इंडिया के टेस्ट रेकॉर्ड पर डालते हैं, जोकि पुजारा के करियर का अंतिम टेस्ट था। उस फाइनल के बाद से पुजारा की जगह टीम इंडिया मैनेजमेंट ने छह अलग अलग प्लेयर्स को आजमाया और सुंदर उस तीन नंबर की पोजिशन पर खेलने वाले सातवें भारतीय थे। पुजारा के बाद आजमाए गए सात प्लेयर्स में गिल भी शामिल रहे जिन्होंने इस पोजिशन पर बल्लेबाजी करते हुए कुछ बहुत शानादार पारियां खेली थीं। इंग्लैंड के खिलाफ विशाखापट्टनम में 104, धर्मशाला में 110, बांग्लादेश के खिलाफ 119 और मुंबई में न्यूजीलैंड के खिलाफ 90 रन। शुरुआत में 17 मैचों में उनका औसत 38 का रहा, लेकिन पिछले 12 महीने में पांच मैचों में गिल सिर्फ 18 की औसत से 93 रन ही बना सके। फिर विराट कोहली के संन्यास के बाद इंग्लैंड दौरे पर उन्होंने चौथे क्रम पर जाना शुरू कर दिया। इंग्लैंड के दौरे पर टीम इंडिया में वापसी कर रहे अनुभवी करुण नायर और युवा साई सुदर्शन को अलग-अलग मैचों में नंबर-3 पर आजमाया गया लेकिन दोनों ही प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहे।

सचिन-लारा नहीं कर पाए, मुश्फिकुर रहीम ने किया वो कारनामा

मीरपुर। बांग्लादेश की टीम आयरलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेल रही है। सीरीज के दूसरे मुकाबले में बांग्लादेश के अनुभवी बल्लेबाज मुश्फिकुर रहीम के साथ ही लिटन दास ने शतक लगा दिया है। ढाका के शेरे बांग्ला नेशनल स्टेडियम में बांग्लादेश की पहली पारी में लिटन दास ने 128 रन बनाए। 192 गेंद की पारी में उन्होंने 8 चौके और 4 छक्के मारे। वहीं मुश्फिकुर रहीम के बल्ले से 106 रन निकले। उन्होंने 214 गेंदों का सामना किया और 5 चौके लगाए। सीरीज में 1-0 से आगे चल रही बांग्लादेश ने पहली पारी में 476 रन बनाए। मुश्फिकुर रहीम का यह बांग्लादेश के लिए 100वां टेस्ट है। वह करियर के 100वें टेस्ट में शतक लगाने वाले बांग्लादेश के बल्लेबाज बल्लेबाज बन गए हैं। रहीम 100वें टेस्ट में शतक लगाने वाले दुनिया के 11वें खिलाड़ी बन गए हैं। रिकी पोंटिंग 100वें टेस्ट की दोनों पारियों में शतक लगाने वाले एकमात्र बल्लेबाज हैं। 38 साल के मुश्फिकुर रहीम ने 18 साल की उम्र में बांग्लादेश के लिए पहला टेस्ट खेला था। 100 टेस्ट की 183 पारियों में उन्होंने बैटिंग की है।

टेस्ट कप्तानी का डेब्यू करेंगे ऋषभ पंत,चोटिल शुभमन गिल गुवाहाटी टेस्ट से बाहर, टीम इंडिया को बड़ा झटका

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय कप्तान शुभमन गिल को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ गुवाहाटी में होने वाले दूसरे और आखिरी टेस्ट मैच से पहले टेस्ट टीम से रिलीज़ कर दिया गया है। पहले टेस्ट के दूसरे दिन गर्दन में चोट लगने के बाद गिल को कोलकाता के अस्पताल में भर्ती कराया गया था और एक दिन बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई थी। हालाँकि, गिल अभी तक चोट से पूरी तरह उबर नहीं पाए हैं और हालाँकि वह आशावादी होने के बावजूद गुवाहाटी गए थे, उनके खेलने की संभावना न के बराबर थी। गिल की अनुपस्थिति में, उनके उप-कप्तान ऋषभ पंत गुवाहाटी में टेस्ट कप्तानी में पदार्पण करेंगे। कोलकाता टेस्ट के दूसरे दिन गिल को गर्दन में चोट लग गई थी और दिन का खेल खत्म होने के बाद उन्हें जाँच के लिए अस्पताल ले जाया गया। उन्हें निगरानी में रखा गया और अगले दिन छुट्टी दे दी गई। वह 19 नवंबर, 2025 को गुवाहाटी गए। दुर्भाग्य से, वह दूसरे टेस्ट में खेलने के लिए पूरी तरह से फिट नहीं थे और अपनी चोट की आगे की जाँच

के लिए मुंबई जाएँगे। गिल की अनुपस्थिति में ऋषभ पंत दूसरे टेस्ट में टीम की कमान संभालेंगे। वह अच्छा कर रहा है, और बेहतर हो रहा है। वह इस टेस्ट मैच को खेलने के लिए बहुत उत्सुक था। मुझे कल ही पता चला कि मैं इस टेस्ट मैच में कप्तानी करूँगा... मैं गिल से रोज़ बात करता रहा हूँ। वहीं, भारत के बायें हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव ने स्वीकार किया कि भारत में हर प्रारूप में खेलने का मौका मिलना आसान नहीं है लेकिन कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच आक्रामक मानसिकता से वह अपनी जगह बनाये हुए हैं। कुलदीप आस्ट्रेलिया में पांच मैचों की टी20 श्रृंखला के बीच से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू टेस्ट श्रृंखला खेलने स्वदेश लौट आये थे। उन्होंने पहले टेस्ट में चार विकेट लिये हालांकि भारत 30 रन से हार गया था। सभी प्रारूप मिलाकर 342 विकेट ले चुके कुलदीप ने जियो स्टार के ' फॉलो द ब्लूज' कार्यक्रम में कहा ," निश्चित तौर पर आप तीनों प्रारूप खेलना चाहेंगे लेकिन टेस्ट खेलने में मजा आता है। भारत में सभी प्रारूपों में खेल पाना आसान नहीं है।"

18 की उम्र में मिस यूनिवर्स और 24 में मां बनी सुष्मिता सेन,मना रहीं 50वां जन्मदिन

मुम्बई। बॉलीवुड की फेमस अदाकारा सुष्मिता सेन 19 नवंबर को अपना 50वां जन्मदिन मना रही हैं। सुष्मिता सेन ने महज 18 साल की उम्र में दुनियाभर में देश का नाम रोशन किया था। एक्ट्रेस ने अपनी एक्टिंग से दर्शकों का दिल जीता है। वहीं उनकी पर्सनल लाइफ भी कम दिलचस्प नहीं रही। अभिनेत्री हमेशा अपने शर्तों पर खूबसूरत जिंदगी जी रही हैं। वहीं महज 24 साल की उम्र में एक्ट्रेस बिन ब्याही मां बन गईं। एक्ट्रेस ने अपने फिल्मी करियर में कई एक से बढ़कर एक फिल्में दी हैं। तो आइए जानते हैं उनके जन्मदिन के मौके पर एक्ट्रेस सुष्मिता सेन के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में...**जन्म और परिवारः** हैदराबाद में 19 नवंबर 1975 को सुष्मिता सेन का जन्म हुआ था। एक्ट्रेस के पिता का नाम शुबीर सेन था, जोकि एक पूर्व भारतीय वायुसेना विंग कमांडर थे। वहीं उनकी मां का नाम सुभ्रा सेन था। वह एक ज्वेलरी डिजाइनर हैं। **मिस यूनिवर्स का ताजः** वहीं 18 साल की उम्र में सुष्मिता सेन ने फेमिना मिस इंडिया का ताज जीता था। इसके बाद साल 1994 में उन्होंने 19 साल की उम्र में भारत देश की पहली मिस यूनिवर्स बनीं। फिलीपींस के पासे में एक्ट्रेस ने मिस यूनिवर्स का ताज अपने नाम किया था और दुनियाभर में देश का नाम रोशन किया था। वहीं साल 2016 में सुष्मिता सेन ने मिस यूनिवर्स की जज भी बनीं। **फिल्मी सफरः** साल 1996 में सुष्मिता सेन ने फिल्म 'दस्तक' हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा था। हालांकि यह फिल्म फ्लॉप साबित हुई। सुष्मिता सेन को साल 1999 में आई फिल्म 'बीवी नंबर 1' से असली पहचान मिली। यह डेविड धवन की कॉमेडी फिल्म थी। इस फिल्म के लिए सुष्मिता सेन को फिल्मफेयर अवॉर्ड भी मिला था। **पर्सनल लाइफः** साल 2000 में एक्ट्रेस सुष्मिता सेन ने अपनी पहले बेटी रेने सेन को गोद लिया और वह बिन ब्याही मां बन गईं। इसके बाद एक्ट्रेस ने साल 2010 में अपनी दूसरी बेटी अलीशा को गोद लिया। वहीं साल 2024 में सुष्मिता सेन को आखिरी बार साल आई फिल्म 'आर्या 3' में देखा गया था। **डेटिंग लाइफः** एक्ट्रेस सुष्मिता सेन ने अपनी पर्सनल लाइफ को कभी छिपाने की कोशिश नहीं की है। फिर चाहे वह एक्ट्रेस की डेटिंग लाइफ क्यों न हो। जब भी मोहब्बत की बात आई, तो उन्होंने उम्र को बाधा नहीं बनने दिया। सुष्मिता ने खुद से 15 साल छोटे मॉडल रोहमान शॉल को डेट कर चुकी हैं। इसके अलावा एक्ट्रेस का नाम संजय नारंग, विक्रम भट्ट, रणदीप हुड्डा और ललित मोदी के साथ जुड़ चुका है।

70 के दशक की बोल्ड आइकॉन जीनत अमान हुईं 74 की, आज भी बरकरार है जलवा

मुम्बई। बॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्री जीनत अमान 19 नवंबर को अपना 74वां जन्मदिन मना रही हैं। एक्ट्रेस का नाम आज भी उसी शिद्दत से गूंजता है, जितना कभी स्क्रीन पर आने पर दर्शकों का शोर गूंजता था। एक्ट्रेस जीनत अमान ने अपने फिल्मी करियर में एक से बढ़कर एक हिट फिल्में दीं। एक्ट्रेस ने अपनी दिलकश अंदाज से करोड़ों लोगों को अपना दीवाना बनाया था। वह पत्रकारिता छोड़कर अभिनय की दुनिया में आई थीं। तो आइए जानते हैं उनके जन्मदिन के मौके पर अभिनेत्री जीनत अमान के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में... **जन्म और परिवारः** मुंबई में 19 नवंबर 1951 को जीनत अमान का जन्म हुआ था। इनकी मां वर्धनी हिंदू थी और पिता का नाम अमानतुल्लाह खान था, जोकि एक मुस्लिम थे। जीनत के पिता पाकीज़ा और मुगले आजम जैसी फिल्मों में राइटर के तौर पर काम कर चुके थे। वहीं 13 साल की उम्र में जीनत अमान के पिता का निधन हो गया और वह अपनी मां के साथ जर्मनी चली गई थीं। जब वह 18 साल की हुईं, तो वापस भारत लौट आईं। **पत्रकारिताः** मुंबई लौटकर जीनत अमान ने अपने करियर की शुरूआत फेमस मैगजीन फेमिना में एक पत्रकार के रूप में की थी। लेकिन जीनत का जर्नलिज्म में खास मन नहीं लगा और उन्होंने मॉडलिंग में हाथ आजमाने की कोशिश की। मिस इंडिया कंपीटिशन में जीनत अमान सेकेंड रनर अप रही और उन्होंने मिस इंडिया पैसिफिक का खिताब अपने नाम किया। **फिल्मी सफरः** मॉडलिंग करियर की मदद से जीनत को फिल्मों में काम मिलने लगा। एक्ट्रेस ने साल 1971 में फिल्म 'हलचल' से फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा। इसके बाद उन्होंने इसी साल एक फिल्म 'हंगामा' में काम किया, लेकिन यह दोनों ही फिल्में फ्लॉप साबित हुईं। इसके बाद एक्ट्रेस को देवानंद के साथ फिल्म 'हरे रामा हरे कृष्णा' में काम करने का मौका मिला। यह फिल्म बंपर हिट हुई और सबका ध्यान अपनी ओर खींचा। इस फिल्म में एक्ट्रेस ने बहन का किरदार निभाया और इस फिल्म के लिए अभिनेत्री को सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री का अवॉर्ड मिला। इस फिल्म के बाद जीनत अमान का करियर ग्राफ तेजी के साथ ऊपर जाना शुरू हुआ। एक्ट्रेस ने 'सत्यम शिवम सुंदरम' और 'कुर्बानी' जैसी फिल्मों में शानदार काम किया और खूब तारीफ बटोकी। दर्शकों पर जीनत ने अपनी अदाओं और दिलकश अंदाज का खूब जादू चलाया। जीनत अमान की जोड़ी सिल्वर सबसे ज्यादा अमिताभ बच्चन के साथ पसंद की गई। जीनत अमान ने देवानंद, अमिताभ बच्चन, मनोज कुमार, राजकपूर, धर्मेन्द्र, राजेश खन्ना, जीतेंद्र, शशि कपूर समेत तमाम एक्टर्स के साथ फिल्मों में काम किया।

बिग बॉस 19:कुनिका सदानंद ने मालती चाहर के लिए किया बहुत बड़ा दावा,कहा-वो लड़की लेवियन है, वो...

मुम्बई। जैसे-जैसे बिग बॉस 19 अपने अंत के करीब आ रहा है, इंटरनेट यूज़र्स इस बात को लेकर असमंजस में हैं कि सलमान खान के शो के फाइनल में कौन पहुँचेगा। घरवाले अब एक-दूसरे का मज़ाक उड़ा रहे हैं। लेकिन जब कुणिका सदानंद ने घर में मालती चाहर के यौन अभिविन्यास का मुद्दा उठाया, तो सभी हैरान रह गए। उन्होंने मालती को 'लेस्बियन' कहा। बिग बॉस 19 के हालिया एपिसोड में कुणिका सदानंद बेडरूम में तान्या मित्तल से बात करती नज़र आईं। जैसा कि सभी जानते हैं, घर में मालती चाहर की तान्या मित्तल और फरहाना भट्ट से कई बार बहस हुई। एपिसोड में टास्क को लेकर उनकी और फरहाना के बीच तीखी बहस हुई। यह सब तब शुरू हुआ जब तान्या मित्तल ने कुणिका से कहा कि वह टास्क के दौरान मालती से नाराज़ थीं क्योंकि उन्होंने उन्हें थाली से मारने की कोशिश की थी। तान्या ने अपना गुस्सा ज़ाहिर किया, तो कुणिका उनके पास आईं और दावा किया कि उन्हें मालती के लेस्बियन होने का पूरा यकीन है। कुणिका ने कहा, 'एक चीज़ बोलना है, तो ऐसा है ये जो मालती मैडम ना, मुझे पूरा यकीन है कि वह लेस्बियन हैं। उनके हाव-भाव और उनके बोलने का तरीका भी कुछ ऐसा ही लग रहा है। इस पर ध्यान दीजिए।' हालाँकि, तान्या ने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। बिग बॉस 19 के घर में कई मुकाबलों के साथ तनाव बढ़ा, वफ़ादारी बदली और भावनाएँ चरम पर पहुँचीं। अमाल की फरहाना से तीखी झड़प से लेकर शहबाज़ के बिग बॉस पर भड़कने तक, 73वाँ दिन ड्रामा, भावनाओं और खुलासों से भरा रहा। अमाल, फरहाना और गौरव के बीच खेल की रणनीति और व्यक्तित्व को लेकर बहस हुई। फरहाना और अमाल ने सवाल किया कि क्या गौरव 'एक किरदार निभा रहे हैं', जिस पर गौरव ने पलटवार करते हुए कहा कि कोई भी तीन महीने तक चौबीसों घंटे अभिनय नहीं कर सकता। चर्चा जल्द ही दार्शनिक हो गई क्योंकि उन्होंने अपने जीवन के व्यक्तिगत संघर्षों और घर के अंदर अपनी प्रामाणिकता पर विचार किया। अमाल और गौरव की बातचीत विशेषाधिकार और अवसर पर तीखी बहस में बदल गई। जब गौरव ने कहा, 'जहाँ तुम्हारा संघर्ष शुरू होता है, वहाँ हमारी आकांक्षा है,' तो अमाल ने जवाब दिया, 'मेरे पिता, डब्बू मलिक असफल रहे - और मुझे यह स्वीकार करने में कोई दिक्कत नहीं है। हम रिवर्स नेपोटिज़्म की उपज हैं।' उन्होंने आगे बताया कि कैसे उनकी माँ के विश्वास ने उन्हें कठिनाइयों से उबारा, याद करते हुए कहा, 'जब मैं नौ साल का था, तो उन्होंने मुझसे कहा था - मेरा बेटा भारत के सबसे बड़े गायकों में से एक होगा।'

'सर्वगुण संपन्न जोड़ी'!रुबिना दिलैक और अभिनव शुक्ला ने जीता

'पति पत्नी और पंगा' का खिताब, केमिस्ट्री ने फैंस का जीता दिल!

मुम्बई। टेलीविज़न जोड़ी रुबीना दिलाइक और अभिनव शुक्ला को 'धमाल विद पति पत्नी और पंगा' के पहले सीज़न का विजेता घोषित किया गया है और उन्हें 'सर्वगुण संपन्न जोड़ी' का खिताब मिला है। शो के दौरान, दोनों जोड़ियों ने अपनी केमिस्ट्री और तालमेल को परखने के लिए कई गेम्स में हिस्सा लिया। बता दें कि रुबीना और अभिनव ने गुरमीत चौधरी और देबीना बनर्जी को हराया, जो शो के पहले रनर-अप रहे। धमाल विद पति पत्नी और पंगा सीज़न 1 का ग्रैंड फ़िनाले एक पारंपरिक भारतीय शादी की तरह था, जिसमें सभी जोड़े दूल्हा-दुल्हन की तरह सजे-धजे और अपनी प्रतिज्ञाओं को दोहराते हुए नज़र आए। रविवार को, रुबीना और अभिनव ने पति पत्नी और पंगा की ट्रॉफी अपने नाम कर ली। जैसे ही होस्ट सोनाली बेंद्रे और मुनव्वर फ़ारूक़ी ने उन्हें विजेता घोषित किया, अभिनव अपनी खुशी रोक नहीं पाए और भांगड़ा करने लगे, जबकि रुबीना वहीं खड़ी उन्हें निहार रही थीं। बाद में, शो जीतने के बाद अभिनव ने रुबीना को किस किया और वीडियो में उनके प्यारे से रिश्ते को देखकर प्रशंसक भावुक हो गए। रुबीना और अभिनव की जीत पर प्रशंसकों ने भी अपनी खुशी ज़ाहिर की। एक कमेंट में लिखा था, 'अभिनव वाकई रुबीना के लिए लकी चार्म हैं।' एक अन्य ने लिखा, 'जीत के हक़दार।' एक और प्रशंसक ने लिखा, 'जिस तरह अभिनव ने रुबीना को कि नी जीत पर एक संयुक्त बयान में, रुबीना और अभिनव ने कहा,

पति पत्नी और पंगा के साथ धमाल हमारे लिए ज़िंदगी की भागदौड़ से दूर एक साथ समय बिताने का एक शानदार तरीका था। एक जोड़े के रूप में, हम बिल्कुल भी परिपूर्ण नहीं हैं, और हमने, अन्य जोड़ों के साथ, अपनी कमियों के बारे में बहुत खुलकर बात की, और यह बहुत ही सुकून देने वाला था। यह ट्रॉफी जीतना बेहद खास है; यह दर्शकों से मिले प्यार और हर उस जोड़े के सहयोग का नतीजा है जिसने इस सफ़र को इतना मज़ेदार बनाया। अगर हम उम्मीद करते हैं कि हमारा सफ़र लोगों को एक बात याद दिलाएगा, तो वह यह है: प्यार में कोई खामी नहीं होती। यह एक-दूसरे को हर चीज़ से ऊपर चुनने के बारे में है, यहाँ तक कि उन दिनों में भी जब यह सबसे मुश्किल लगता है।' रियलिटी शो में तीन महीने के बाद, रुबीना और अभिनव सात अन्य स्टार जोड़ियों को हराकर शीर्ष पर आए, जिनमें गुरमीत चौधरी-देबिना बनर्जी, सुदेश लाहिड़ी-ममता लेहरी, स्वरा भास्कर-फहद अहमद, ईशा मालवीय-अभिषेक कुमार, अविका गोर-मिलिंद चंदवानी, गीता फोगट-पवन कुमार और हिना खान-रॉकी जयसवाल शामिल हैं। अनजान लोगों के लिए, रुबिना दिलैक और अभिनव शुक्ला ने जून 2018 में शादी के बंधन में बंध गए। इस जोड़े ने नवंबर 2023 में जुड़वां बेटियों, जीवा और एधा का स्वागत किया। काम के मोर्चे पर, रुबिना ने अपने अभिनय करियर में अब तक कई हिट टेलीविजन शो में काम किया है। उनके उल्लेखनीय प्रदर्शनों में छोटी बहू, पुनर्विवाहः एक नई उम्मीद, जेनी और जूजू, शक्तिः अस्तित्व के एहसास की और अन्य शामिल हैं। दूसरी ओर, अभिनव शुक्ला को रोरः टाइगर्स ऑफ द सुंदरबन्स, सिलसिला बदलते रिश्तों का और लुका छुपी में उनकी भूमिकाओं के लिए जाना जाता है।

एक्ट्रेस गिरिजा ओक की एआई मॉर्फ्ड तस्वीरें वायरल रोते हुए पूछा

मुम्बई। अपनी नीली साड़ी वाले लुक के लिए वायरल हुईं मराठी अदाकारा गिरिजा ओक गोडबोले ने अपनी मॉर्फ्ड तस्वीरों और वीडियो के बारे में बात की है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर हिंदी, अंग्रेजी और मराठी में अपने वीडियो संदेश साझा किए। उन्होंने शुरुआत में अचानक मिल रहे अपने अटेंशन के बारे में बात की। लेकिन इसमें कुछ बुरी बातें भी शामिल हैं। उन्होंने कहा, 'मेरे कई दोस्त, रिश्तेदार और परिचित मुझे पोस्ट और मीम्स भेज रहे हैं। उनमें से कुछ बेहद मज़ेदार और रचनात्मक हैं, लेकिन कुछ मेरी मॉर्फ्ड तस्वीरें हैं जो अच्छी नहीं लगतीं। वे मुझे कामुक और वस्तु के रूप में पेश करती

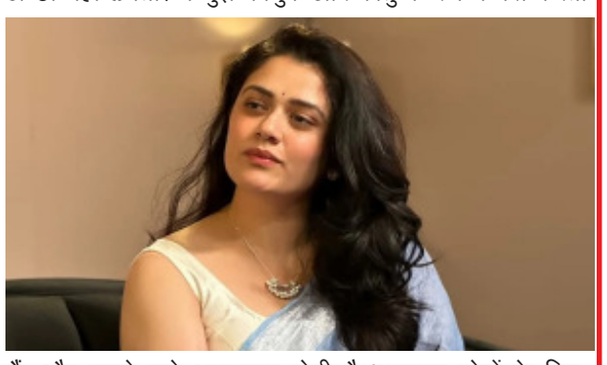

हैं, और इससे मुझे असहजता होती है।'अनजान लोगों के लिए, गिरिजा ने एक तस्वीर साझा की जिसमें उन्होंने नीली साड़ी पहनी हुई है। उनकी सादगी ने प्रशंसकों के दिलों को छू लिया और इसे वायरल कर दिया। जहाँ एक ओर यूज़र्स उनकी तारीफ़ कर रहे हैं, वहीं कुछ लोग उनकी तस्वीरों के साथ छेड़छाड़ करने के लिए का इस्तेमाल कर रहे हैं, जिससे अभिनेत्री का दिल टूट गया है। उन्होंने एक बयान में अपना गुस्सा ज़ाहिर किया है। इंस्पेक्टर ज़ेंडे की अभिनेत्री और नई राष्ट्रीय क्रश गिरिजा ओक गोडबोले ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें उन्होंने अपनी तस्वीरों के साथ छेड़छाड़ पर दुख जताया है। वीडियो में उन्होंने कहा, 'पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर जो कुछ हो रहा है, उससे मैं थोड़ी उलझन में हूँ। जब अचानक आप पर इतना ध्यान केंद्रित हो जाता है, तो समझ नहीं आता कि क्या करें। मुझे लोगों से बहुत प्यार भी मिला है। मैं आप सभी के इतने प्यार के लिए शुक्रिया अदा करना चाहती हूँ।' उन्होंने वीडियो में आगे कहा, 'मेरा परिवार मुझे तरह-तरह की तस्वीरें और मीम्स भेज रहा है, जिनमें से कुछ बहुत अच्छी हैं और कुछ मज़ेदार। इनमें से कुछ तस्वीरें और पोस्ट बहुत अश्लील भी हैं। मेरी तस्वीरों के साथ इस्तेमाल करके छेड़छाड़ करके पोस्ट किया जा रहा है। मैं भी इस दौर की लड़की हूँ, मैं सोशल मीडिया का इस्तेमाल करती हूँ और जानती हूँ कि सोशल मीडिया कैसे काम करता है। सोशल मीडिया एक ऐसा खेल है जिसे हम सब खेलते हैं।' मुझे इस खेल के बारे में पता है, लेकिन इस खेल के कोई नियम नहीं हैं, कुछ भी तय नहीं है, और यह मुझे डराता है। गिरिजा, अपने बेटे के लिए चिंतित, आगे कहती हैं, 'मेरा एक 12 साल का बेटा है। वह आज सोशल मीडिया का इस्तेमाल नहीं करता, लेकिन कुछ सालों में करेगा। पुरुषों और महिलाओं की इन तस्वीरों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का इस्तेमाल करके एडिट, मॉर्फ और अश्लील बनाया जा रहा है। ये तस्वीरें आज या कल ही दिखाई देंगी, लेकिन ये सोशल मीडिया पर हमेशा के लिए रहेंगी। शायद जब मेरा बेटा बड़ा होगा, तो वह इन्हें देख ले।'

एक्शन थ्रिलर धुरंधर का ट्रेलर रिलीज

रणवीर सिंह सहित फिल्म कास्ट का लुक और एक्शन लाजवाब

मुम्बई। आखिरकार दुनिया के लिए बहुप्रतीक्षित एक्शन थ्रिलर फिल्म धुरंधर का ट्रेलर देखने का समय आ ही गया है, जिसमें रणवीर सिंह मुख्य भूमिका में हैं। रणवीर ने 18 नवंबर को खुद सोशल मीडिया पर ट्रेलर शेयर किया। अपने किरदार का एक नया पोस्टर शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, 'मैं ईश्वर का प्रकोप हूँ।' ट्रेलर लॉन्च के मौके पर, रणवीर ने अपने सह-कलाकारों की तारीफ़ की। सारा अर्जुन के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, 'वह एक प्रतिभाशाली बच्ची हैं। वह मुझे डकोटा फैनिंग की याद दिलाती हैं। उन्होंने फिल्म में मुझे बेहतरीन दिखाया है।'

आदित्य धर की फिल्म 'धुरंधर' के ट्रेलर ने रिलीज़ होते ही सिनेप्रेमियों के बीच तहलका मचा दिया है। इसमें एक्शन, ड्रामा और थ्रिलर का ज़बरदस्त तड़का है। अर्जुन रामपाल, आर माधवन, अक्षय खन्ना और संजय दत्त जैसे कई जाने-माने बॉलीवुड कलाकार धुरंधर में दमदार भूमिकाओं में नज़र आ रहे हैं। वहीं रणवीर सिंह का लुक और एक्शन लाजवाब है। ट्रेलर लॉन्च के मौके पर, उनके सह-कलाकार हमज़ा उर्फ़ 'भगवान का प्रकोप' के किरदार के लिए अभिनेता के समर्पण और कड़ी मेहनत की तारीफ़ करते नज़र आए।

फिल्म में अर्जुन रामपाल और अक्षय खन्ना खलनायक की भूमिका निभा रहे हैं। अर्जुन रामपाल का किरदार काफी खूंखार है। आर माधवन का किरदार राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से प्रेरित बताया जा रहा है। ट्रेलर में रणवीर सिंह के अलावा संजय दत्त भी एक्शन करते नज़र आ रहे हैं।

संजय और अक्षय खन्ना काम की व्यस्तता के कारण मंगलवार को ट्रेलर लॉन्च में शामिल नहीं हो सके, लेकिन बाकी कलाकारः रणवीर, अर्जुन, आर. माधवन और नवोदित सारा अर्जुन इस कार्यक्रम में शामिल हुए। निर्देशक आदित्य धर और ज्योति देशपांडे भी धुरंधर ट्रेलर लॉन्च में शामिल हुए और सभी एक-दूसरे के काम, खासकर रणवीर सिंह, की जमकर तारीफ करते नज़र आए।

अर्जुन रामपाल ने फिल्म और उसकी प्रक्रिया के बारे में ज़्यादा जानकारी देने से इनकार कर दिया,

लेकिन रणवीर की तारीफ़ करते हुए कहा, 'रणवीर ने दो साल तक जो किया! मुझे उन पर बहुत गर्व है, क्योंकि यह आसान नहीं है। मैंने रणवीर सिंह को किसी भी फ्रेम में नहीं देखा, सिर्फ़ हमज़ा को देखा और वह अविश्वसनीय था।' वह एक सुपर रॉकस्टार हैं, जिन्होंने न सिर्फ़ अपना समय, समर्पण और जीवन, बल्कि अपना सब कुछ लगा दिया है। लेकिन मैं आपको बताना चाहता हूँ रणवीर, यह आपके जीवन का सबसे बड़ा बदला होगा। सारा अर्जुन, जो इस कार्यक्रम में बेहद शर्मीली दिखीं, ने भी शूटिंग के दौरान रणवीर के सहयोग के लिए धन्यवाद दिया और निर्देशक आदित्य धर ने बॉलीवुड अभिनेता का ज़िक्र किया कि वे दो साल तक इस प्रोजेक्ट, धुरंधर के लिए पूरी तरह समर्पित रहे। यह फिल्म 5 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी। फिल्म का लेखन, निर्देशन और निर्माण आदित्य धर ने किया है। फिल्म के सह-निर्माता ज्योति देशपांडे और लोकेश धर हैं। संगीत रेबल, त्सुम्योकी और शाश्वत सचदेव ने दिया है।

34 साल के ओडिया गायक मानवीय सागर की मौत

मुम्बई। एम्स भुवनेश्वर में भर्ती लोकप्रिय ओडिया गायक हुमेन सागर का सोमवार शाम निधन हो गया। वह 34 वर्ष के थे। उनका एम्स भुवनेश्वर में 72 घंटे से ज़्यादा समय से इलाज चल रहा था। रिपोर्टों के अनुसार, तीन दिन पहले आपातकालीन स्थिति में भर्ती होने के बाद से ही एम्स-भुवनेश्वर के विशेषज्ञ उनकी निगरानी कर रहे थे और डॉक्टर उन्हें स्थिर रखने के लिए उन्नत जीवन रक्षक प्रणाली का इस्तेमाल कर रहे थे।इससे पहले दिन में उनकी पत्नी ने कहा था कि पिछले 24 घंटों में उनकी हालत में कोई सुधार नहीं हुआ है।

34 साल की उम्र में अचानक निधन हो जाने वाले ओडिया संगीत के सनसनी हुमेन सागर ने एक आखिरी इंस्टाग्राम पोस्ट छोड़ा है, जो अब एक विदाई नोट का रूप ले चुका है। यह वीडियो, जिसमें वह एक रेडियो स्टूडियो के अंदर अपनी सामान्य तीव्रता के साथ गाते हुए दिखाई दे रहे हैं, वायरल हो गया है और उनके अचानक निधन से उबरने की कोशिश कर रहे प्रशंसकों के लिए एक अप्रत्याशित लेकिन बेहद निजी विदाई संदेश बन गया है। इस क्लिप की सबसे खास बात इसकी सादगी है, इसमें कोई खास कैप्शन नहीं है, कोई बड़ा संदेश नहीं है, बस सागर वही कर रहे हैं जो उन्हें सबसे ज़्यादा पसंद था, पूरी तरह से समर्पित होकर गा रहे हैं। पोस्ट का कमेंट सेक्शन एक डिजिटल स्मारक में बदल गया है। एक यूजर ने लिखा, 'आपकी विरासत अमर है, लीजेंड'; ज़्यादातर लोगों ने यादें साझा कीं कि कैसे उनकी आवाज़ ने उनके बचपन और किशोरावस्था को आकार दिया। कुल मिलाकर, इस प्रतिक्रिया का पैमाना ओडिशा भर के श्रोताओं के साथ सागर के भावनात्मक जुड़ाव को दर्शाता है, उनके गीत हर पल, उत्सव, दिल टूटने और बहुत कुछ के लिए साउंडट्रैक बन गए हैं। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी सहित कई जानी-मानी हस्तियों ने भी उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की है और उनके निधन को राज्य के सांस्कृतिक परिदृश्य के लिए एक 'अपूरणीय क्षति' बताया है। एम्स भुवनेश्वर में कई अंगों के खराब होने का इलाज करा रहे इस गायक को गहन देखभाल के बावजूद बचाया नहीं जा सका। अपनी दमदार, सुरीली आवाज़ और भावनात्मक गहराई के साथ, उन्होंने पिछले दशक में लगातार कई हिट गाने दिए हैं। उनके गाए हिट गानों में 'तू मोरी पैन', 'मोरा दिल मोरा धड़कन', 'जेते देले धरा', 'निस्वसा', 'तो अखी मो आइना' और 'जान्हा रे' शामिल हैं, जिससे उन्हें ओडिशा और उसके बाहर अपार लोकप्रियता मिली। उनकी प्रतिभा ने उन्हें अनेक पुरस्कार दिलाए, जिनमें सर्वश्रेष्ठ पार्श्वगायक के लिए तरंग सिने पुरस्कार भी शामिल है, जिससे समकालीन गायक के रूप में उनकी आवाज की स्थिति मजबूत हुई।

राजामौली की 'वाराणसी' का टीजर हुआ वायरल, प्रियंका चोपड़ा बोलीं- 'ये सिर्फ ट्रेलर है, पिक्चर अभी बाकी है!'

मुम्बई। इस समय प्रियंका चोपड़ा काफी सुर्खियों में है। दरअसल, प्रियंका इन दिनों अपनी आगामी फिल्म वाराणसी को लेकर काफी चर्चा में हैं। इस फिल्म का निर्देशन बाहुबाली वें के निर्देशक एसएस राजामौली कर रहे हैं। हाल ही में फिल्म निर्माताओं ने हैदराबाद में एक मेगा टीजर लॉन्च इवेंट का आयोजन किया है, जिसमें तमाम स्टार कास्ट और अन्य क्रू मेंबर्स शामिल हुए। इस फिल्म में प्रियंका चोपड़ा समेत महेश बाबू, और पृथ्वीराज सुकुमारन मुख्य भूमिका में हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम पर फिल्म का टीजर जारी करके, दर्शकों में उत्साह बढ़ा दिया है। हाल ही में हैदराबाद के रामोजी फिल्म सिटी में आयोजित एक भव्य ग्लोबट्रॉटर इवेंट में फिल्म का शीर्षक का आधिकारिक तौर पर खुलासा किया गया, जहां एक विशाल स्क्रीन पर टीजर भी दिखाया गया, जिसमें रुद्र के रूप में महेश बाबू का दमदार पहला लुक दिखाया गया। इस इवेंट के बाद फिल्म निर्माताओं ने टीजर ऑनलाइन जारी कर दिया है। कुछ ही देर पहले प्रियंका ने सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी, वाराणसी फिल्म का टीजर जारी किया है, एक छोटी सी झलक शेयर की है। प्रियंका ने कहा ' यह सिर्फ एक झलक है, अभी बहुत कुछ है।'इस फिल्म के टीजर की शुरुआत वारणसी नगरी की भव्य झलक के साथ होती है। इसके बाद कई सारे ऋषि हवन करते दिखाई दिए है। इसी हवन की अग्नि से क्षुद्रग्रह जन्म लेता है, जो सीधा आसमान से अंटार्कटिका में बहती बर्फीली नदी में गिरता है। फिर इसके बाद अफ्रीका की झलक दिखाई गई है, जहां बहुत सारे जानवर दिख रहे हैं। यहीं एक वानर को दिखाने के बाद ही दिखती है हनुमान की झलक। फिर इसमें हनुमान को लंका जलाते हुए एक मोशन पोस्टर रुप दिखाया है। इसके अलावा, हनुमान जी को पर्वत उठाते

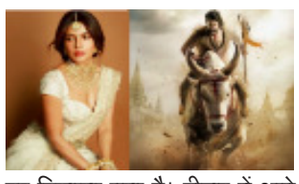

हुए दिखाया गया है। टीजर में आगे दिखाया गया है वाराणसी का मर्णिकर्णिका घाट पर हाथ में त्रिशूल पकड़े रुद्र को।

स्वत्वाधिकारी
प्रकाशक एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
श्री आधुनिक प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजर्स प्रा.लि.
1- मिर्जापुर रोड नैनी प्रयागराज उ.प्र. 211008 से मुद्रित एवं एम2ए/25 एडीए कालोनी नैनी प्रयागराज 211008 (उ.प्र.) से प्रकाशित
सम्पादक
डॉ.दीपक अरोरा
मो 0 न0 09415608783
RNI No. UPHIN/2012/41154
website:www.adhuniksamachar.com
नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।